page 1 and 8 July 12_page 1 Mar 25 final ds.qxd 7/12/2026 2:03 AM Page 1

epaper.dehatsandesh.com

3 जीडीसी महानपुर में एनएसएस इकाई द्वारा योग व ध्यान सत्र आयोजित

5 हार के बाद भी संन्यास के मूड में नहीं जोकोविच बोले कम से कम एक बार और लौटना चाहता हूं

8 '16 अगस्त को जम्मू से श्री बूढ़ा अमरनाथ यात्रा का पहला जत्था होगा रवाना'

न्यूनतम 22

मौसम जम्मू

अधिकतम 34

E-mail: dehatsandesh@gmail.com

जम्मू-कश्मीर का एकमात्र ग्रामीण दैनिक

देहात संदेश

वर्ष-23, जम्मू तवी, अंक-173 | जम्मू तवी, रविवार 12 जुलाई, 2026 | मूल्य-3 रूपये- (लेह) 4 रूपये | पृष्ठ -8

भारत और न्यूजीलैंड के बीच रणनीतिक साझेदारी साझा भविष्य का संकल्प: मोदी

नयी दिल्ली, 11 जुलाई । प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने कहा है कि भारत और न्यूजीलैंड ने अपने द्विपक्षीय संबंधों को रणनीतिक साझेदारी के स्तर तक ले जाने का निर्णय लिया है, जो दोनों देशों के संबंधों के बीच नये अध्याय की शुरूआत और साझा भविष्य का संकल्प है।

न्यूजीलैंड यात्रा पर गये श्री मोदी ने शुक्रवार देर रात प्रधानमंत्री क्रिस्टोफर लक्सन के साथ ऑकलैंड में द्विपक्षीय वार्ता की।

विदेश मंत्रालय ने शनिवार को बताया कि प्रधानमंत्री ने कहा कि भारत और न्यूजीलैंड के संबंध निर्णायक मोड़ पर हैं और इसे ध्यान में रखते हुए दोनों देशों ने कई महत्वपूर्ण समझौते तथा नयी पहलों की घोषणा की है। उन्होंने कहा, हमने भारत-न्यूजीलैंड संबंधों को रणनीतिक साझेदारी के स्तर पर ले जाने का ऐतिहासिक निर्णय लिया है। इसके अंतर्गत हम हर क्षेत्र में स्पष्ट लक्ष्यों और ठोस परिणामों के साथ आगे बढ़ेंगे।

उन्होंने कहा कि दोनों देश रणनीतिक साझेदारी के सूत्र में बंध रहे हैं और यह केवल एक राजनयिक पड़ाव नहीं है। यह हमारे साझा भविष्य का एक नया संकल्प है।

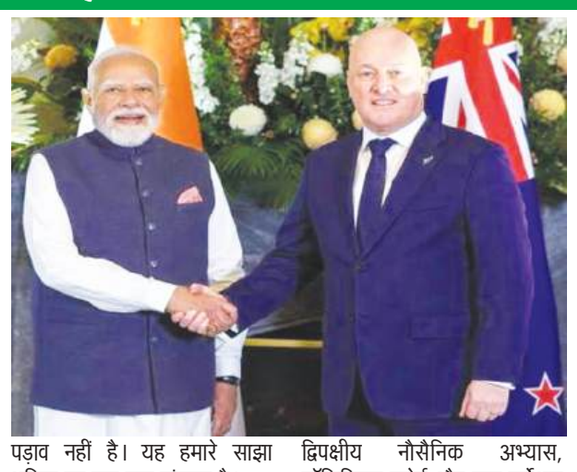

प्रधानमंत्री ने कहा, आज 40 वर्षों के बाद भारतीय प्रधानमंत्री की न्यूजीलैंड यात्रा हो रही है। यह हमारे संबंधों के एक नये अध्याय का शुभारंभ है।

प्रधानमंत्री ने कहा, आज 40 वर्षों के बाद भारतीय प्रधानमंत्री की न्यूजीलैंड यात्रा हो रही है। यह हमारे संबंधों के एक नये अध्याय का शुभारंभ है।

श्री मोदी ने कहा कि दोनों देशों ने हिन्द प्रशांत में समुद्री क्षेत्र में सहयोग पर भी सहमति बनायी है। उन्होंने कहा, आज हमने हिन्द प्रशांत में समुद्री सहयोग के लिए एक रोड़मैप पर सहमति बनायी है। द्विपक्षीय नौसैनिक अभ्यास, लॉजिस्टिक स्पोर्ट और जल सर्वेक्षण में सहयोग से हमारा आपसी तालमेल बढ़ेगा।

उन्होंने कहा कि दोनों देश वैश्विक मंच पर भी भरोसेमंद साझेदार और करीबी मित्र हैं। उन्होंने कहा, हमारा मानना है कि वर्तमान समय की चुनौतियों का सामना करने के लिए संयुक्त राष्ट्र और अन्य वैश्विक संस्थानों में सुधार आवश्यक है।

श्री मोदी ने विश्वास व्यक्त किया कि उनकी इस यात्रा से दोनों देशों के बीच संबंध मजबूत होंगे।

उन्होंने कहा, मुझे विश्वास है कि मेरी इस यात्रा से हम हमारे द्विपक्षीय संबंधों को और मजबूती देंगे, और वैश्विक शांति, स्थिरता और सुरक्षा में हम मिलकर के अपना योगदान बढ़ाएंगे। और हम एक प्रकार से एक उस कैटालिटिक एजेंट के रूप में काम कर सकते हैं जो शांति के पक्ष में हो, शांति के लिए हो, और शांति के द्वारा विश्व कल्याण की दिशा में हम आगे बढ़ पायें।

प्रधानमंत्री ने कहा कि दोनों देशों के बीच मुक्त व्यापार समझौते से दोनों देशों के उद्योगों, किसानों और युवाओं के लिए नये द्वार खुलेंगे।

भविष्य के युद्ध केवल कृत्रिम बुद्धिमत्ता से नहीं, बल्कि सैनिकों के साहस और राष्ट्रीय संकल्प से जीते जाएंगे : राजनाथ

विशाखापट्टनम, 11 जुलाई। रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने शनिवार को कहा कि भविष्य के युद्ध भले ही कृत्रिम बुद्धिमत्ता (आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस-एआई) की मदद से लड़े जाएं, लेकिन उनकी जीत आज भी राष्ट्रीय संकल्प, प्रशिक्षित सैनिकों और मजबूत सैन्य शक्ति पर ही निर्भर करेगी।

विशाखापट्टनम में आईएनएस महेंद्रगिरि के नौसेना में शामिल किए जाने के समारोह को संबोधित करते हुए रक्षा मंत्री ने कहा कि आंध्र प्रदेश भारत के रक्षा और एयरोस्पेस विनिर्माण का नया केंद्र बनकर उभरा है।

रक्षा आधुनिकीकरण के प्रति सरकार के संतुलित दृष्टिकोण का उल्लेख करते हुए राजनाथ सिंह ने कहा कि भारत जहां एक ओर नई पीढ़ी की आधुनिक तकनीकों में निवेश कर रहा है, वहीं दूसरी ओर पारंपरिक सैन्य क्षमताओं को भी लगातार मजबूत किया जा रहा है।

उन्होंने ऑपरेशन सिंदूर का उदाहरण देते हुए कहा कि यह अभियान राष्ट्रीय सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए पारंपरिक सैन्य शक्ति और आधुनिक तकनीकों के प्रभावी समन्वय का उत्कृष्ट उदाहरण है।

उन्होंने कहा, भविष्य के युद्ध कृत्रिम बुद्धिमत्ता की सहायता से लड़े जा सकते हैं, लेकिन उन्हें जीतने के लिए राष्ट्रीय संकल्प, प्रशिक्षित सैनिक और सक्षम सैन्य शक्ति की आवश्यकता हमेशा रहेगी। नई तकनीकें और पारंपरिक सैन्य प्लेटफॉर्म एक-दूसरे के विरोधी नहीं, बल्कि पूरक हैं। पारंपरिक सैन्य प्लेटफॉर्म के बिना नई तकनीकें अपने आप में अधूरी हैं। राजनाथ सिंह ने कहा कि यह सत्य है कि नई तकनीकों ने युद्ध की प्रकृति को बदल दिया है, लेकिन इससे पारंपरिक युद्ध प्रणाली की भूमिका कम नहीं हुई है। उन्होंने कहा कि युद्ध के मूल सिद्धांतों को पूरा करने के लिए मजबूत पारंपरिक सैन्य क्षमता आज भी उतनी ही आवश्यक है, जितनी पहले थी। समुद्री सुरक्षा और आर्थिक सुरक्षा के बीच गहरे संबंधों का उल्लेख करते हुए रक्षा मंत्री ने कहा कि समुद्र आज भी व्यापार, आपूर्ति श्रृंखला, ऊर्जा सुरक्षा और आर्थिक विकास के लिए अत्यंत महत्वपूर्ण हैं। उन्होंने हिंद-प्रशांत क्षेत्र में सागर (क्षेत्र में सभी के लिए सुरक्षा और विकास) की परिकल्पना के प्रति सरकार की प्रतिबद्धता दोहराई। भारत को एक विश्वसनीय क्षेत्रीय साझेदार और शुद्ध सुरक्षा प्रदाता (नेट सिक्योरिटी प्रोवाइडर) बताते हुए राजनाथ सिंह ने कहा कि भारतीय नौसेना ने मानवीय सहायता एवं आपदा राहत अभियानों, समुद्री डकैती विरोधी अभियानों तथा संघर्षग्रस्त क्षेत्रों से भारतीय और विदेशी नागरिकों की सुरक्षित निकासी के माध्यम से अपनी प्रतिबद्धता का लगातार परिचय दिया है। इसी कारण भारतीय नौसेना को प्रथम प्रतिक्रिया देने वाली सेना (फर्स्ट रिस्पॉन्डर) और विश्वसनीय सुरक्षा भागीदार के रूप में अंतरराष्ट्रीय पहचान मिली है। हाल ही में पश्चिम एशिया में हुए संघर्ष के दौरान भारतीय नौसेना की भूमिका का उल्लेख करते हुए रक्षा मंत्री ने कहा कि ऑपरेशन ऊर्जा सुरक्षा के तहत नौसेना ने 9,000 करोड़ रुपये से अधिक मूल्य के आवश्यक सामान ले जा रहे 18 व्यापारिक जहाजों को सुरक्षित मार्ग प्रदान किया। उन्होंने कहा कि इससे यह स्पष्ट होता है कि भारतीय नौसेना केवल राष्ट्रीय सुरक्षा ही नहीं, बल्कि देश के आर्थिक हितों की भी प्रभावी ढंग से रक्षा कर रही है।

"राजनाथ सिंह ने कहा कि यह सत्य है कि नई तकनीकों ने युद्ध की प्रकृति को बदल दिया है, लेकिन इससे पारंपरिक युद्ध प्रणाली की भूमिका कम नहीं हुई है।

खबर संक्षेप

एसआईए ने हिजबुल आतंकवादी कंदू के खिलाफ इंटरपोल रेड कॉर्नर नोटिस हासिल किया

श्रीनगर, 11 जुलाई । जम्मू और कश्मीर पुलिस की राज्य जांच एजेंसी (एसआईए) ने 2013 के एक आतंकी हमले के मामले में हिजबुल मुजाहिदीन के नामित आतंकवादी इम्तियाज अहमद कंदू के खिलाफ इंटरपोल रेड कॉर्नर नोटिस हासिल कर लिया है।

अधिकारियों ने कहा कि यह रेड कॉर्नर नोटिस मिलना उत्तरी कश्मीर के बारामूला जिले के तारजू क्षेत्र में 2013 में हुए आतंकी हमले की जांच में एक महत्वपूर्ण उपलब्धि है, जिसमें जम्मू और कश्मीर पुलिस के चार जवान शहीद हो गए थे। अधिकारियों ने बताया, 卐अपनी निरंतर आतंकवाद-विरोधी मुहिमों में एक बड़ी सफलता हासिल करते हुए कश्मीर की भारतीय सुरक्षा एजेंसी (एसआईए) ने नामित हिजबुल मुजाहिदीन (एचएम) आतंकवादी इम्तियाज अहमद कंदू उर्फ फैयाज उर्फ सज्जाद के खिलाफ इंटरपोल रेड कॉर्नर नोटिस (आरसीएन) प्राप्त कर लिया है।卐 उन्होंने बताया कि सोपोर के क्रालतांग निवासी कंदू उर्फ फैयाज उर्फ सज्जाद 2010 से प्रतिबंधित आतंकवादी संगठन हिजबुल मुजाहिदीन का सक्रिय सदस्य और कमांडर रहा है।

आतंकवादी गतिविधियों में उसकी निरंतर संलिप्तता के कारण, भारत सरकार ने अक्टूबर 2022 में उसे नामित आतंकवादी घोषित किया था।

चेहरे की पहचान प्रणाली से अलर्ट मिलने के बाद अनंतनाग पुलिस ने एक ओजीडब्ल्यू को लिया हिरासत में

अनंतनाग, 11 जुलाई । श्री अमरनाथ जी यात्रा के दौरान सुरक्षा के क्षेत्र में एक बड़ी सफलता हासिल करते हुए अनंतनाग पुलिस ने शनिवार को नुनवान बेस कैंप के एक्स-रे प्वाइंट पर फेशियल रिकग्निशन सिस्टम (एफआरएस) से मिले रियल-टाइम अलर्ट के बाद एक ओवर ग्राउंड वर्कर (ओजीडब्ल्यू) को हिरासत में लिया। पुलिस के अनुसार हिरासत में लिए गए व्यक्ति की पहचान मोहम्मद इकबाल वानी के रूप में हुई है जो अली मोहम्मद वानी का पुत्र है और बांदीपोरा जिले के हाजिन का निवासी है।

फेशियल रिकग्निशन सिस्टम से मिले अलर्ट पर तुरंत कार्रवाई करते हुए पुलिस कर्मियों ने संदिग्ध को रोका और उसकी जांच की जिसमें उसकी ओजीडब्ल्यू होने की पुष्टि हुई। उसे आगे की कानूनी कार्यवाही और विस्तृत जांच के लिए हिरासत में लिया गया है।

पुलिस ने कहा कि इस सफल कार्रवाई से वार्षिक श्री अमरनाथ जी यात्रा के लिए बहुस्तरीय सुरक्षा व्यवस्था के तहत तैनात उन्नत निगरानी तकनीक की प्रभावशीलता का पता चलता है। फेशियल रिकग्निशन सिस्टम ने रियल-टाइम निगरानी को काफी बढ़ाया है, पहुंच नियंत्रण को मजबूत किया है और सुरक्षा एजेंसियों को संभावित खतरों पर तुरंत प्रतिक्रिया देने में सक्षम बनाया है। अनंतनाग पुलिस ने आधुनिक तकनीक का उपयोग करते हुए और पूरी यात्रा के दौरान एक मजबूत सुरक्षा व्यवस्था बनाए रखते हुए तीर्थयात्रियों की सुरक्षा सुनिश्चित करने की अपनी प्रतिबद्धता दोहराई है जिसका उद्देश्य सभी श्रद्धालुओं के लिए शांतिपूर्ण, सुरक्षित और घटना-मुक्त तीर्थयात्रा को सुगम बनाना है।

राज्य का दर्जा बहाली पर बोले उमर अब्दुल्ला-केंद्र सरकार उनके सब्र को कमजोरी न समझे

श्रीनगर, 11 जुलाई । जम्मू-कश्मीर के मुख्यमंत्री उमर अब्दुल्ला ने पूर्ण राज्य का दर्जा बहाल करने में देरी को लेकर केंद्र की भाजपा सरकार की आलोचना की। उन्होंने केंद्र सरकार पर निशाना साधते हुए कहा कि राज्य का दर्जा भाजपा के शासन का बंधक नहीं बन सकता। उन्होंने चेतावनी दी कि केंद्र सरकार उनके सब्र को कमजोरी न समझे। उन्होंने सवाल किया कि परिसीमन और विधानसभा चुनाव पूरे होने के बावजूद राज्य का दर्जा बहाल करने का वादा क्यों पूरा नहीं किया गया? मुख्यमंत्री उमर शनिवार को हजरतबल में बेगम अकबर जहां अब्दुल्ला (मादर-ए-मेहरबान) की 26वीं पुण्यतिथि पर नेशनल कॉन्फ्रेंस के कार्यकर्ताओं को संबोधित कर रहे थे। उन्होंने कहा कि पार्टी जम्मू कश्मीर को पूर्ण राज्य का दर्जा देने को लेकर 20 जुलाई को नई दिल्ली के जंतर-मंतर पर विरोध प्रदर्शन करेगी। उन्होंने कहा कि अब राज्य का दर्जा बहाल करने की मांग को शांतिपूर्ण तरीके से तेज करने का समय आ गया है। अपनी दादी बेगम अकबर जहां अब्दुल्ला को श्रद्धांजलि देते हुए उमर ने कहा कि वे जम्मू-कश्मीर के राजनीतिक इतिहास के सबसे मुश्किल दौर में भी अडिग रहीं। मुख्यमंत्री ने राज्य का दर्जा बहाल करने में हो रही देरी पर सवाल उठाते हुए कहा कि उन्होंने टकराव के बजाय बातचीत से मुद्दों को सुलझाने की कोशिश में लगभग दो साल बिता दिए हैं। उन्होंने कहा, मैंने बार-बार कहा कि हम टकराव से नहीं, बल्कि बातचीत से अपने अधिकार हासिल करना चाहते हैं। मैंने जानबूझकर केंद्र को अपने वादे पूरे करने का समय दिया। लेकिन आज हम विरोध प्रदर्शन के लिए मजबूर हैं क्योंकि साफ तौर पर कुछ बदल गया है। एक गंभीर आरोप लगाते हुए उमर ने कहा कि पैसे और राजनीतिक पदों का लालच देकर नेशनल कॉन्फ्रेंस में दलबदल कराने की कोशिशें की जा रही हैं। उन्होंने आरोप लगाया, वे एक बार फिर नेशनल कॉन्फ्रेंस को तोड़ने की कोशिश कर रहे हैं। मुझे बताया गया है कि जम्मू के हमारे एक एमएलए को उनके साथ शामिल होने पर 20-30 करोड़ रुपये, मंत्री पद और राज्य का दर्जा बहाल करने का वादा किया गया था। उन्हें लगता है कि लोगों की अंतरात्मा इतनी सस्ती है।

2.5 साल की गैरहाजिरी पड़ी भारी-कठुआ में पुलिस कांस्टेबल सेवा से बर्खास्त

कठुआ, 11 जुलाई । कठुआ की वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक मोहिता शर्मा आईपीएस ने लंबी अवधि तक बिना अनुमति अनुपस्थित रहने पर एक पुलिस कांस्टेबल को सेवा से बर्खास्त कर दिया है।

जानकारी के अनुसार एसजीसीटी बच्चन शर्मा नंबर 469-के निवासी ढलोटी तहसील मढ़हीन जिला कठुआ वर्ष 2011 में पुलिस विभाग में भर्ती हुआ था और डीपीएल कठुआ में तैनात था। वह 10 नवंबर 2023 से बिना अनुमति ड्यूटी से गायब था। विभाग की ओर से कई नोटिस वायरलेस संदेश और समाचार पत्रों के माध्यम से सूचना देने के बावजूद वह ड्यूटी पर वापस नहीं लौटा। विभागीय जांच में उसे जानबूझकर लंबे समय तक अनुपस्थित रहने और अनुशासनहीनता का दोषी पाया गया। इसके बाद पुलिस नियमावली के तहत कार्रवाई करते हुए उसे 10 नवंबर 2023 से प्रभावी रूप से सेवा से बर्खास्त कर दिया गया है। संबंधित कर्मचारी को सरकारी सामान जमा कराने और विभाग से एनडीसी प्राप्त करने के निर्देश दिए गए हैं अन्यथा उसके खिलाफ कानूनी कार्रवाई की जाएगी।

जम्मू-कश्मीर में कुख्यात ड्रग तस्कर को जेल भेजा, चार अन्य लोग नशीले पदार्थों के साथ गिरफ्तार

जम्मू, 11 जुलाई । जम्मू संभाग के उधमपुर जिले में पीआईटी-एनडीपीएस अधिनियम के तहत एक मादक पदार्थ तस्कर को हिरासत में लिया गया है जबकि सांबा, कठुआ और राजौरी जिलों में विभिन्न स्थानों से मादक पदार्थों के साथ पकड़े जाने पर चार अन्य को गिरफ्तार किया गया है। पुलिस प्रवक्ता ने शनिवार को बताया कि फलाटा गांव के निवासी संजय कुमार उर्फ संजू को उधमपुर में मादक पदार्थों और मनोरोगी पदार्थों की अवैध तस्करी की रोकथाम (पीआईटी-एनडीपीएस) अधिनियम के प्रावधानों के तहत हिरासत में लिया गया है।

भाजपा ने मुख्यमंत्री उमर अब्दुल्ला के आरोपों को बताया निराधार, सार्वजनिक माफी की मांग

जम्मू, 11 जुलाई (। भाजपा ने मुख्यमंत्री उमर अब्दुल्ला द्वारा एक भाजपा पदाधिकारी पर नेशनल कॉन्फ्रेंस के विधायक को कथित रूप से धन का प्रलोभन देने के लगाए गए आरोपों को निराधार, गैर-जिम्मेदाराना और राजनीतिक प्रेरित बताया है। शनिवार को जम्मू के त्रिकुटा नगर स्थित पार्टी मुख्यालय में आयोजित प्रेसवार्ता में उधमपुर पूर्व के विधायक एडवोकेट आर.एस. पठानिया, भाजपा मीडिया प्रभारी डॉ. प्रदीप महोत्रा और प्रवक्ता डॉ. हरि दत्त शिशु ने यह बात कही।

आर.एस. पठानिया ने कहा कि यदि मुख्यमंत्री अपने आरोपों के समर्थन में ठोस और सत्यापित साक्ष्य प्रस्तुत नहीं करते और बिना शर्त सार्वजनिक माफी नहीं मांगते तो भाजपा उनके खिलाफ उचित कानूनी और आपराधिक कार्रवाई करने पर विचार करेगी। उन्होंने सवाल उठाया कि यदि किसी विधायक को रिश्वत देने का प्रयास वास्तव में हुआ था तो इसकी सूचना पुलिस, भ्रष्टाचार निरोधक ब्यूरो (एसीबी) या किसी अन्य जांच एजेंसी को क्यों नहीं दी गई। उन्होंने यह भी पूछा कि कथित रूप से रिश्वत की पेशकश किसने की, किस भाजपा पदाधिकारी का नाम इसमें शामिल है, किस विधायक से संपर्क किया गया और घटना कब तथा कहां हुई। भाजपा नेताओं ने कहा कि निर्वाचित जनप्रतिनिधियों की खरीद-फरोख्त जैसे गंभीर आरोप लोकतांत्रिक व्यवस्था से जुड़े हैं और ऐसे मामलों में राजनीतिक बयानबाजी के बजाय ठोस साक्ष्य होने चाहिए। उन्होंने आरोप लगाया कि मुख्यमंत्री शासन से जुड़े मुद्दों और सरकार की कार्यप्रणाली को लेकर उठ रहे सवालों से ध्यान भटकाने का प्रयास कर रहे हैं। प्रेसवार्ता में भाजपा ने उस विवाद का भी उल्लेख किया जिसमें कथित रूप से एक शैक्षणिक सामग्री में जम्मू-कश्मीर को 卐इंडियन ऑक्यूपाइड कश्मीर卐 बताया गया था और मकबूल भट को लेकर भी आपत्ति जताई गई थी। पार्टी ने कहा कि इन मुद्दों पर भी सरकार को जनता के सामने स्पष्ट जवाब देना चाहिए।

एनडीपीएस अधिनियम के तहत 14,45,079 रुपये मूल्य का एक आवासीय मकान जब्त

कुपवाड़ा, 11 जुलाई । मादक पदार्थों की तस्करी और मादक पदार्थों से संबंधित अपराधों से प्राप्त धन के खिलाफ अपने निरंतर अभियान को जारी रखते हुए कुपवाड़ा पुलिस ने आज मादक औषधि एवं मनोरोगी पदार्थ (एनडीपीएस) अधिनियम की धारा 68-एफ के तहत 14,45,079 रुपये मूल्य के एक आवासीय मकान को जब्त कर लिया।

पुलिस ने बताया कि जब्त की गई संपत्ति राज मोहम्मद खान पुत्र हबीबुल्लाह खान निवासी काकरपाटी दीवर लोलाब, जिला कुपवाड़ा की है।

पुलिस प्रवक्ता ने एक बयान में कहा कि यह कुर्की एनडीपीएस अधिनियम के संबंधित प्रावधानों के अनुसार मादक पदार्थों की तस्करी पर अंकुश लगाने और अवैध साधनों से अर्जित संपत्तियों को लक्षित करने के चल रहे प्रयासों के तहत की गई है।

कड़ी सुरक्षा के बीच अमरनाथ यात्रा के लिए 9,182 श्रद्धालुओं का 10वां जत्था रवाना

-अब तक दो लाख से अधिक श्रद्धालु कर चुके हैं बाबा बर्फानी के दर्शन

जम्मू, 11 जुलाई । श्री अमरनाथ यात्रा के तहत शनिवार को 2,435 महिलाओं सहित कुल 9,182 श्रद्धालुओं का 10वां जत्था जम्मू स्थित भगवती नगर यात्री निवास बेस कैंप से पवित्र अमरनाथ गुफा मंदिर के दर्शन के लिए रवाना हुआ। श्रद्धालुओं को कड़ी सुरक्षा व्यवस्था के बीच अलग-अलग काफिलों में दक्षिण कश्मीर के अनंतनाग जिले स्थित पहलगाम और गांदरबल जिले के बालटाल बेस कैंप के लिए भेजा गया। अधिकारियों के अनुसार, रवाना हुए श्रद्धालुओं में 256 साधु, 46 साध्वियां और 31 बच्चे भी शामिल हैं। श्रद्धालुओं की सुरक्षा के लिए जम्मू से लेकर दोनों यात्रा मार्गों तक बहुस्तरीय सुरक्षा व्यवस्था की गई है। केंद्रीय अर्धसैनिक बलों, जम्मू-कश्मीर पुलिस तथा अन्य सुरक्षा एजेंसियों की निगरानी में वाहनों के काफिले को निर्धारित समय पर रवाना किया गया। अधिकारियों के अनुसार, 206 वाहनों के काफिले में 5,877 श्रद्धालुओं को पारंपरिक पहलगाम मार्ग के लिए भेजा गया। यह मार्ग अनंतनाग जिले के नुनवान बेस कैंप से होकर पवित्र गुफा तक पहुंचता है और अपेक्षाकृत लंबा लेकिन प्राकृतिक सौंदर्य से भरपूर माना जाता है। वहीं, 127 वाहनों में सवार 3,305 श्रद्धालुओं ने गांदरबल जिले के बालटाल मार्ग को चुना, जो दूरी में छोटा होने के कारण कम समय में गुफा तक पहुंचने का विकल्प प्रदान करता है। प्रशासन ने यात्रा मार्गों पर श्रद्धालुओं की सुविधा के लिए चिकित्सा सेवाएं, पेयजल, बिजली, संचार, भोजन, आवास तथा आपदा प्रबंधन की व्यापक व्यवस्था की है। मौसम और सुरक्षा की स्थिति पर लगातार नजर रखी जा रही है ताकि यात्रा सुचारु रूप से जारी रहे।उल्लेखनीय है कि समुद्र तल से लगभग 3,880 मीटर की ऊंचाई पर स्थित पवित्र अमरनाथ गुफा की 57 दिवसीय वार्षिक यात्रा 3 जुलाई से पहलगाम और बालटाल, दोनों मार्गों से शुरू हुई थी। यह यात्रा रक्षा बंधन के पावन पर्व के अवसर पर 28 अगस्त को संपन्न होगी। धार्मिक आस्था और उत्साह के बीच इस वर्ष यात्रा को लेकर श्रद्धालुओं में विशेष उत्साह देखा जा रहा है। अब तक देश-विदेश से आए दो लाख से अधिक श्रद्धालु बाबा बर्फानी के दर्शन कर पुण्य लाभ अर्जित कर चुके हैं। प्रशासन को उम्मीद है कि आगामी

ब्रिक्स देशों को भविष्य के अनुकूल परिवहन व्यवस्था के लिए मिलकर करना होगा काम : गडकरी

नयी दिल्ली, 11 जुलाई । सड़क परिवहन एवं राजमार्ग मंत्री नितिन गडकरी ने ब्रिक्स समूह में टिकाऊ, सुरक्षित, समावेशी और भविष्य की जरूरतों के अनुरूप परिवहन व्यवस्था विकसित करने के लिए परस्पर सहयोग बढ़ाने की ज़रूरत पर बल देते हुए सभी देशों से मिलकर काम करने का आह्वान किया है। श्री गडकरी ने नागपुर ब्रिक्स देशों के परिवहन मंत्रियों की तीसरी बैठक का उद्घाटन करते हुए शनिवार को कहा कि बैठक में विचार के लिए परिवहन व्यवस्था का जो एजेंडा तैयार किया है ,वह महत्वपूर्ण है क्योंकि बदलती अर्थव्यवस्थाओं के लिए परिवहन भविष्य की सबसे बड़ी चुनौती है और इस चुनौती पर समूह के सभी देशों का मिलकर ध्यान देना आवश्यक हो गया है। उन्होंने कहा कि उभरती अर्थव्यवस्थाओं के बीच परिवहन क्षेत्र में सहयोग से काम करने की जरूरत है क्योंकि ब्रिक्स देशों में अर्थव्यवस्थाएं तेजी से बदल रही हैं और बदलती अर्थव्यवस्थाओं के बीच इस समूह में नवाचार, साझेदारी और साझा जिम्मेदारी के जरिए पूरी वैश्विक परिवहन व्यवस्था की दिशा तय करने की क्षमता ह ै ।

नागपुर में भारत की अध्यक्षता में आयोजित तीसरी ब्रिक्स परिवहन मंत्रियों की बैठक की अध्यक्षता करते हुए श्री गडकरी ने कहा कि भारत की ब्रिक्स अध्यक्षता का विषय बिल्डिंग फॉर रेजिलिएंस, इनोवेशन, कोऑपरेशन एंड सस्टेनेबिलिटी है, जो वसुधैव कुटुम्बकम् की भावना और मानवीयता प्रथम दृष्टिकोण से प्रेरित है। उन्होंने कहा कि विश्व की लगभग आधी आबादी का प्रतिनिधित्व करने वाले ब्रिक्स देश स्वच्छ, सुरक्षित, स्मार्ट और दक्ष परिवहन प्रणाली विकसित करने में अग्रणी भूमिका निभा सकते हैं। उन्होंने कहा कि भारत ने दुनिया का दूसरा सबसे बड़ा सड़क नेटवर्क विकसित किया है

"उन्होंने कहा कि भारत ने दुनिया का दूसरा सबसे बड़ा सड़क नेटवर्क विकसित किया है तथा एक्सेस-कंट्रोल्ड एक्सप्रेसवे और मल्टीमॉडल संपर्क का तेजी से विस्तार किया है।

तथा एक्सेस-कंट्रोल्ड एक्सप्रेसवे और मल्टीमॉडल संपर्क का तेजी से विस्तार किया है। दिल्ली-देहरादून आर्थिक गलियारा, सोनमर्ग सुरंग और 10 हजार किलोमीटर से अधिक ग्रीनफील्ड एक्सप्रेसवे जैसी परियोजनाएं आधुनिक अवसंरचना, पर्यावरण संरक्षण और तकनीकी नवाचार के प्रति भारत की प्रतिबद्धता का उदाहरण हैं। रेलवे, समुद्री और विमानन क्षेत्रों में भी व्यापक आधुनिकीकरण हुआ है।

उन्होंने ब्रॉडगेज नेटवर्क के लगभग पूर्ण विद्युतीकरण, वंदे भारत ट्रेनों के विस्तार, मुंबई-अहमदाबाद हाई-स्पीड रेल परियोजना, मैरीटाइम अमृत काल विजन-2047, ग्रीन शिपिंग पहल और पीएम गति शक्ति राष्ट्रीय मास्टर प्लान का उल्लेख करते हुए कहा कि इन पहलों से मल्टीमॉडल संपर्क और लॉजिस्टिक्स क्षमता को मजबूती मिली है। उन्होंने कहा कि सड़क सुरक्षा और पर्यावरणीय स्थिरता भारत की परिवहन नीति के प्रमुख आधार हैं। उन्होंने सड़क दुर्घटना पीड़ितों के नकद-रहित उपचार के लिए पीएम-राहत योजना तथा सड़क निर्माण में प्लास्टिक कचरा, फ्लाई ऐश, स्टील स्लैग, बांस और अनुपयोगी टायरों जैसे पुनर्चक्रित संसाधनों के उपयोग को हरित अवसंरचना की दिशा में महत्वपूर्ण कदम बताया।

साभार : अशोक कुमार मुनड़ेतिया

शरीर की गंध से छुटकारा

शरीर से पसीने की गंध अधिकाशंत दुर्गध) आना एक आम समस्या है जिसका हल पाने के लिए भारतीय दुकानदारों ने अपनी दुकानों को तमाम भारतीय व इम्पोर्टेड ब्रैंड के डिओडरेट व एंटीपर्सपीरेट से भर दिया है। विज्ञापनों द्वारा इन उत्पादों की सिर्फ खूबियां दिखाना या बताया जाना तथा इनके कन्टेनर्स पर लिखी हुई अपर्याप्त व अधूरी जानकारी के कारण डिओडरेट व एन्टीपर्सपीरेट के विषय में बहुत सी गलत धारणाएं तथा परेशानियां जन्म ले चुकी है।

पसीना व गंध क्यों

त्वचा रोग विशेषज्ञ डॉ. सी.पार्थसारथी के अनुसार, 'शरीर में पसीने का आना इस बात की निशानी है कि हमारा शरीर अत्यधिक उपजी ऊर्जा से छुटकारा पा रहा है। यह ऊर्जा उपपाचन या मांसपेशियों की मशक्कत द्वारा पैदा हुई होती है।' एक सामान्य वयस्क के शरीर में लगभग बीस लाख स्वेद ग्रंथियां होती हैं जो दो प्रकार की होती है- एक्रीन स्वेद ग्रंथियां व एपोक्रीन स्वेद ग्रंथियां। एक्रीन स्वेद ग्रंथियां शरीर के तापमान को नियंत्रित करती है और त्वचा की नमी भी इन्हीं ग्रंथियों के कारण बनी रहती है। सिर्फ होंठ व जननांगों के हिस्से में ये ग्रंथियां नहीं होतीं। त्वचा की निचली सतह पर होने वाली इन ग्रंथियों के कारण ही पसीना रोमछिद्रों के द्वारा त्वचा पर आता है। एपोक्रीन ग्रंथियां शरीर के हारमोन द्वारा नियंत्रित होती है। भावानात्मक तनाव से ये ग्रंथियां चेतन हो जाती हैं। शरीर में पसीने की दुर्गध को जन्म देने वाली ग्रंथियां एपोक्रीन होती हैं जिनमें बैक्टीरिया पैदा हो जाते है।

दोनों अलग-अलग

पसीने की इसी गंध या दुर्गध से छुटकारा दिलाने वाले बॉडी स्प्रे, डियोडरेट व एन्टीपर्सपीरेट लगभग एक ही उत्पाद की तरह माने जाते है जबकि सच यह है कि ये दोनों ही अपने विभिन्न रासायनिक प्रभावों के कारण अलग-अलग उत्पाद है। एन्टीपर्सपीरेन्ट शरीर में पसीना आने की प्रक्रिया तथा त्वचा के गीलेपन को कम करते है, डिओडरेन्ट का काम शरीर से गंध को दूर करना है। डिओडरेन्ट का जन्म इस तथ्य को जानने के बाद हुआ कि त्वचा के बैक्टीरिया शरीर की गंध पैदा करते है। इनके इस्तेमाल से इन बैक्टीरिया के नाश किया जा सकता है।

एन्टीपर्सपीरेन्ट के प्रयोग से पसीना बाहर निकालने वाले छिद्र बंद हो जाते है जिससे पसीना कम बाहर आता है। एक धारणा के अनुसार एन्टीपर्सपीरेन्ट में पाए जाने वाले एस्ट्रीन्जेन्ट सॉल्ट त्वचा में सूजन पैदा कर छिद्रों को बंद होने के लिए मजबूर करते है। कुछ एन्टीपर्सपीरेट डियोडरेट युक्त भी होते है।

चुनते समय ध्यान रहे

एन्टीपर्सपीरेट व डियोडरेन्ट के शरीर पर पड़ने वाले हानिकारक प्रभावों को ध्यान में रखते हुए हो सके तो इनका प्रयोग न करे जब तक निहायत जरूरी न हो। शरीर के पसीने की गंध को बार-बार नहाने या पसीने वाली जगहों को अच्छी तरह पानी से धोने व पोंछने द्वारा नियंत्रित रखा जा सकता है। यदि आपको इनका इस्तेमाल जरूरी लगता हो तो सोचें कि आपको किस उत्पाद की जरूरत है। यदि शरीर में गंध एक समस्या है तो बैक्टीरिया नाशक डिओडरेंट का प्रयोग करे। न ही पसीना बढ़ाते।

खतरे इनके प्रयोग के

एन्टीपर्सपीरेन्ट व डियोडरेन्ट में इस्तेमाल होने वाले रासायनिक पदार्थ प्रायः बाद में बैन होते देखे गए है क्योंकि इनका प्रभाव शरीर पर हानिकारक देखा गया है। दरअसल ऐसे पदार्थ जो प्रभावशाली भी हों और सुरक्षित भी, बनते ही नहीं है। इसलिए इन उत्पादों के प्रयोग से निम्नलिखित हानिकारक प्रभाव हो सकते है-

त्वचा पर प्रतिकूल असर- इनमें पाए जाने वाले अमलीय पीएच एस्ट्रीनजेन्ट सॉल्ट त्वचा में जलन या चकत्ते पैदा करते है। इनके इस्तेमाल से कान्टेक्ट डरमेटाइटिस नामक त्वचा संबंधी रोग भी हो सकता है। इनके लंबे प्रयोग से बगलों में ग्रैन्यूलोमा रोग भी हो सकता है।

आंखों की समस्या- इनके स्प्रे गलती से यदि आंखों में चले जाएं तो आंखों संबंधी रोग जैसे आई फ्लू, जलन आदि हो सकते है। यदि स्प्रे की मात्रा अधिक हो तो विजन भी खत्म हो सकता है।

कैंसर का खतरा -अमेरिकन कैंसर सोसायटी के अनुसार एन्टीपर्सपीरेट में एल्यूमिनियम सॉल्ट का बेस नहीं होता, उनमें जिनकोनियम क्लोरोहाइड्रेट, जिरकोनिल क्लोराइड या जिंक फेनोसलफेट होता है। जिरकोनियम का सांस के साथ अंदर जाना कैंसर को जन्म दे सकता है। एन्टीपर्सपीरेट पसीना बाहर आने की क्रिया को अवरुद्ध कर, शरीर से बगलों, घुटनों के पीछे व कानों के पीछे वाले क्षेत्रों से निकलने वाले जहरीले पदार्थ को शरीर के अंदर ही रहने देते है। इन जहरीले पदार्थों का अधिक जमाव उस क्षेत्र की कोशिकाओं को नष्ट कर कैंसर को जन्म देता है।

जहरीला ट्रिक्लोसन- डॉ. पार्थपारथी के अनुसार इन दो उत्पादों में एक नया रासायनिक तत्व ट्रिक्लोसन भी हो सकता है जो त्वचा के भीतर जाकर यकृत को नष्ट कर सकता है।

दागयुक्त कपड़े- एंटीपर्सपीरेट में पाया जाना वाला एल्यूमिनियम साल्ट पसीने के साथ मिलकर अधिक अम्लीय हो जाता है। इससे त्वचा में जलन तो पैदा होती ही है। साथ ही कपड़ों के रंग फेड हो जाते है और कपड़े कमजोर होकर जल्दी फटते है। सूती व लिनेन कपड़े एल्मूनियम सॉल्ट से जल्दी प्रभावित होते है।

महत्वपूर्ण टिप

एंटीपर्सपीरेट व डिओडरेन्ट को इस्तेमाल करते समय कुछ बातों का अवश्य खयाल रखें जिससे उनसे होने वाले नुकसानों से बचा जा सकता है।

1. रात में इनका प्रयोग बिल्कुल न करे।
2. दिन में एक से अधिक बार इनक इस्तेमाल न करे। बहुत खास अवसरों पर ही एक से ज्यादा बार प्रयोग करे।
3. सर्दी में जब पसीना कम आता है, इनका प्रयोग न करे।
4. बच्चों पर इनका प्रयोग बिल्कुल न करे। जब आसपास बच्चे हों तो स्प्रे का प्रयोग न करे।
5. जब भी स्प्रे करे, अपनी आंखें बंद रखें और चेहरा दूसरी और घुमा लें।
6. जहां तक हो सके गर्मी के अनुकूल परिधान पहनें- अधिकांशतः सूती। ज्यादा बार नहाएं, अन्यथा बगलों को गीले कपड़े या टिशू से बार-बार पोंछें।

गर्मियों में भी निखरे रूप

उम्र बढ़ने के साथ स्किन टोन भी बदलती जाती है। झाइया और डार्क स्पॉट साफ नजर आने लगते हैं और त्वचा उतनी साफ, चिकनी और गोरी नहीं रह जाती। उम्र के साथ मौसम का बदलाव भी त्वचा पर असर डालता है। गर्मियों में बहुत से लोग सनस्क्रीन क्रीम इस्तेमाल नहीं करते हैं जबकि सच यह है कि गर्म हवाएं त्वचा की ऊपरी परत को काफी हद तक नुकसान पहुंचाती हैं और कॉम्प्लेक्शन डल कर देती हैं। सामान्य और रूखी त्वचा पर खासतौर पर इनका असर होता है। तो अगर आप अपनी रंगत को निखारना चाहती हैं तो ब्यूटी एक्सपर्ट की ये ट्रिक्स अपनाइए और खोई हुई रंगत वापस पाइए।

सनब्लॉक

गोरी रंगत पाने का सबसे आसान उपाय है रोज सनब्लॉक का इस्तेमाल। इसलिए ऐसा मॉइश्चराइजर लें जिसमें एसपीएफ 15 या उससे भी अधिक हो। सुबह चेहरा धोने के बाद इसे लगाना न भूलें। सनब्लॉक न सिर्फ आपकी त्वचा को डार्क होने से बचाता है, बल्कि नुकसानदेह यूवी किरणों से त्वचा के कैंसर और आकस्मिक झुर्रियों से भी बचाता है। अपने हाथों पर भी सनब्लॉक जरूर लगाएं।

एक्सफोलिएट

हफ्ते में एक बार एक्सफोलिएशन से त्वचा के डेड सेल्स निकल जाते हैं और वह गोरी-चमकदार हो जाती है। दो टेबलस्पून ओटमील में दो टेबलस्पून ब्राउन शुगर व एक चौथाई टी-कप दूध मिलाकर पेस्ट बनाएं। इससे गोलाई में घुमाते हुए स्क्रब करें। फिर धोकर मॉइश्चराइजर लगाएं।

मास्क पॉवर

गोरी रंगत पाने के लिए घर पर यह मास्क तैयार करें- चंदन पाउडर+नींबू का रस+टमाटर का रस+खीरे का रस बराबर मात्रा में लेकर पेस्ट बनाएं। चेहरे पर लगाकर सूखने दें। फिर धोकर मॉइश्चराइजर लगाएं ताकि त्वचा की नमी बरकरार रहे।

ऐसे दिखें फ्रेश

दिनभर तरोताजा रहने के लिए पिपरमेंट बाथ ऑयल या लेमन बाथ ऑयल की दो-तीन बूंदें टब में डालें फिर स्नान करें। आप चाहें तो स्नान करने के कुछ समय पहले बाल्टी या टब में गुलाब की पत्तियां भी डाल सकती हैं। इसकी भीनी-भीनी खुश्बू आपको दिनभर तरोताजा रखेगी।

डीप क्लेंजिंग ट्रीटमेंट के लिए मिक्स करें समान मात्रा में मिल्क पाउडर, लेमन जूस व शहद। इस मिश्रण को चेहरे पर लगाकर 10 मिनट के लिए छोड़ दें। फिर पानी में अंगुलियों को भिगोकर धीरे-धीरे गोल-गोल [क्लॉक वाइज] छुड़ाना शुरू करें। बाद में ताजे पानी से चेहरा धोकर थोड़ा सा गुलाबजल लगा लें।

सूर्य की नुकसानदेह अल्ट्रावॉयलेट किरणों से त्वचा की सुरक्षा के लिए किसी अच्छी कंपनी का सनस्क्रीन लोशन या क्रीम लगाएं। विशेषज्ञों का कहना है कि एक बात याद रखें कि सनस्क्रीन लोशन या क्रीम का प्रयोग हर तीन-चार घंटे के अंतराल पर अवश्य करती रहें। तभी इसका सही फायदा मिल सकता है।

त्वचा की नमी बरकरार रखने के लिए किसी अच्छी कंपनी का एंटी टैन मॉइश्चराइजिंग लोशन लगाएं। इसके अलावा खीरे का ठंडा रस या ठंडे खीरे को काटकर चेहरे पर कुछ देर मलें। फिर ठंडे पानी से चेहरा धो लें। ऐसा करने त्वचा तरोताजा नजर आएगी।

बेजान और रूखी हो गई त्वचा में नई जान डालने के लिए आप सारा का थ्री इन वन फेसवाश इस्तेमाल करें। यह स्क्रब, पैक और फेसवाश तीनों का काम एक साथ करेगा अर्थात आपको तीनों का लाभ देगा।

मृत त्वचा को हटाने के लिए ताजा पपीता और ठंडे दही को मिक्स करके रोजाना चेहरा साफ करें। त्वचा में जान आएगी।

झटपट फेस लिफ्ट कराने के लिए चावल को भिगोकर इसका पेस्ट बनाएं। फिर इसे शहद में मिक्स करके चेहरे पर लगाएं और 10 मिनट के लिए छोड़ दें। बाद में साफ पानी से चेहरा धो लें। आप एकदम से फेश लिफ्टिंग महसूस करेंगी।

कुछ ही सेकंड में चेहरे पर ताजगी लाने के लिए गुलाब जल स्प्रे का इस्तेमाल करें। गुणों से भरपूर यह स्प्रे आपको ताजगी का एहसास तो देगा ही। साथ ही चेहरे को नमी भी प्रदान करेगा।

रूखे हाथों को कोमल और सुंदर बनाने के लिए चीनी और शहद को मिक्स करके हाथों की स्क्रबिंग करें। बाद में साफ पानी से हाथों को साफ करें।

स्वामी, प्रकाशक एवं मुद्रक - नीलम सिंह गिल द्वारा देहात संदेश, गुरूद्वारा सुंदर सिंह रोड, जम्मू से प्रकाशित एवं नार्थलाईनस पबलिशर्स, 18-B, Phase- II, Industrial Estate, Gangyal, Jammu से मुद्रित। संपादक- नीलम सिंह गिल। फोन नंबरः- (95)191- 2574109 2548103 RNI Regd. No.: JKBIL/2004/13144 *Email: dehatsandesh@gmail.com, dehatsandesh@yahoo.com, dehatsandesh@rediffmail.com*

जीडीसी महानपुर में एनएसएस इकाई द्वारा योग व ध्यान सत्र आयोजित

कठुआ, 11 जुलाई (हि.स.)। राजकीय डिग्री कॉलेज महानपुर की एनएसएस इकाई द्वारा विद्यार्थियों में शारीरिक फिटनेस, मानसिक स्वास्थ्य एवं स्वस्थ जीवनशैली को बढ़ावा देने के उद्देश्य से योग एवं ध्यान सत्र का आयोजन किया गया। कार्यक्रम का आयोजन प्राचार्य डॉ. संगीता सूदन के मार्गदर्शन में तथा एनएसएस कार्यक्रम अधिकारी डॉ. रूपाली जसरोटिया के समन्वय में किया गया। सत्र की शुरुआत वार्म-अप अभ्यासों से हुई जिसके बाद विभिन्न योगासन, प्राणायाम एवं ध्यान तकनीकों का अभ्यास कराया गया। इस अवसर पर प्राचार्य डॉ. संगीता सूदन ने कहा कि योग भारत की प्राचीन परंपरा की अमूल्य धरोहर है और इसे दैनिक जीवन का हिस्सा बनाना चाहिए। उन्होंने विद्यार्थियों को नियमित योग अभ्यास के लिए प्रेरित किया। भौतिकी विभागाध्यक्ष प्रो. बिंती शर्मा ने भी स्वयंसेवकों को योग व ध्यान को जीवनशैली में अपनाने तथा समाज में इसके प्रति जागरूकता फैलाने के लिए प्रेरित किया। कार्यक्रम में बड़ी संख्या में एनएसएस स्वयंसेवकों, विद्यार्थियों एवं स्टाफ ने उत्साहपूर्वक भाग लिया और नियमित रूप से योग व ध्यान अपनाने का संकल्प लिया।

हमीरपुर नवां के प्रतिनिधिमंडल ने किसानों की भूमि बचाने के लिए बाढ़ सुरक्षा परियोजनाएं शुरू करने की उठाई मांग

जम्मू, 11 जुलाई (हि.स.)। अखनूर जिले की पंचायत हमीरपुर नवां के एक प्रतिनिधिमंडल ने भाजपा मुख्यालय जम्मू में भाजपा जम्मू-कश्मीर के महामंत्री एवं पूर्व डिप्टी मेयर बलदेव सिंह बिलावरिया तथा बाहु विधानसभा क्षेत्र के विधायक चौधरी विक्रम रंधावा से मुलाकात कर चिनाब नदी के लगातार बढ़ते कटाव से उत्पन्न स्थिति पर चिंता जताई।

प्रतिनिधिमंडल का नेतृत्व भाजपा किसान मोर्चा जम्मू-कश्मीर के प्रदेश अध्यक्ष राकेश पंत और जिला अध्यक्ष पुरुषोत्तम सिंह ने किया। प्रतिनिधिमंडल ने बताया कि चिनाब नदी के कटाव के कारण किसानों की उपजाऊ कृषि भूमि, बाग-बगीचे, संपर्क सड़कें तथा अन्य सार्वजनिक एवं निजी संपत्तियां लगातार प्रभावित हो रही हैं।

उन्होंने चेतावनी दी कि समय रहते प्रभावी कदम नहीं उठाए गए तो क्षेत्र की कृषि, ग्रामीण आधारभूत संरचना और लोगों की आजीविका पर गंभीर संकट खड़ा हो सकता है। प्रतिनिधिमंडल ने प्रभावित क्षेत्रों में प्राथमिकता के आधार पर स्थायी बाढ़ सुरक्षा एवं कटाव-रोधी परियोजनाएं शुरू करने की मांग की।

बलदेव सिंह बिलावरिया ने प्रतिनिधिमंडल को आश्वस्त किया कि इस जनसमस्या को संबंधित विभागों और सक्षम अधिकारियों के समक्ष प्रभावी ढंग से उठाया जाएगा। उन्होंने सिंचाई एवं बाढ़ नियंत्रण विभाग के मुख्य अभियंता से भी बातचीत कर प्रभावित क्षेत्र का शीघ्र तकनीकी निरीक्षण कराने और आवश्यक बाढ़ सुरक्षा उपाय शुरू करने का आग्रह किया। उन्होंने कहा कि किसानों की भूमि और आजीविका की सुरक्षा सर्वोच्च प्राथमिकता है तथा इस मुद्दे को भाजपा जम्मू-कश्मीर अध्यक्ष एवं राज्यसभा सांसद सत शर्मा के संज्ञान में भी लाया जाएगा। विधायक चौधरी विक्रम रंधावा ने कहा कि चिनाब नदी का बढ़ता कटाव केवल कृषि भूमि ही नहीं बल्कि क्षेत्र के बुनियादी ढांचे, ग्रामीण संपर्क मार्गों और स्थानीय आबादी की सुरक्षा के लिए भी गंभीर चुनौती बन चुका है। उन्होंने भरोसा दिलाया कि इस विषय को सरकार और संबंधित विभागों के समक्ष मजबूती से उठाकर प्रभावित लोगों को राहत दिलाने के लिए हरसंभव प्रयास किए जाएंगे।

पीएमएसएसएस दाखिला प्रक्रिया जल्द शुरू कराने की मांग, अभाविप ने सांसद सत शर्मा को सौंपा ज्ञापन

जम्मू, 11 जुलाई (हि.स.)। अखिल भारतीय विद्यार्थी परिषद (अभाविप) जम्मू, कश्मीर एवं लद्दाख ने शनिवार को राज्यसभा सांसद सत शर्मा (सीए) को ज्ञापन सौंपकर शैक्षणिक सत्र 2026-27 के लिए प्रधानमंत्री विशेष छात्रवृत्ति योजना (पीएमएसएसएस) के तहत दाखिला प्रक्रिया शीघ्र शुरू कराने की मांग की। परिषद ने कहा कि यह योजना जम्मू, कश्मीर और लद्दाख के आर्थिक रूप से कमजोर एवं दूरदराज के क्षेत्रों के हजारों विद्यार्थियों को देश के प्रतिष्ठित शिक्षण संस्थानों में उच्च शिक्षा का अवसर उपलब्ध कराने वाली महत्वपूर्ण पहल रही है। ज्ञापन में अभाविप ने बताया कि एआईसीटीई द्वारा 15 जून 2026 को जारी सार्वजनिक सूचना के अनुसार शिक्षा मंत्रालय के निर्देशों के तहत फिलहाल केवल नवीनीकरण (रिन्यूअल) मामलों पर कार्रवाई की जा रही है जबकि नए आवेदनों की प्रक्रिया भारत सरकार की मंजूरी मिलने के बाद ही शुरू होगी। परिषद ने कहा कि अधिसूचना जारी होने के तीन सप्ताह से अधिक समय बीत जाने के बावजूद नए दाखिलों को मंजूरी नहीं मिलने से हजारों विद्यार्थी असमंजस की स्थिति में हैं।

जम्मू संभाग में पेयजल आपूर्ति व बाढ़ प्रबंधन मजबूत करने के निर्देश

जम्मू, 11 जुलाई (हि.स.)। जल शक्ति, वन पर्यावरण एवं जनजातीय मामलों के मंत्री जावेद अहमद राणा ने शनिवार को सिविल सचिवालय में समीक्षा बैठक कर जम्मू संभाग में पीएचई और सिंचाई एवं बाढ़ नियंत्रण विभाग के कामकाज का जायजा लिया।

बैठक में उन्होंने विभिन्न योजनाओं की प्रगति की समीक्षा करते हुए अधिकारियों को निर्देश दिए कि सभी जलापूर्ति योजनाएं पूर्ण क्षमता से संचालित रहें और किसी भी तरह की लापरवाही बर्दाश्त नहीं की जाएगी। उन्होंने कहा कि जनता को निर्बाध पेयजल उपलब्ध कराना सरकार की प्राथमिकता है। मंत्री ने जल जीवन मिशन सहित अधूरी योजनाओं को तय समय सीमा में पूरा करने, जल स्रोतों की नियमित निगरानी, टैंकरों की प्रभावी तैनाती तथा भूजल स्तर पर सतत नजर रखने के निर्देश दिए। बाढ़ प्रबंधन को लेकर राणा ने संवेदनशील क्षेत्रों में मजबूत इंतजाम सुनिश्चित करने, आधुनिक अर्ली वार्निंग सिस्टम अपनाने और विभिन्न विभागों के बीच बेहतर समन्वय पर जोर दिया। उन्होंने आपदा प्रबंधन योजनाओं को मिशन मोड में लागू करने के निर्देश भी दिए।

आयुष्मान भारत सेहत योजना पर जागरूकता कार्यक्रम आयोजित

जम्मू, 11 जुलाई (हि.स.)। जम्मू के पल्लांवाला क्षेत्र में भारतीय सेना की ओर से स्थानीय ग्रामीणों के लिए आयुष्मान भारत प्रधानमंत्री जन आरोग्य योजना (एबी पीएम-जेएवाई) सेहत योजना पर एक जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किया गया।

कार्यक्रम का उद्देश्य विशेष रूप से सीमावर्ती और दूरदराज के क्षेत्रों में रहने वाले लोगों को सरकारी स्वास्थ्य योजनाओं के लाभ और उपलब्ध सुविधाओं की जानकारी देना था।

कार्यक्रम के दौरान पूर्व सैनिक नायब सूबेदार गुलबदन (सेवानिवृत्त) ने योजना के तहत मिलने वाली स्वास्थ्य सुविधाओं, पात्रता मानदंड, उपचार की व्यवस्था तथा पंजीकरण प्रक्रिया की विस्तृत जानकारी दी। उन्होंने ग्रामीणों को सरकारी योजना का अधिक से अधिक लाभ उठाने के लिए जागरूक किया।

इस दौरान ग्रामीणों ने भी उत्साहपूर्वक भाग लेते हुए योजना से जुड़े विभिन्न पहलुओं, पंजीकरण प्रक्रिया और सूचीबद्ध अस्पतालों में उपचार की सुविधा को लेकर अपने प्रश्न पूछे जिनका मौके पर समाधान किया गया। भारतीय सेना ने कहा कि इस तरह की पहल का उद्देश्य सीमावर्ती क्षेत्रों में रहने वाले लोगों को आवश्यक स्वास्थ्य सेवाओं के प्रति जागरूक करना और उन्हें सरकारी योजनाओं का लाभ दिलाना है। कार्यक्रम के माध्यम से सेना और स्थानीय समुदाय के बीच विश्वास एवं सहयोग को भी और मजबूत करने का प्रयास किया गया।

कठुआ के प्रतिनिधिमंडल ने जेके स्पोर्ट्स काउंसिल को सौंपा ज्ञापन, समस्याओं के शीघ्र समाधान का आश्वासन

कठुआ, 11 जुलाई (हि.स.)। कठुआ के चार सदस्यीय प्रतिनिधिमंडल ने जम्मू स्थित जेके स्पोर्ट्स काउंसिल कार्यालय में अपनी मांगों को लेकर ज्ञापन सौंपा। इस प्रतिनिधिमंडल में साक्षम कौशल, संदीप सिंह, अखिल जसरोटिया और अमनदीप शामिल थे।प्रतिनिधिमंडल ने एईई जेके स्पोर्ट्स काउंसिल के माध्यम से एक्सईएन को अपनी मांगों से अवगत कराया। इस दौरान एईई ने प्रतिनिधिमंडल की समस्याओं को गंभीरता से सुना। एईई ने कहा कि मामला उनके संज्ञान में लाया गया है और इसे उच्च अधिकारियों के समक्ष उठाया जाएगा। उन्होंने आश्वासन दिया कि मांगों के समाधान के लिए जल्द से जल्द आवश्यक कार्रवाई की जाएगी।

खून दिलाने के नाम पर ठगी करने वाला दबोचा, अस्पताल प्रशासन की सतर्कता से कार्रवाई

कठुआ, 11 जुलाई (हि.स.)। मरीजों के परिजनों से खून उपलब्ध कराने के नाम पर अवैध रूप से पैसे मांगने वाले एक व्यक्ति को अस्पताल प्रशासन की सतर्कता और पुलिस के सहयोग से पकड़ लिया गया। संबंधित व्यक्ति का अस्पताल या ब्लड सेंटर से किसी भी प्रकार का आधिकारिक संबंध नहीं पाया गया।

अस्पताल प्रशासन ने बताया कि मरीजों और उनके परिजनों को लगातार जागरूक किया जाता है कि खून सरकार के निर्धारित नियमों के तहत उपलब्ध कराया जाता है और इसके लिए किसी को भी भुगतान न करें। इस संबंध में अस्पताल परिसर में प्रमुख स्थानों पर जागरूकता संदेश और नोटिस भी लगाए गए हैं तथा ऐसे मामलों की तुरंत सूचना प्रशासन को देने की अपील की गई है। प्रशासन द्वारा सतत निगरानी और स्थानीय पुलिस के साथ समन्वय के चलते आरोपी को समय रहते पकड़ लिया गया। अस्पताल प्रशासन ने स्पष्ट किया कि मरीजों के हितों की सुरक्षा, पारदर्शिता बनाए रखने और इस तरह की धोखाधड़ी पर सख्त कार्रवाई के लिए वह पूरी तरह प्रतिबद्ध है

भारतीय सूचना सेवा के प्रशिक्षुओं ने उपराज्यपाल से मुलाकात की

श्रीनगर, 11 जुलाई (हि.स.)। भारतीय सूचना सेवा (आईआईएस) के 2023 बैच के ग्रुप बी के 16 प्रशिक्षुओं ने आज लोक भवन में उपराज्यपाल मनोज सिन्हा से मुलाकात की। उनके साथ श्रीनगर स्थित प्रेस सूचना ब्यूरो (पीआईबी) के निदेशक काजी सलमान भी थे।

उपराज्यपाल ने प्रशिक्षुओं को उनके भावी प्रयासों के लिए शुभकामनाएं दीं।

उन्होंने उन्हें विभिन्न विभागों में सेवा करते समय अत्यंत संवेदनशीलता, ईमानदारी और समर्पण के साथ काम करने के लिए प्रेरित किया।

उपराज्यपाल ने सार्वजनिक संचार के बदलते परिदृश्य और डिजिटल युग में विश्वसनीय और समय पर सूचना प्रसार की आवश्यकता पर भी चर्चा की।

प्रशिक्षुओं ने भारत दर्शन यात्रा कार्यक्रम के तहत जम्मू-कश्मीर की अपनी यात्रा के अनुभव साझा किए।

कविता

ऑपरेशन सिंदूर में सेनाओं की संयुक्त कार्रवाई

जब सीमा पर संकट छाया, भारत ने फिर साहस दिखलाया।
थल, नभ, जल—तीनों सेना, बनकर खड़ी रही एक चेतना।

थलसेना ने मोर्चा संभाला, दुश्मन का हर वार टाला।
सीमा पर डटकर वीर जवान, रखे देश की ऊँची शान।

नभ में गरजी वायुसेना, शौर्य बना उसका गहना।
सटीक प्रहारों की ललकार,दुश्मन हुआ भय से लाचार।

सागर में नौसेना जागी, रणनीति की मशाल संभाली।
हर दिशा में कड़ा पहरा,भारत का बढ़ता गया चेहरा।

तीनों सेनाओं का संगम, बन गया शक्ति का अनुपम।
एक स्वर में संदेश सुनाया, भारत ने फिर दम दिखलाया।

ऑपरेशन सिंदूर की कहानी, वीरों की अमर जुबानी।
संयुक्त शक्ति का यह मान,सदा बढ़ाए हिंदुस्तान।

महिला कर्मचारियों को प्राथमिक उपचार, सीपीआर और अग्निशमन के दिए गए व्यावहारिक प्रशिक्षण

जम्मू, 11 जुलाई (हि.स.)। जम्मू के मिशन शक्ति केंद्र, समाज कल्याण विभाग में सिविल डिफेंस जम्मू की ओर से एक दिवसीय जागरूकता शिविर आयोजित किया गया। कार्यक्रम का आयोजन सिविल डिफेंस के प्रभारी डिप्टी कंट्रोलर एवं डीएसपी तजिंदर कौर (जेकेपीएस) के निर्देशन में किया गया। शिविर के संचालन में डिप्टी चीफ वार्डन आर. विजय मगोत्रा तथा पोस्ट वार्डन गुरदीप कौर ने समन्वय किया। कार्यक्रम में समाज कल्याण विभाग की लगभग 30 महिला कर्मचारियों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया। प्रतिभागियों को आपातकालीन और आपदा की स्थिति में अपनाए जाने वाले प्राथमिक उपचार (फर्स्ट एड), अग्निशमन, सीपीआर (कार्डियो पल्मोनरी रिससिटेशन) तथा अन्य जीवनरक्षक तकनीकों की जानकारी और व्यावहारिक प्रशिक्षण दिया गया। इस दौरान सिविल डिफेंस टीम ने विभिन्न आपात स्थितियों से निपटने का लाइव प्रदर्शन भी किया।

कार्यक्रम में मिशन शक्ति केंद्र की प्रशासक

पल्लवी शर्मा और काउंसलर किरण सलान भी उपस्थित रहीं। उन्होंने सिविल डिफेंस जम्मू द्वारा आयोजित इस जागरूकता अभियान की सराहना करते हुए इसे आमजन में आपदा प्रबंधन और सुरक्षा संबंधी जागरूकता बढ़ाने की दिशा में महत्वपूर्ण पहल बताया। डिप्टी चीफ वार्डन आर. विजय मगोत्रा ने अपने संबोधन में प्राकृतिक आपदाओं, आगजनी, औद्योगिक दुर्घटनाओं तथा अन्य संकट की परिस्थितियों में सिविल डिफेंस वार्डनों की भूमिका पर विस्तार से प्रकाश डालते हुए कहा कि वे प्रथम प्रतिक्रिया देने वाले स्वयंसेवकों के रूप में लोगों की सुरक्षा और राहत कार्यों में महत्वपूर्ण योगदान निभाते हैं।

OFFICE OF THE EXECUTIVE ENGINEER IRRIGATION & F.C. DIVISION NOWSHERA

E-NOTICE INVITING TENDER

e-NIT NO. 08 OF 2026-27

For and on behalf of Lieutenant Governor, Union Territory of Jammu and Kashmir, Tenders are invited bythe Executive Engineer Irrigation and Flood Control Division Nowshera, by e-Tendering mode on percentage rates for below mentioned works from approved and eligible contractors registered with J&K state Govt./CPWD/MES and railways for thefollowing works

S.No.	Name ofworks	Estimated Cost (Rs in lacs)	Costofdocument (inRs.)	Earnest Money (inRs.)	Class of contractor	Period of Contract
1	2	3	4	5	6	7
01	Construction of R/Wall at RD 10 to 25 m of LIS Qasba Bala and Renovation of Khul from RD 500 to 800 m (Part- II)	18.43	1200/- under M.H.0702(Revenue)	36860/-	"B, C& D"	75 days
02	Construction of Breached Portion of Siot Main Canal at RD 3600 to 3800 m (Part- II)	1.00	500/- under M.H.0702(Revenue)	2000/-	"D"	15 days
03	Remodelling of Hadyatpur Khul from RD 0 to 1100 m (Part- II)	8.63	800/- under M.H.0702(Revenue)	17260/-	"C & D"	45 days

Position of AAA:- Accorded.
Position of T.S. :- Accorded.
Positionof Funds:-Available (under M.H 4702- UT Capex)
1. Dateofpublishingfrom: 11-07-2026(10:00 A.M.).
2. Thebiddingdocumentscanbedownloaded from the website www.jktenders.gov.inw.e.f. 11-07-2026(10:00 A.M.) to 17-07-2026 (16:00P.M.).
3. The bids shall be deposited in electronic format on the website fromwww.jktenders.gov.in. w.e.f. 11-07-2026(10:00 A.M.) to 17-07-2026 (16:00P.M.). Thebidsreceivedwill beopened on18-07-2026 at 12:00 Noon
4. Thecompletebiddingprocesswillbeon-line.
5. The tender uploaded on the website up to due date will be opened on 18-07-2026 at 12:00 Noon in the office of theExecutive Engineer Irrigation and Flood Control Division Nowshera in the presence of the bidders who wish to attend. If the office happens tobe closed on the date of opening of the bids as specified, the bids will be opened on the next working day at the same timeandvenue.
6. The original documents, when submitted by L-1 for the cost of tender documents, EMD specified in the tender documentshould be same as uploaded online (Scanned copies) otherwise the allotment will not be issued, thetenders will becancelled and the bidders will not be allowed to participate in any further/future tendering process in the Division for aperiod ofoneyear.
7. Earnest Money (i.e CDR/FDR/DD) should be deposited/ pledged in favour of Executive Engineer, Irrigation and Flood Control Division Nowshera from the date of publishing to date of closing only. Earnest Money deposited on back dates shall not be accepted.

Signed for and on behalf of the
LieutenantGovernor,Jammu &Kashmir State
No: IFCN/2026-27/1367-81
Dated: 10-07-2026

DIP/J-5604/26
Dtd: 11-7-2026

Sd/-
Executive Engineer
Irrigation & F.C. Division
Nowshera

बिजली समस्याओं को लेकर पीसीसी प्रतिनिधिमंडल ने पीडीडी अधिकारियों से की मुलाकात

जम्मू, 11 जुलाई (हि.स.)। प्रोग्रेसिव सिटीजन्स काउंसिल (पीसीसी) मीरां साहिब के एक प्रतिनिधिमंडल ने शनिवार को पावर डेवलपमेंट डिपार्टमेंट (पीडीडी) के कार्यकारी अभियंता (एक्सईएन) अशोक कुमार दुबे और तकनीकी अधिकारी (टीओ) से मुलाकात कर आर.एस. पुरा उपमंडल के मीरां साहिब तथा आसपास के क्षेत्रों में लंबे समय से बनी बिजली समस्याओं को उठाया। प्रतिनिधिमंडल ने अधिकारियों को बताया कि क्षेत्र में बार-बार बिजली गुल होना, लो वोल्टेज, अनियमित कटौती और अन्य विद्युत संबंधी समस्याओं के कारण लोगों को विशेषकर गर्मी के मौसम में काफी परेशानियों का सामना करना पड़ रहा है। उन्होंने घरेलू उपभोक्ताओं, विद्यार्थियों, किसानों, व्यापारियों और छोटे कारोबारियों पर पड़ रहे इसके प्रभाव का उल्लेख करते हुए बिजली वितरण व्यवस्था को मजबूत बनाने और निर्बाध आपूर्ति सुनिश्चित करने की मांग की। कार्यकारी अभियंता अशोक कुमार दुबे ने प्रतिनिधिमंडल की बात ध्यानपूर्वक सुनते हुए आश्वासन दिया कि विभाग इन समस्याओं से अवगत है और आवश्यक सुधारात्मक कदम पहले ही शुरू किए जा चुके हैं। उन्होंने कहा कि मीरां साहिब और आसपास के क्षेत्रों से जुड़े बिजली संबंधी वास्तविक मुद्दों का समाधान अगले कुछ दिनों में कर दिया जाएगा। प्रतिनिधिमंडल ने विभाग की सकारात्मक प्रतिक्रिया की सराहना करते हुए उम्मीद जताई कि जल्द ही जमीनी स्तर पर सुधार दिखाई देंगे। साथ ही परिषद ने कहा कि वह क्षेत्र की जनसमस्याओं को संबंधित विभागों के समक्ष लगातार उठाती रहेगी ताकि लोगों को बेहतर नागरिक सुविधाएं और सार्वजनिक सेवाएं मिल सकें।

सरकार जनता से किए गए वादों को पूरा करने में नाकाम रही है : शाम लाल शर्मा

जम्मू, 11 जुलाई (हि.स.)। भाजपा के वरिष्ठ नेता और विधायक शाम लाल शर्मा ने शनिवार को उमर अब्दुल्ला के नेतृत्व वाली जम्मू-कश्मीर सरकार पर तीखा हमला करते हुए आरोप लगाया कि सत्ता संभालने के बाद से सरकार जनता से किए गए वादों को पूरा करने में नाकाम रही है।

पत्रकारों से बात करते हुए शर्मा ने कहा कि भाजपा नई दिल्ली के जंतर-मंतर पर राष्ट्रीय सम्मेलन के प्रस्तावित प्रदर्शन को लेकर चिंतित है और जोर देकर कहा कि सत्ताधारी दल को प्रदर्शनों का सहारा लेने के बजाय शासन और जन मुद्दों के समाधान पर ध्यान देना चाहिए। उन्होंने दावा किया कि उमर अब्दुल्ला सरकार ने प्रमुख वादों को पूरा नहीं किया है और राष्ट्रीय सम्मेलन पर आरोप लगाया कि वह सरकार की शासन संबंधी विफलताओं से जनता का ध्यान भटकाने की कोशिश कर रही है। शर्मा ने कहा कि जम्मू-कश्मीर के लोग ठोस विकास, बेहतर सार्वजनिक सेवाएं, रोजगार के अवसर और प्रभावी प्रशासन की उम्मीद कर रहे हैं लेकिन मौजूदा सरकार इन उम्मीदों पर खरी नहीं उतरी है। भाजपा नेता ने कहा कि नेशनल कॉन्फ्रेंस द्वारा प्रस्तावित विरोध प्रदर्शन एक राजनीतिक कवायद है और सत्ता में रहते हुए सत्तारूढ़ दल द्वारा प्रदर्शन करने की आवश्यकता पर सवाल उठाया। उन्होंने दोहराया कि भाजपा जनता के हितों की रक्षा के लिए प्रतिबद्ध है और सरकार को उसके प्रदर्शन के लिए जवाबदेह ठहराती रहेगी।

संपादकीय

हरित जीवनशैली अब विकल्प नहीं, आवश्यकता बन गई है

जम्मू-कश्मीर के लोगों के लिए एक चिंताजनक स्थिति सामने आ रही है। भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान आईआईटी खड़गपुर* द्वारा किए गए एक अध्ययन में खुलासा हुआ है कि केंद्र शासित प्रदेश के कई ऊंचाई वाले क्षेत्रों का तापमान पिछले दो दशकों में लगभग 1 डिग्री सेल्सियस तक बढ़ गया है। साइंटिफिक रिपोर्ट्स पत्रिका में प्रकाशित इस नवीनतम अध्ययन ने पुष्टि की है कि पर्वतीय क्षेत्रों में तापमान वृद्धि निचले इलाकों की तुलना में कहीं अधिक तेजी से हो रही है।

यह अध्ययन क्षेत्र में तेजी से पिघलते ग्लेशियरों के रहस्य से पर्दा उठाता है और इसे केवल नीति-निर्माताओं के लिए ही नहीं, बल्कि प्रत्येक नागरिक के लिए एक गंभीर चेतावनी के रूप में देखा जाना चाहिए।

आईआईटी खड़गपुर के सेंटर फॉर ओशन, रिवर, एटमॉस्फियर एंड लैंड साइंसेज कोरल के प्रोफेसर जयनारायणन कुट्टिप्पुरथ, जी. एस. गोपीकृष्णन तथा **वी. एम. प्रणव चंद्रन** द्वारा किए गए अध्ययन 1980 से 2024 की अवधि के दौरान जलवायु-संवेदनशील उच्च पर्वतीय जम्मू-कश्मीर में तापमान वृद्धि में चेतावनी दी गई है कि यह प्रवृत्ति ग्लेशियरों, उनसे निकलने वाली नदियों, जल प्रबंधन तथा पूरे क्षेत्र की जलवायु पर गंभीर प्रभाव डाल सकती है।

अध्ययन में यह भी सामने आया है कि रात के समय का तापमान दिन के तापमान की तुलना में कहीं अधिक तेजी से बढ़ रहा ह जिससे बर्फ की परत तेजी से सिकुड़ रही है, नदी प्रणालियां प्रभावित हो रही हैं और हिमालय का नाजुक पारिस्थितिकी तंत्र गंभीर खतरे में पड़ता जा रहा है।

आज समाज इन्हीं चुनौतियों का सामना कर रहा है और यदि इस स्थिति को ऐसे ही जारी रहने दिया गया तो इसके परिणाम अत्यंत विनाशकारी हो सकते हैं।

इस अध्ययन और इससे पहले सामने आए अनेक शोधों के बाद अब यह अत्यंत आवश्यक हो गया है कि केंद्र सरकार और जम्मू कश्मीर प्रशासन मजबूत जलवायु नीतियां तैयार करें, पर्यावरण संबंधी कानूनों का सख्ती से पालन सुनिश्चित करें तथा सतत विकास में व्यापक निवेश करें।

हालांकि, पिछले अनुभव बताते हैं कि सरकारों की नीतिगत प्रतिक्रियाएं अक्सर धीमी और अपर्याप्त रही हैं। ऐसे में समाज को स्वयं आगे आकर पर्यावरणीय विनाश की गति को कम करने में अपनी सक्रिय भूमिका निभानी होगी।

यदि लोग केवल सरकार की कार्रवाई का इंतजार करते रहे, तो बहुत देर हो जाएगी। ऐसी स्थिति हर हाल में टाली जानी चाहिए, क्योंकि यह न तो मानव समाज के लिए और न ही पृथ्वी के लिए हितकारी होगी।

समय की सबसे बड़ी आवश्यकता यह है कि लोग ऐसी सादगीपूर्ण और टिकाऊ जीवनशैली अपनाएं, जो पर्यावरण को नुकसान पहुंचाने के बजाय उसके संरक्षण और पुनर्जीवन में सहायक हो। यही जम्मू-कश्मीर की प्राकृतिक संपदा की दीर्घकालिक सुरक्षा तथा पूरे विश्व के पर्यावरणीय संतुलन के लिए आवश्यक है।

इस लक्ष्य को प्राप्त करने के लिए ऊर्जा की खपत कम करना, जल का विवेकपूर्ण उपयोग करना तथा प्राकृतिक संसाधनों से प्राप्त वस्तुओं का अनावश्यक उपभोग घटाना अत्यंत महत्वपूर्ण है। ऐसी जीवनशैली जलवायु परिवर्तन और पर्यावरणीय संकट से निपटने में सार्थक योगदान दे सकती है।

इसी प्रकार अधिक से अधिक वृक्षारोपण करना भी समय की सबसे बड़ी आवश्यकता है।

अंततः, लोगों को ऐसी पर्यावरण-अनुकूल जीवनशैली अपनानी होगी, जो प्रकृति को हुए नुकसान की भरपाई करने में सहायक बने और जम्मू-कश्मीर को आने वाली पीढ़ियों के लिए भी सुरक्षित, स्वस्थ और रहने योग्य बनाए रखे।

शहरों में पैदल चलने का अधिकार या संघर्ष ?

– डॉ. सत्यवान सौरभ

भारत में शहर तेजी से बदल रहे हैं। चौड़ी सड़कों, ऊंचे फ्लाईओवरों, एक्सप्रेस-वे, मेट्रो नेटवर्क और स्मार्ट सिटी परियोजनाओं को आधुनिक विकास का प्रतीक माना जा रहा है, लेकिन इस चमकदार विकास के बीच एक बुनियादी प्रश्न लगातार उपेक्षित है- क्या हमारे शहर इंसानों के लिए बने हैं या केवल वाहनों के लिए? क्या एक नागरिक को सुरक्षित, सम्मानजनक और सुविधाजनक ढंग से पैदल चलने का अधिकार वास्तव में

विडंबना यह है कि जिन लोगों के पास निजी वाहन नहीं हैं, वही सबसे अधिक जोखिम उठाते हैं। जिनके पास कार है, उनके लिए चौड़ी सड़कें बनती हैं; जिनके पास वाहन नहीं, उनके लिए सुरक्षित फुटपाथ भी उपलब्ध नहीं। यह असमानता केवल आर्थिक नहीं बल्कि स्थानिक अन्याय का उदाहरण है।

स्थानिक न्याय का अर्थ है कि शहर के सार्वजनिक संसाधनों, स्थानों और सुविधाओं पर सभी नागरिकों का समान अधिकार हो। यदि शहर का अधिकांश सार्वजनिक स्थान वाहनों को समर्पित कर दिया जाए और पैदल चलने वालों, साइकिल चालकों तथा दिव्यांगजनों के लिए पर्याप्त व्यवस्था न हो, तो यह सार्वजनिक स्थानों के असमान वितरण को दर्शाता है।

उपलब्ध है?

राइट टू वॉक केवल परिवहन का मुद्दा नहीं है, बल्कि आधुनिक शहरी परिदृश्यों में स्थानिक न्याय, सामाजिक समानता और मानवीय गरिमा का गंभीर प्रश्न है। किसी भी लोकतांत्रिक समाज में सार्वजनिक स्थानों पर समान अधिकार प्रत्येक नागरिक का मौलिक अधिकार होना चाहिए। यदि कोई व्यक्ति सड़क पर सुरक्षित रूप से पैदल नहीं चल सकता, तो यह केवल यातायात की समस्या नहीं बल्कि उसके नागरिक अधिकारों के सीमित होने का संकेत है।

भारत में करोड़ों लोग आज भी अपनी दैनिक यात्राओं का बड़ा हिस्सा पैदल तय करते हैं। स्कूल जाने वाले बच्चे, बुजुर्ग, महिलाएं, दिव्यांगजन, मजदूर, छोटे दुकानदार और सार्वजनिक परिवहन का उपयोग करने वाले अधिकांश लोग किसी न किसी चरण में पैदल ही चलते हैं। इसके बावजूद हमारी शहरी योजना में पैदल यात्रियों को सबसे कम प्राथमिकता दी जाती है। फुटपाथ या तो हैं ही नहीं, या अतिक्रमण से घिरे हैं, या उनकी स्थिति इतनी खराब है कि लोग मजबूर होकर सड़क पर चलने लगते हैं। परिणामस्वरूप सड़क दुर्घटनाओं में बड़ी संख्या पैदल यात्रियों की होती है।

विडंबना यह है कि जिन लोगों के पास निजी वाहन नहीं हैं, वही सबसे अधिक जोखिम उठाते हैं। जिनके पास कार है, उनके लिए चौड़ी सड़कें बनती हैं; जिनके पास वाहन नहीं, उनके लिए सुरक्षित फुटपाथ भी उपलब्ध नहीं। यह असमानता केवल आर्थिक नहीं बल्कि स्थानिक अन्याय का उदाहरण है।

स्थानिक न्याय का अर्थ है कि शहर के सार्वजनिक संसाधनों, स्थानों और सुविधाओं पर सभी नागरिकों का समान अधिकार हो। यदि शहर का अधिकांश सार्वजनिक स्थान वाहनों को समर्पित कर दिया जाए और पैदल चलने वालों, साइकिल चालकों तथा दिव्यांगजनों के लिए पर्याप्त व्यवस्था न हो, तो यह सार्वजनिक स्थानों के असमान वितरण को दर्शाता है।

भारतीय शहरों की अधिकांश सड़कें वाहन-केंद्रित सोच के साथ विकसित हुई हैं।

यातायात प्रबंधन का प्रमुख उद्देश्य वाहनों की गति बढ़ाना माना जाता है, जबकि सड़क का वास्तविक उद्देश्य लोगों को सुरक्षित रूप से एक स्थान से दूसरे स्थान तक पहुंचाना होना चाहिए। यही कारण है कि कहीं फुटपाथ अचानक समाप्त हो जाते हैं, कहीं बिजली के खंभे, ट्रांसफार्मर या ठेले उनके बीच खड़े मिलते हैं, तो कहीं पार्किंग ने पूरी जगह घेर रखी होती है।

महिलाओं के लिए सुरक्षित पैदल मार्ग केवल सुविधा नहीं बल्कि स्वतंत्रता का प्रश्न है। यदि किसी महिला को शाम के समय अंधेरे, सुनसान अथवा टूटी हुई सड़क से गुजरना पड़े तो उसकी आवाजाही सीमित हो जाती है। इसी प्रकार बुजुर्गों के लिए ऊंचे फुटपाथ, बिना रैंप के क्रॉसिंग और तेज रफ्तार यातायात गंभीर बाधाएँ उत्पन्न करते हैं। दिव्यांगजन तो अनेक बार सार्वजनिक स्थानों का उपयोग ही नहीं कर पाते।

यही कारण है कि संयुक्त राष्ट्र के सतत विकास लक्ष्य समावेशी, सुरक्षित और सुलभ शहरों पर विशेष बल देते हैं। शहर तभी समावेशी कहलाएंगे जब प्रत्येक नागरिक—चाहे उसकी आय, आयु, लिंग या शारीरिक क्षमता कुछ भी हो- समान सम्मान के साथ सार्वजनिक स्थानों का उपयोग कर सके।

आज शहरी विकास में एक बड़ी विडंबना यह है कि विकास का मूल्यांकन प्रायः इस आधार पर किया जाता है कि सड़क पर कितनी तेजी से वाहन चल सकते हैं। जबकि किसी भी विकसित शहर का वास्तविक पैमाना यह होना चाहिए कि वहां पैदल चलना कितना सुरक्षित, आरामदायक और सहज है।

विश्व के अनेक देशों ने पिछले वर्षों में वॉकेबल सिटी की अवधारणा को अपनाया है। उन्होंने महसूस किया कि अत्यधिक वाहन-निर्भरता प्रदूषण, ऊर्जा संकट, मानसिक तनाव, सड़क दुर्घटनाओं और सामाजिक अलगाव को बढ़ाती है। इसके विपरीत पैदल चलने योग्य शहर स्वास्थ्य, पर्यावरण, स्थानीय अर्थव्यवस्था और सामाजिक संवाद को मजबूत करते हैं।

जब लोग पैदल चलते हैं तो स्थानीय बाजारों में अधिक खरीदारी करते हैं, छोटे व्यवसायों को लाभ मिलता है, सामुदायिक संबंध मजबूत होते हैं और शहर अधिक जीवंत बनते हैं। पैदल चलना सार्वजनिक स्वास्थ्य की दृष्टि से भी अत्यंत लाभकारी है। नियमित पैदल चलना मोटापा, मधुमेह, उच्च रक्तचाप और हृदय रोग जैसी अनेक जीवनशैली संबंधी बीमारियों के जोखिम को कम करता है। यदि शहर लोगों को पैदल चलने के लिए प्रेरित करें तो स्वास्थ्य पर होने वाला सार्वजनिक व्यय भी कम हो सकता है। पर्यावरणीय दृष्टि से भी राइट टू वॉक अत्यंत महत्वपूर्ण है। भारत के अधिकांश बड़े शहर वायु प्रदूषण, कार्बन उत्सर्जन और ट्रैफिक जाम की गंभीर समस्या से जूझ रहे हैं। यदि छोटी दूरी की यात्राओं के लिए लोग पैदल चलने लगें तो ईंधन की खपत कम होगी, प्रदूषण घटेगा और जलवायु परिवर्तन की चुनौती से निपटने में भी सहायता मिलेगी।

स्मार्ट सिटी की अवधारणा केवल डिजिटल तकनीक या निगरानी प्रणाली तक सीमित नहीं होनी चाहिए। वास्तविक स्मार्ट सिटी वह है जहां बच्चा सुरक्षित स्कूल जा सके, बुजुर्ग बिना भय के पार्क तक पहुंच सके, महिला रात में भी आत्मविश्वास के साथ चल सके और दिव्यांग व्यक्ति बिना किसी बाधा के सार्वजनिक स्थानों का उपयोग कर सके।

भारत में सड़क सुरक्षा की चुनौती भी राइट टू वॉक से गहराई से जुड़ी हुई है। तेज गति, अवैध पार्किंग, अतिक्रमण, अव्यवस्थित ट्रैफिक और पैदल पारपथों की कमी प्रतिवर्ष हजारों लोगों की जान लेती है। अनेक दुर्घटनाएं केवल इसलिए होती हैं क्योंकि लोगों को सड़क पार करने के लिए सुरक्षित व्यवस्था उपलब्ध नहीं होती।

शहरों में अक्सर देखा जाता है कि फुटओवर ब्रिज या सबवे तो बनाए जाते हैं, लेकिन उनकी उपयोगिता, दूरी और पहुँच का पर्याप्त ध्यान नहीं रखा जाता। कई बार बुजुर्ग, महिलाएं या दिव्यांगजन उनका उपयोग नहीं कर पाते और मजबूर होकर सड़क पार करते हैं। इसलिए केवल संरचना बना देना पर्याप्त नहीं, बल्कि उसे मानव-केंद्रित बनाना आवश्यक है।

राइट टू वॉक सामाजिक न्याय से भी जुड़ा हुआ है। आर्थिक रूप से कमजोर वर्ग सार्वजनिक परिवहन और पैदल यात्रा पर अधिक निर्भर रहता है। यदि शहर पैदल यात्रियों के लिए सुरक्षित नहीं होंगे तो सबसे अधिक नुकसान इन्हीं वर्गों को होगा। दूसरी ओर निजी वाहन रखने वाले अपेक्षाकृत सुरक्षित और सुविधाजनक यात्रा कर पाएँगे। इस प्रकार शहरी ढांचा अनजाने में सामाजिक असमानताओं को और गहरा कर देता है।

आज आवश्यकता इस बात की है कि सड़कों की योजना बनाते समय पैदल यात्रियों को प्राथमिक उपयोगकर्ता माना जाए। फुटपाथ पर्याप्त चौड़े, समतल, बाधा-मुक्त और निरंतर होने चाहिए। प्रत्येक प्रमुख चौराहे पर सुरक्षित ज़ेब्रा क्रॉसिंग, ट्रैफिक सिग्नल, रैंप, टैक्टाइल पाथ और दिव्यांग-अनुकूल सुविधाएँ अनिवार्य बनाई जानी चाहिए। सड़क किनारे अवैध पार्किंग और अतिक्रमण पर प्रभावी नियंत्रण भी उतना ही आवश्यक है।

विद्यालयों, बाजारों, अस्पतालों और सार्वजनिक संस्थानों के आसपास विशेष पैदल सुरक्षा क्षेत्र विकसित किए जाने चाहिए, जहाँ वाहनों की गति सीमित हो और पैदल यात्रियों को प्राथमिकता मिले। बच्चों के लिए सुरक्षित स्कूल मार्ग, महिलाओं के लिए बेहतर प्रकाश व्यवस्था और बुजुर्गों के लिए आरामदायक बैठने की व्यवस्था जैसे छोटे कदम भी शहरों को अधिक मानवीय बना सकते हैं।

साथ ही नागरिकों के व्यवहार में भी परिवर्तन आवश्यक है। फुटपाथ पर वाहन खड़े करना, ज़ेब्रा क्रॉसिंग पर गाड़ी रोकना, पैदल यात्रियों को रास्ता न देना और तेज गति से वाहन चलाना केवल यातायात नियमों का उल्लंघन नहीं बल्कि दूसरे नागरिकों के अधिकारों का हनन है। सड़क साझा सार्वजनिक स्थान है, जहां हर व्यक्ति का समान अधिकार है।

अंततः राइट टू वॉक किसी विलासिता की मांग नहीं है। यह जीवन, समानता, गरिमा, सुरक्षा, स्वास्थ्य और पर्यावरण से जुड़ा एक मूलभूत नागरिक अधिकार है। यदि शहर केवल कारों के लिए विकसित होंगे तो वे आर्थिक रूप से भले आधुनिक दिखें, लेकिन सामाजिक रूप से असमान और मानवीय दृष्टि से अधूरे रहेंगे। एक सभ्य और संवेदनशील शहर की पहचान उसकी सबसे चौड़ी सड़क या सबसे ऊंची इमारत नहीं होती, बल्कि यह होती है कि वहां सबसे कमजोर नागरिक कितनी सुरक्षा, सहजता और सम्मान के साथ पैदल चल सकता है। इसलिए समय आ गया है कि शहरी विकास की दिशा वाहन-केंद्रित सोच से हटकर मानव-केंद्रित दृष्टिकोण की ओर बढ़े। क्योंकि जब हर नागरिक बिना भय, बिना बाधा और बिना भेदभाव के चल सकेगा, तभी लोकतंत्र का सार्वजनिक स्थान वास्तव में सबका होगा और राइट टू वॉक केवल एक नारा नहीं बल्कि जीवंत वास्तविकता बन सकेगा।

(लेखक, स्वतंत्र टिप्पणीकार हैं।)

नीति आयोग ने शांति अधिनियम के कार्यान्वयन पर हितधारकों के साथ की परामर्श बैठक

नई दिल्ली, 11 जुलाई । नीति आयोग ने नई दिल्ली में शांति अधिनियम 2025 को लागू करने पर हितधारकों के साथ विचार-विमर्श आयोजित किया। इसका मुख्य फोकस कानूनी और नियामक ढांचा तैयार करने, वित्त, बीमा और लोगों की सोच को बेहतर बनाने के साथ ही विनिर्माण क्षमता, ऑपरेशन की तैयारी और क्षमता निर्माण को बढ़ाने पर है।

नीति आयोग ने शनिवार को एक बयान में बताया कि नीति आयोग ने 10 जुलाई को नई दिल्ली स्थित डॉ. अंबेडकर अंतरराष्ट्रीय केंद्र के समरसता सभागार में शांति अधिनियम 2025 के कार्यान्वयन पर हितधारकों के साथ परामर्श बैठक आयोजित की। इस बैठक में सरकार, अनुसंधान संस्थानों और उद्योग जगत के विशेषज्ञों एवं प्रमुखों, नीति निर्माताओं ने भाग लिया और इस महत्वपूर्ण अधिनियम के परिचालन तंत्र पर विचार-विमर्श किया।

आयोग के मुताबिक तकनीकी चर्चाएं अधिनियम के सफल कार्यान्वयन के लिए महत्वपूर्ण तीन मुख्य बिंदुओं पर केंद्रित थीं-- इसमें विधायी एवं नियामक ढांचा, वित्त, बीमा और जनधारणा और विनिर्माण, संचालन एवं क्षमता विकास प्रमुख है।

विचार-विमर्श शांति अधिनियम के मसौदा नियमों, विनियमों और संबंधित प्रत्यक्ष विदेशी निवेश नीति के प्रावधानों पर केंद्रित था, जिसमें उद्घाटन तकनीकी खंड में शांति अधिनियम, 2025 के तहत संवैधानिक अनुपालन तंत्रों को भी प्रस्तुत किया गया। वहीं, इस बात पर चर्चा की गई कि घरेलू हितों की रक्षा करते हुए विदेशी पूंजी को कैसे आकर्षित किया जा सकता है।

हितधारकों ने अधिनियम के कार्यान्वयन में सहयोग के लिए आवश्यक वित्तीय तंत्रों और जोखिम-निवारण ढाँचों की समीक्षा की। चर्चा में दीर्घकालिक परियोजनाओं के लिए उपयुक्त बीमा व्यवस्थाओं के साथ-साथ परमाणु ऊर्जा परियोजनाओं के प्रति जन जागरूकता, सामुदायिक विश्वास और व्यापक स्वीकृति को मजबूत करने की रणनीतियों पर भी विचार-विमर्श किया गया।

मुख्य ध्यान परिचालन चरण पर था जिसमें घरेलू विनिर्माण क्षमताओं को सुदृढ़ करने, परिचालन की तैयारी सुनिश्चित करने और व्यवस्था को बनाए रखने के लिए कुशल कार्यबल तैयार करने पर बल दिया गया। हितधारकों ने आपूर्ति श्रृंखला की प्रतिरोधता बढ़ाने और औद्योगिक विस्तार को बढ़ावा देने तथा उच्च कोटि के सक्षम मानव संसाधन आधार विकसित करने के लिए समर्पित क्षमता विकास कार्यक्रमों की रूपरेखा तैयार करने पर भी चर्चा की।

नीति आयोग ने बताया कि हितधारकों ने सभी तीन महत्वपूर्ण क्षेत्रों में विविध विचार प्रस्तुत किए है, जो शांति अधिनियम, 2025 के कार्यान्वयन तंत्र को मजबूत करने में उपयोगी साबित होंगे। हितधारकों के साथ इस परामर्श बैठक की अध्यक्षता प्रो. अभय करंदीकर (सदस्य, नीति आयोग) ने की। अन्य प्रमुख गणमान्य व्यक्तियों में पंकज अग्रवाल (सचिव, एमओपी), घनश्याम प्रसाद (अध्यक्ष, सीईए), गुरदीप सिंह (सीएमडी, एनटीपीसी लिमिटेड), डॉ. अंशु भारद्वाज (कार्यक्रम निदेशक, नीति आयोग), राजनाथ राम (सलाहकार, नीति आयोग), डॉ. गरिमा शर्मा (प्रमुख, एसएसएसडी, डीएई) और हरि कुमार (ईआरबी के विशिष्ट वैज्ञानिक और निदेशक) शामिल थे।

अब तक 1.7 करोड़ से ज्यादा करदाताओं ने भरा रिटर्न, आखिरी तारीख 31 जुलाई

नई दिल्ली, 11 जुलाई (हि.स)। आकलन वर्ष 2026-27 के लिए अब तक 1.7 करोड़ से ज्यादा करदाताओं ने अपना आयकर रिर्टन (आईटीआर) दाखिल कर दिया है। सिर्फ एक दिन में 10 लाख से ज्यादा आयकर रिटर्न दाखिल किए गए हैं।

आयकर विभाग ने शनिवार को एक्स पोस्ट में यह जानकारी दी। विभाग ने करदाताओं से अपील किया है कि यदि आपने अपना आईटीआर-1 और आईटीआर-2 फाइल नहीं किया है, तो समय रहते अपना आयकर रिटर्न दाखिल करें।

विभाग ने कहा कि आखिरी समय की भीड़ का इंतजार न करें। आयकर विभाग ने करदाताओं से आखिरी समय की भागदौड़ से बचने और 31 जुलाई 2026 की डेडलाइन से पहले आसानी से अपना आयकर रिर्टन (आईटीआर) https://incometa&.gov.in/iec/foportal/ पर फइल करने की अपील की है।

आईटीआर-1 (सहज) एक आसान फॉर्म है, जो बड़ी संख्या में छोटे और मध्यम टैक्सपेयर्स के काम आता है। सहज फॉर्म वे निवासी व्यक्ति भर सकते हैं जिनकी सालाना आय 50 लाख रुपये तक है और जिनकी आय का ज़रिया सैलरी, एक घर की प्रॉपर्टी और 5,000 रुपये तक की सालाना खेती से होने वाली आय है।

मानसून की चुनौती- आखिर स्मार्ट शहर भी क्यों हो रहे हैं बेबस?

– योगेश कुमार गोयल

मानसून ने इस वर्ष अपने आगमन के साथ ही देश के बड़े हिस्से में राहत से अधिक आफत का संदेश दिया है। जम्मू-कश्मीर के किश्तवाड़ से लेकर महाराष्ट्र, गुजरात, उत्तर प्रदेश, उत्तराखंड, ओडिशा और मध्य प्रदेश तक प्रकृति का रौद्र रूप साफ दिखाई दे रहा है। भारी बारिश, भूस्खलन, बादल फटने और बाढ़ जैसी घटनाओं ने यह स्पष्ट कर दिया है कि हमारा बुनियादी ढांचा और प्रशासनिक तैयारी अभी भी इस प्राकृतिक चुनौती का सामना करने में सक्षम नहीं है।

जम्मू-कश्मीर के किश्तवाड़ जिले में लगातार मूसलाधार बारिश के चलते भूस्खलन की घटनाएं सामने आई हैं, जिससे राष्ट्रीय राजमार्ग-244 कई स्थानों पर क्षतिग्रस्त हो गया है। ऐसी घटनाएं न केवल आवागमन को बाधित करती हैं बल्कि यह भी दिखाती हैं कि पहाड़ी क्षेत्रों में सड़कों के निर्माण और रखरखाव में वैज्ञानिक दृष्टिकोण का अभाव है। महाराष्ट्र के पुणे जिले में भूस्खलन की घटना में लोगों की मौत और कई लोगों का रेस्क्यू इस बात का संकेत है कि हम जोखिमों को पहले से भांपने में असफल रहे हैं। महाराष्ट्र के अन्य हिस्सों में भी स्थिति भयावह है। उल्हास नदी का जलस्तर खतरे के निशान के करीब पहुंच चुका है, जिससे वांगणी के पास स्थित कुडसावरे पुल पूरी तरह जलमग्न हो गया और कई गांवों का संपर्क टूट गया। देश की आर्थिक राजधानी मुंबई में हर वर्ष की तरह इस बार भी बारिश ने जनजीवन को अस्त-व्यस्त कर दिया है लेकिन इस बार स्थिति और भी गंभीर रही है। महज दो दिनों की बारिश में ही सड़कें नदियों में तब्दील हो गई, पेड़ उखड़ गए, पुराने ढ़ांचे ढह गए और कई लोगों को अपनी जान गंवानी पड़ी। ऐसे में यह सवाल उठना स्वाभाविक है कि क्या हर साल आने वाली इस स्थिति को हम केवल 'प्राकृतिक आपदा' कहकर टाल सकते हैं? सच्चाई यह है कि यह केवल प्रकृति का प्रकोप नहीं बल्कि हमारी प्रशासनिक लापरवाही, अनियोजित शहरीकरण और तकनीकी अक्षमता का भी परिणाम है। यदि बारिश से पहले नालों की सफाई, जल निकासी की समुचित व्यवस्था और जोखिम वाले क्षेत्रों का वैज्ञानिक मूल्यांकन समय पर किया जाए तो इन घटनाओं की गंभीरता को काफी हद तक कम किया जा सकता है।

मुंबई, पुणे या अन्य महानगरों में जलभराव की समस्या अब अस्थायी नहीं रही बल्कि स्थायी संकट बन चुकी है। इसका मूल कारण है शहरों का अनियोजित विस्तार और प्राकृतिक जल निकासी मार्गों का अतिक्रमण। जहां कभी पानी के बहाव के प्राकृतिक रास्ते थे, वहां आज कंक्रीट के जंगल खड़े हो गए हैं। नतीजतन, थोड़ी सी बारिश भी शहरों को जलमग्न कर देती है। यह स्थिति केवल मुंबई तक सीमित नहीं है बल्कि अब देश के अधिकांश शहरों में यही तस्वीर देखने को मिलती है। इस बार मानसून ने रेलवे और सड़क परिवहन को भी बुरी तरह प्रभावित किया है। मुंबई-पुणे रेल मार्ग पर चट्टानी मलबा गिरने से रेल सेवाएं बाधित हो गई। गुजरात के अमरेली में राष्ट्रीय राजमार्ग का हिस्सा बह जाना इस बात का संकेत है कि हमारी निर्माण प्रणाली प्राकृतिक आपदाओं के प्रति कितनी संवेदनशील है। यह केवल एक तकनीकी विफलता नहीं बल्कि दीर्घकालिक योजना के अभाव का परिणाम है।

यदि हम वैश्विक परिप्रेक्ष्य में देखें तो विकसित देशों ने इस समस्या से निपटने के लिए आधुनिक तकनीकों का सहारा लिया है। अमेरिका और ब्रिटेन जैसे देशों में 'लिडार' तकनीक से पहाड़ी क्षेत्रों की निगरानी की जाती है और 'रॉकफॉल बैरियर्स' के माध्यम से भूस्खलन को रोका जाता है। रेल और सड़क नेटवर्क में सेंसर आधारित प्रणाली खतरे का पूर्वानुमान लगाकर सेवाओं को नियंत्रित करती है। इसके विपरीत, भारत में आज भी अधिकतर व्यवस्थाएं प्रतिक्रियात्मक हैं अर्थात् हादसे के बाद ही कार्रवाई होती है। विश्व बैंक के अनुमानों के अनुसार, भारत को हर वर्ष बारिश से जुड़ी आपदाओं के कारण लगभग 80,000 करोड़ से 1,20,000 करोड़ रुपये तक का आर्थिक नुकसान होता है। यह आंकड़ा केवल आर्थिक क्षति का है जबकि मानवीय जीवन की हानि का मूल्यांकन करना संभव ही नहीं है। हर वर्ष सैंकड़ों लोग केवल इसलिए अपनी जान गंवा देते हैं क्योंकि हम समय रहते आवश्यक कदम नहीं उठा पाते। यह स्थिति हमें एक महत्वपूर्ण नीति परिवर्तन ('आपदा के बाद राहत' से 'आपदा से पहले तैयारी' की ओर) की ओर संकेत करती है। इसके लिए सबसे पहले शहरी और ग्रामीण क्षेत्रों में 'डिजिटल ड्रेनेज ऑडिट' को अनिवार्य किया जाना चाहिए, जिससे यह स्पष्ट हो सके कि पानी का प्राकृतिक प्रवाह कहां और कैसे होता है। इसके साथ ही 'स्पंज सिटी' मॉडल को अपनाना आवश्यक है, जिसमें शहरों को इस प्रकार विकसित किया जाता है कि वे वर्षा के पानी को अवशोषित कर सकें। पहाड़ी क्षेत्रों में निर्माण कार्यों के लिए भूवैज्ञानिकों की सलाह को अनिवार्य बनाया जाना चाहिए। ढ़लानों की मजबूती, जल निकासी के उचित चैनल और वनस्पति संरक्षण जैसे उपाय भूस्खलन की घटनाओं को कम कर सकते हैं। इसके अतिरिक्त, रियल-टाइम वेदर मॉनिटरिंग सिस्टम और अर्ली वार्निंग सिस्टम को मजबूत करना भी बेहद आवश्यक है। प्रशासनिक स्तर पर भी जवाबदेही सुनिश्चित करनी होगी। हर वर्ष मानसून से पहले नालों की सफाई और जल निकासी की व्यवस्था के लिए बजट आवंटित किया जाता है लेकिन इसका प्रभाव जमीनी स्तर पर दिखाई नहीं देता। यह केवल कागजी कार्रवाई बनकर रह जाता है। जब तक इस पर सख्ती से निगरानी और पारदर्शिता नहीं लाई जाएगी, तब तक स्थिति में सुधार की उम्मीद करना व्यर्थ होगा। यहां नागरिकों की भूमिका भी कम महत्वपूर्ण नहीं है। अतिक्रमण, कचरा प्रबंधन में लापरवाही और पर्यावरणीय नियमों की अनदेखी भी इस संकट को बढ़ाती है। यदि नागरिक स्तर पर जागरूकता और जिम्मेदारी का भाव विकसित किया जाए तो इस समस्या को काफी हद तक नियंत्रित किया जा सकता है। कुल मिलाकर, हमें यह स्वीकार करना होगा कि प्रकृति को पूरी तरह नियंत्रित करना संभव नहीं है लेकिन उसके प्रभाव को कम करना निश्चित रूप से हमारे हाथ में है। इसके लिए आवश्यक है कि हम वैज्ञानिक दृष्टिकोण, तकनीकी नवाचार और प्रशासनिक ईमानदारी को एक साथ लेकर चलें। यदि अब भी हमने समय रहते कदम नहीं उठाए तो मानसून हमारे लिए हर वर्ष राहत के बजाय आफत बनकर आता रहेगा। आज आवश्यकता इस बात की है कि सरकार, प्रशासन और समाज मिलकर एक दीर्घकालिक और ठोस रणनीति तैयार करें, तभी हम इस प्राकृतिक चुनौती को अवसर में बदल सकते हैं और आने वाली पीढ़ियों को एक सुरक्षित और संतुलित पर्यावरण दे सकते हैं।

(लेखक, स्वतंत्र टिप्पणीकार हैं।)

ओरिएंटल कप 2026 : डीपीएस वसंत विहार और डीपीएस आर.के. पुरम की शानदार जीत

एजेंसी

नई दिल्ली। लगातार तीन दिनों तक बारिश से प्रभावित रहने के बाद ओरिएंटल कप 2026 के चौथे दिन आखिरकार खिली धूप ने युवा खिलाड़ियों का स्वागत किया। बेहतर मौसम और अनुकूल खेल परिस्थितियों के बीच बालक वर्ग के प्री-क्वार्टरफाइनल मुकाबलों में दिल्ली पब्लिक स्कूल, आर.के. पुरम, दिल्ली पब्लिक स्कूल, वसंत विहार, सेंट फ्रांसिस डी सेल्स सीनियर सेकेंडरी स्कूल, स्टेप बाय स्टेप स्कूल (नोएडा), मदर्स इंटरनेशनल स्कूल (दिल्ली), माउंट कार्मेल स्कूल (द्वारका) और जी.डी. गोयनका स्कूल (द्वारका) ने शानदार जीत दर्ज कर क्वार्टरफाइनल में अपनी जगह पक्की कर ली। दिन के पहले मुकाबले में दिल्ली पब्लिक स्कूल, आर.के. पुरम ने नेवी चिल्ड्रेन स्कूल को 3-1 से हराकर विजयी शुरुआत की। अभाव भारद्वाज ने शानदार हैट्रिक लगाते हुए 20वें, 31वें और 37वें मिनट में गोल किए। नेवी चिल्ड्रेन स्कूल के लिए यश बन्याल ने 35वें मिनट में एक गोल कर अंतर कम किया, लेकिन डीपीएस आर.के. पुरम ने मैच पर अपनी पकड़ बनाए रखते हुए आसान जीत हासिल की। दूसरे मुकाबले में दिल्ली पब्लिक स्कूल, वसंत विहार ने संस्कृति स्कूल को 5-0 से करारी शिकस्त दी। अभ्युदय सिंह ने छठे, 26वें और 39वें मिनट में गोल दागकर हैट्रिक पूरी की।

हैमस्ट्रिंग और घुटने की चोट के कारण क्रिकेट से चार सप्ताह के लिए दूर हुए मुस्तफिजुर रहमान

हरारे। बांग्लादेश के अनुभवी तेज गेंदबाज मुस्तफिजुर रहमान हैमस्ट्रिंग और घुटने की चोट के कारण अगले चार सप्ताह तक क्रिकेट नहीं खेल पाएंगे। इसके साथ ही वह जिम्बाब्वे दौरे के बाकी मुकाबलों से बाहर हो गए हैं। बांग्लादेश क्रिकेट बोर्ड (बीसीबी) के अनुसार जिम्बाब्वे के खिलाफ पहले वनडे के दौरान गेंदबाजी करते समय मुस्तफिजुर को दर्द महसूस हुआ था। मंगलवार को कराए गए स्कैन में उनके दाहिने हैमस्ट्रिंग में ग्रेड-1 मसल टियर और दाहिने घुटने के मेनिस्कस में डीजेनेरेशन की पुष्टि हुई। जिम्बाब्वे के खिलाफ पहले वनडे में मुस्तफिजुर ने छह ओवर में 19 रन दिए थे और बल्लेबाजी में नंबर-10 पर भी उतरे थे। हालांकि बांग्लादेश को उस मुकाबले में 25 रन से हार का सामना करना पड़ा। चोट के कारण वह दूसरा वनडे नहीं खेल सके, जहां उनकी जगह बाएं हाथ के तेज गेंदबाज शोरिफुल इस्लाम को टीम में शामिल किया गया।

मुरादाबाद को मिली प्रदेश स्तरीय क्रिकेट अंडर 17 व 19 बालिका वर्ग की मेजबानी

मुरादाबाद। उत्तर प्रदेश के जनपद मुरादाबाद में जीजी हिंदू इंटर कॉलेज में मंडलीय क्रीड़ा समिति की बैठक में सत्र 2026-27 में होने वाली खेल प्रतियोगिताओं के लिए बनाई गई कार्य योजना, जनपद मुरादाबाद को प्रदेश स्तरीय क्रिकेट अंडर 17 व 19 वर्ष बालिका वर्ग प्रतियोगिता तथा जनपद रामपुर को प्रदेश स्तरीय हॉकी अंडर 14, 17 व 19 वर्ष बालक/बालिका वर्ग प्रतियोगिता का दायित्व सौंपा गया। संचालन मंडलीय क्रीड़ा सचिव बंश बहादुर ने किया। बैठक में सर्वप्रथम मंडल स्तर पर आयोजित होने वाली खेल प्रतियोगिताओं को मंडल के विभिन्न जनपदों को आवंटित किया गया जिसमें जनपद मुरादाबाद में तैराकी, बॉक्सिंग, क्रिकेट 17 एवं 19 वर्ष बालिका, सुब्रतो फुटबॉल, थागता मार्शल आर्ट, कराटे व कुश्ती , जनपद अमरोहा में कबड्डी, क्रिकेट 14 वर्ष बालक, टेबल टेनिस ,बैडमिंटन, हैंडबॉल, योगासन, भारोत्तोलन तथा एथलेटिक्स, जनपद बिजनौर में खो-खो, बास्केटबॉल, शतरंज, ताइक्वांडो, शूटिंग , नेहरू हॉकी, कलारीपयट्टू तथा वुशु जनपद रामपुर में वॉलीबॉल, गतका, मलखंभ, हॉकी तथा फुटबॉल जबकि जनपद संभल में जूडो, जिमनास्टिक, क्रिकेट 17 वर्ष बालक , क्रिकेट 19 वर्ष बालक, कुराश, सेपक टाकरो तथा तीरंदाजी खेल को आयोजित कराए जाने का निर्णय लिया गया। खेलों के निष्पक्ष आयोजन तथा श्रेष्ठ खिलाड़ियों के चयन हेतु चयनकर्ता तथा पर्यवेक्षकों की नियुक्ति का निर्णय लिया गया।

पहली बार भारत में खेली जाएगी बिग बैश लीग, चेन्नई के चेपॉक स्टेडियम में बनेगा इतिहास

नई दिल्ली। ऑस्ट्रेलिया की प्रतिष्ठित बिग बैश लीग (बीबीएल) पहली बार भारत में कदम रखने जा रही है। दिसंबर में चेन्नई के एमए चिदंबरम स्टेडियम (चेपॉक) में बीबीएल का पहला अंतरराष्ट्रीय मुकाबला खेला जाएगा। यह टूर्नामेंट के इतिहास में पहली बार होगा, जब कोई मैच ऑस्ट्रेलिया के बाहर आयोजित किया जाएगा। कई महीनों से चल रही चर्चाओं के बाद मेलबर्न क्रिकेट ग्राउंड (एमसीजी) में आयोजित विशेष कार्यक्रम में इस ऐतिहासिक मुकाबले की आधिकारिक घोषणा की गई। इस अवसर पर ऑस्ट्रेलिया के प्रधानमंत्री एंथनी अल्बनीज़ और भारत के प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी भी मौजूद रहे। 12 दिसंबर को होने वाले इस मुकाबले में मेलबर्न रेनेगेड्स और पर्थ स्कॉर्चर्स की टीमें आमने-सामने होंगी। यह मैच 38 हजार दर्शकों की क्षमता वाले चेपॉक स्टेडियम में खेला जाएगा। लीग आयोजकों को उम्मीद है कि क्रिकेट प्रेमी चेन्नई में होने वाले इस ऐतिहासिक मुकाबले के लिए स्टेडियम को पूरी तरह भर देंगे।बीबीएल ने इस मुकाबले के लिए क्रिकेट कैलेंडर में भी खास समय चुना है। ऑस्ट्रेलिया में यह मैच शाम के समय खेला जाएगा, जबकि भारत में इसकी शुरुआत दोपहर में होगी। यह मुकाबला ऑस्ट्रेलिया और न्यूजीलैंड के बीच पर्थ में खेले जा रहे टेस्ट मैच के चौथे दिन का खेल समाप्त होने के तुरंत बाद शुरू होगा। दुनिया के सबसे बड़े क्रिकेट बाजार भारत में बीबीएल का यह पहला कदम माना जा रहा है ।

हैरी केन ने डोनाल्ड ट्रंप के साथ गोल्फ खेलने की पुष्टि की, बोले- यह एक अविस्मरणीय अनुभव था

एजेंसी

मियामी। इंग्लैंड फुटबॉल टीम के कप्तान हैरी केन ने पुष्टि की है कि उन्होंने करीब डेढ़ साल पहले अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के साथ गोल्फ खेला था। केन ने इस मुलाकात को अवास्तविक और यादगार अनुभव बताया और कहा कि ट्रंप का गोल्फ खेल भी काफी अच्छा है।

दरअसल, ट्रंप ने इस सप्ताह इंग्लैंड की मेक्सिको पर 3-2 की जीत के बाद खुलासा किया था कि वह पहले केन के साथ गोल्फ खेल चुके हैं और उन्होंने इंग्लिश कप्तान की फुटबॉल के साथ-साथ गोल्फ की भी तारीफ की थी। विश्व कप क्वार्टर फाइनल में नॉर्वे के खिलाफ मुकाबले से पहले मियामी में मीडिया से बातचीत में केन ने कहा, मैंने भी ठीक-ठाक गोल्फ खेला। जब मैं पाम बीच में था तो राष्ट्रपति ने मुझे गोल्फ खेलने के लिए आमंत्रित किया। जब अमेरिका का राष्ट्रपति आपको बुलाए, तो उसे ठुकराना आसान नहीं होता।

उन्होंने कहा, उनसे मिलना और उनके साथ गोल्फ खेलना एक बेहद अलग और अविस्मरणीय अनुभव था। सच कहूं तो उनका गोल्फ खेल काफी अच्छा है। उम्मीद करता हूं कि उनकी उम्र में मैं भी उतना अच्छा खेल सकूं। मैं उनका निमंत्रण पाकर बेहद आभारी हूं। मेक्सिको के खिलाफ इंग्लैंड की जीत के बाद ट्रंप ने अपने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म 'ट्रुथ सोशल' पर लिखा था, इंग्लैंड के हैरी केन महान खिलाड़ी हैं। इसके अगले दिन उन्होंने पत्रकारों से बातचीत में कहा, मैंने केन के साथ गोल्फ खेला है। वह शानदार खिलाड़ी हैं और बेहतरीन इंसान भी। उनका गोल्फ भी काफी अच्छा है।हैरी केन इस विश्व कप में शानदार फॉर्म में हैं। वह अब तक छह गोल कर चुके हैं और गोल्डन बूट की दौड़ में नॉर्वे के एरलिंग हालैंड से केवल एक गोल पीछे हैं। इंग्लैंड अब सेमीफाइनल में जगह बनाने के लिए नॉर्वे से भिड़ेगा।इस बीच, डोनाल्ड ट्रंप इस सप्ताह फीफा विश्व कप से जुड़ी एक और वजह से भी चर्चा में रहे। उन्होंने फीफा अध्यक्ष जियानी इन्फैन्टिनो से अमेरिका के स्ट्राइकर फोलारिन बालोगुन पर लगे निलंबन को लेकर बातचीत की थी। हालांकि फीफा ने बाद में स्पष्ट किया कि बालोगुन की सजा में बदलाव ट्रंप के हस्तक्षेप की वजह से नहीं किया गया था। बालोगुन बेल्जियम के खिलाफ प्री-क्वार्टर फाइनल में खेले, लेकिन अमेरिका को 4-1 से हार का सामना करना पड़ा।

राष्ट्रीय अंडर-18 वॉलीबॉल टीम में चयनित हुए कुशल सिंह 'तरंग', चीन में लहराएंगे अयोध्या का परचम

एजेंसी

अयोध्या। अयोध्या जिले के लिए गर्व की बात है कि हैरिंग्टनगंज ब्लॉक के ग्राम मलेथू खुर्द निवासी कुशल सिंह उर्फ 'तरंग', पुत्र शंभूनाथ सिंह, का भारतीय अंडर-18 राष्ट्रीय वॉलीबॉल टीम में चयन हुआ है। वह चीन में आयोजित अंतरराष्ट्रीय प्रतियोगिता (असम कप/यू-18 प्रतियोगिता) में भारत का प्रतिनिधित्व करने के लिए चीन रवाना हो गए हैं। कुशल सिंह का राष्ट्रीय टीम में चयन उनकी कड़ी मेहनत, अनुशासन और उत्कृष्ट खेल प्रतिभा का परिणाम है। हाल ही में राष्ट्रीय चयन प्रक्रिया के बाद उन्हें भारतीय टीम में स्थान मिला है, जिसके बाद क्षेत्र में खुशी और गर्व का माहौल है। भारतीय अंडर-18 टीम के लिए चयनित खिलाड़ियों की सूची में भी उनका नाम शामिल है। कुशल की इस उपलब्धि से न केवल उनके परिवार, बल्कि पूरे मलेथू खुर्द, हैरिंग्टनगंज, मिल्कीपुर तथा जनपद अयोध्या का नाम राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय स्तर पर गौरवान्वित हुआ है। उनके चीन रवाना होने की खबर मिलते ही क्षेत्रवासियों, खेल प्रेमियों और शुभचिंतकों ने उन्हें उज्ज्वल प्रदर्शन के लिए शुभकामनाएं दी हैं। पलिया लोहानी के ग्राम प्रधान अभिषेक भद्र सिंह का कहना है कि कुशल सिंह की सफलता ग्रामीण क्षेत्र के युवाओं के लिए प्रेरणास्रोत बनेगी और इससे अन्य खिलाड़ियों का भी खेलों के प्रति उत्साह बढ़ेगा। सभी को उम्मीद है कि वह चीन में शानदार प्रदर्शन कर देश और प्रदेश का नाम रोशन करेंगे।

हार के बाद भी संन्यास के मूड में नहीं जोकोविच, बोले- 'कम से कम एक बार और लौटना चाहता हूं'

एजेंसी

लंदन। विंबलडन 2026 के सेमीफाइनल में विश्व नंबर-1 इटली के जैनिक सिनर से सीधे सेटों में हारने के बावजूद सर्बियाई खिलाड़ी नोवाक जोकोविच ने संन्यास की अटकलों को खारिज कर दिया। 39 वर्षीय सर्बियाई स्टार ने स्पष्ट किया कि वह अभी भी टेनिस खेलना चाहते हैं और अगले साल विंबलडन में वापसी की उम्मीद रखते हैं। सात बार के विंबलडन चैंपियन जोकोविच को सेंटर कोर्ट से बाहर जाते समय दर्शकों ने खड़े होकर जोरदार तालियों से विदाई दी। इसके बाद जब उनसे पूछा गया कि क्या वह अगले साल 40 वर्ष की उम्र में विंबलडन के 150वें संस्करण में खेलेंगे, तो उन्होंने कहा, मैं लौटना चाहूंगा, कम से कम एक बार और। देखते हैं आगे क्या होता है। जोकोविच इस हार के साथ अपने रिकॉर्ड 25वें ग्रैंड स्लैम खिताब और 39वें ग्रैंड स्लैम फाइनल में पहुंचने का सपना पूरा नहीं कर सके। हालांकि उनका मानना है कि सेमीफाइनल तक का सफर यह साबित करता है कि वह अभी भी दुनिया के सर्वश्रेष्ठ खिलाड़ियों से मुकाबला करने में सक्षम हैं। उन्होंने कहा, बेशक मैं निराश हूं। मैं विंबलडन जीतना चाहता था और

यही वजह है कि मैं अब भी खुद को इतनी मेहनत करने के लिए प्रेरित करता हूं। लेकिन इस टूर्नामेंट में कोर्ट पर मेरा रवैया, संघर्ष करने का जज्बा और समर्पण सकारात्मक रहा। यह सब आज भी मेरे अंदर मौजूद है।अब जोकोविच की नजर यूएस ओपन 2026 पर होगी। उन्होंने अपना पिछला और अब तक का 24वां ग्रैंड स्लैम खिताब वर्ष 2023 में यूएस ओपन में ही जीता था।

भविष्य की योजनाओं पर उन्होंने कहा, मुझ पर खेलने का कोई दबाव नहीं है और न ही कोई मुझे खेलने के लिए मजबूर कर रहा है। मैं इसलिए खेलता हूं क्योंकि मैं खुद खेलना चाहता हूं और मुझे विश्वास है कि मैं अभी भी शीर्ष-10 या शीर्ष-5 स्तर का खिलाड़ी हूं। आगे भविष्य क्या लेकर आता है, यह देखेंगे।

डायमंड लीग 2026: सर्वेश कुशारे ने डेब्यू में जीता कांस्य, मोनाको में तीसरे स्थान पर रहे

एजेंसी

मोनाको। भारत के राष्ट्रीय रिकॉर्डधारी सर्वेश कुशारे ने डायमंड लीग में अपने पहले ही मुकाबले में शानदार प्रदर्शन करते हुए पुरुषों की हाई जंप स्पर्धा में तीसरा स्थान हासिल किया। मोनाको में आयोजित इस प्रतिष्ठित प्रतियोगिता में कुशारे ने 2.26 मीटर की सर्वश्रेष्ठ छलांग लगाकर पोडियम पर जगह बनाई।

इस स्पर्धा का स्वर्ण पदक यूक्रेन के ओलेह डोरोशचुक ने 2.32 मीटर की छलांग के साथ जीता, जबकि ग्रेट ब्रिटेन के किमानी जैक ने 2.30 मीटर के प्रयास के साथ रजत पदक अपने नाम किया। हालांकि सर्वेश अपने राष्ट्रीय रिकॉर्ड 2.31 मीटर की बराबरी नहीं कर सके। उन्होंने यह रिकॉर्ड हाल ही में भुवनेश्वर में आयोजित 65वीं राष्ट्रीय अंतरराज्यीय सीनियर एथलेटिक्स चैंपियनशिप में बनाया था। उस दौरान उन्होंने तेजस्विन शंकर के 2.29 मीटर के पुराने राष्ट्रीय रिकॉर्ड को तोड़ा था। डायमंड लीग से पहले

सर्वेश और किमानी जैक दोनों का इस सीजन का सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन 2.31 मीटर था, जो प्रतियोगिता में हिस्सा लेने वाले 10 खिलाड़ियों में संयुक्त रूप से सबसे बेहतर था।

इस प्रतियोगिता में टोक्यो ओलंपिक के संयुक्त स्वर्ण पदक विजेता इटली के जियानमार्को ताम्बेरी और कतर के मुताज बरशीम उम्मीद के मुताबिक प्रदर्शन नहीं कर सके। ताम्बेरी 2.23 मीटर की छलांग के साथ संयुक्त छठे स्थान पर रहे, जबकि बरशीम 2.20 मीटर के प्रयास के साथ संयुक्त आठवें स्थान पर रहे।सर्वेश कुशारे का यह प्रदर्शन भारतीय एथलेटिक्स के लिए बड़ी उपलब्धि माना जा रहा है और आने वाले अंतरराष्ट्रीय मुकाबलों से पहले उनके आत्मविश्वास को भी मजबूत करेगा।

भारत बनाम इंग्लैंड, 5वां टी20: टीम इंडिया के सामने क्लीन स्वीप से बचने की चुनौती

एजेंसी

साउथम्प्टन। भारत और इंग्लैंड के बीच पांच मैचों की टी20 अंतरराष्ट्रीय श्रृंखला का अंतिम मुकाबला साउथम्प्टन में खेला जाएगा। कप्तान श्रेयस अय्यर की अगुवाई वाली भारतीय टीम पहले ही सीरीज गंवा चुकी है और अब उसकी कोशिश 0-4 से क्लीन स्वीप होने की शर्मनाक स्थिति से बचने की होगी। बेलफास्ट से शुरू हुआ भारत का यह दौरा अब साउथम्प्टन पहुंच चुका है, लेकिन छह शहरों की यात्रा के बावजूद एक चीज नहीं बदली है– श्रेयस अय्यर अभी भी बतौर कप्तान अपनी पहली जीत का इंतजार कर रहे हैं। भारतीय पुरुष टीम के लिए यह 2006 में पहला टी20 अंतरराष्ट्रीय खेलने के बाद सबसे लंबा जीत का सूखा बन गया है।पूरी श्रृंखला में भारत का प्रदर्शन निराशाजनक रहा। मैनचेस्टर में टीम ने कुछ देर तक मुकाबला किया, लेकिन नॉटिंघम में केवल 76 रन पर सिमट गई। वहीं ब्रिस्टल में इंग्लैंड ने बल्लेबाजी, गेंदबाजी और फील्डिंग तीनों विभागों में भारत को पूरी तरह पछाड़ दिया। अगर भारत अंतिम मुकाबला जीत भी लेता है तो सीरीज नहीं बचा

पाएगा, लेकिन 1-3 की हार 0-4 के क्लीन स्वीप से कहीं बेहतर मानी जाएगी। भारतीय बल्लेबाजों के लिए सबसे बड़ी चुनौती जोफ्रा आर्चर और जॉश टंग की तेज गेंदबाजी रही है। वहीं सैम करन की धीमी और स्किड होने वाली गेंदों ने भी उन्हें लगातार परेशान किया। गेंदबाजी में भारत की मुश्किलें और बढ़ गई हैं क्योंकि वरुण चक्रवर्ती और हर्षित राणा हैमस्ट्रिंग चोट के कारण बाहर हो गए हैं। इसके अलावा दूसरे मैच में रवि बिश्नोई के एक ओवर में 29 रन खर्च करने के बाद टीम चयन भी कठिन हो गया है।बल्लेबाजी में भारत युवा वैभव सूर्यवंशी पर भरोसा बरकरार रख सकता है, हालांकि वह शॉर्ट गेंदों के खिलाफ संघर्ष करते दिखे हैं। संजू सैमसन का प्लेइंग इलेवन और जिम्बाब्वे दौरे दोनों से बाहर रहना चर्चा का विषय बना हुआ है। यदि उन्हें मौका दिया जाता है तो तिलक वर्मा को बाहर बैठना पड़ सकता है और शीर्ष क्रम में बदलाव करना होगा। दूसरी ओर इंग्लैंड ने हर विभाग में शानदार प्रदर्शन किया है। उसकी तेज गेंदबाजी ने भारतीय बल्लेबाजों को लगातार दबाव में रखा, जबकि विल जैक्स, आदिल राशिद और लियाम डॉसन ने अपनी विविधताओं से भारतीय बल्लेबाजी को बांधे रखा। बल्लेबाजी में फिल सॉल्ट, जोस बटलर, हैरी ब्रूक और जैकब बेथेल ने घरेलू परिस्थितियों का पूरा फायदा उठाया। अब श्रेयस अय्यर और टीम इंडिया के पास साउथम्प्टन में आखिरी मौका है कि वह सम्मान बचाते हुए जीत के साथ इस कठिन दौरे का समापन करे।

विंबलडन 2026: आर्थर फेरी को हराकर फाइनल में पहुंचे अलेक्जेंडर ज्वेरेव

एजेंसी

लंदन। फ्रांस ओपन 2026 का खिताब जीतने के बाद जर्मनी के स्टार टेनिस खिलाड़ी अलेक्जेंडर ज्वेरेव ने एक और ग्रैंड स्लैम फाइनल में जगह बना ली है। ज्वेरेव ने विंबलडन 2026 के पुरुष एकल सेमीफाइनल में ब्रिटेन के वाइल्ड कार्ड खिलाड़ी आर्थर फेरी को सीधे सेटों में 7-6 (7-0), 6-2, 6-4 से हराकर खिताबी मुकाबले का टिकट हासिल किया।

रोलां गैरो में पहला ग्रैंड स्लैम खिताब जीतने वाले ज्वेरेव अब पेशेवर युग (1968 के बाद) में ऐसा करने वाले पहले खिलाड़ी बनने की कोशिश करेंगे, जो अपना पहला ग्रैंड स्लैम जीतने के तुरंत बाद अगले ग्रैंड स्लैम का खिताब भी अपने नाम करे। दूसरी ओर, दुनिया के 114वें नंबर के खिलाड़ी आर्थर फेरी का यादगार अभियान यहीं समाप्त हो गया। ऑल इंग्लैंड क्लब से महज पांच मिनट की दूरी पर पले-बढ़े फेरी वर्ष 2001 में गोरान इवानिसेविच के बाद विंबलडन फाइनल में पहुंचने वाले पहले वाइल्ड कार्ड खिलाड़ी बनने से चूक गए।

अब होने वाले फाइनल में ज्वेरेव का सामना मौजूदा चैंपियन यानिक सिनर और सात बार के विंबलडन विजेता नोवाक जोकोविच के बीच होने वाले दूसरे सेमीफाइनल के विजेता से होगा। सिनर और जोकोविच की पिछली भिड़ंत ऑस्ट्रेलियन ओपन 2026 के सेमीफाइनल में हुई थी, जहां जोकोविच ने पांच सेटों के संघर्ष में जीत दर्ज की थी।लंदन में मुकाबले के दौरान मौसम गर्म रहा और तापमान लगभग 29 डिग्री सेल्सियस तक पहुंच गया। हल्की हवा और बादलों के बीच ज्वेरेव ने शानदार प्रदर्शन करते हुए फेरी को कोई बड़ा मौका नहीं दिया और आसानी से फाइनल में प्रवेश कर लिया।

फीफा विश्व कप: मेरिनो के आखिरी मिनट के गोल से स्पेन सेमीफाइनल में, बेल्जियम को 2-1 से हराया

एजेंसी

लॉस एंजिलिस। सुपर सब मिकेल मेरिनो ने लगातार दूसरे नॉकआउट मुकाबले में अंतिम क्षणों में गोल दागकर स्पेन को फीफा विश्व कप 2026 के सेमीफाइनल में पहुंचा दिया। स्पेन ने रोमांचक क्वार्टर फाइनल में बेल्जियम को 2-1 से हराया और अब उसका सामना सेमीफाइनल में फ्रांस से होगा। आर्सेनल के मिडफील्डर मेरिनो 86वें मिनट में मैदान पर उतरे और केवल दो मिनट बाद ही निर्णायक गोल कर स्पेन को जीत दिला दी। बेल्जियम के स्थानापन्न गोलकीपर सेन्ने लैमेंस ने पाउ क्यूबार्सी के शॉट को रोकने की कोशिश की, लेकिन गेंद सीधे मेरिनो के पास पहुंची और उन्होंने कोई गलती नहीं की।इससे पहले राउंड ऑफ-16 में भी मेरिनो ने पुर्तगाल के खिलाफ 91वें मिनट में विजयी गोल कर स्पेन को क्वार्टर फाइनल में

पहुंचाया था। मैच के बाद मेरिनो ने कहा, मेरे पास शब्द नहीं हैं। एक बार ऐसा होना ही अविश्वसनीय था, लेकिन लगातार दूसरी बार ऐसा होना और भी खास है। यह किस्मत नहीं, बल्कि तैयारी का नतीजा है। जब मैं मैदान पर उतरता हूं तो हमेशा टीम की मदद करने के लिए तैयार रहता हूं। मेरे साथी लगातार कह रहे थे कि मैं फिर गोल करूंगा। मैं हमेशा टीम के लिए योगदान देना चाहता हूं।उन्होंने आगे कहा, किसी बड़े टूर्नामेंट में स्पेन के लिए यह मेरा तीसरा मैच विजयी गोल है। पिछले यूरो कप के क्वार्टर फाइनल में भी मैंने जर्मनी के खिलाफ 119वें मिनट में गोल किया था। अभी विश्व कप जीतने के लिए हमारे पास दो और मैच हैं और उम्मीद है कि हम यह सपना पूरा करेंगे। अपने परिवार के साथ इन पलों को जीना मेरे लिए सौभाग्य की बात है। स्पेन के मुख्य कोच लुइस डी ला फुएंते ने मेरिनो की जमकर तारीफ करते हुए कहा, मिकेल अविश्वसनीय खिलाड़ी हैं। उनके पास कई शानदार गुण हैं और वह किसी भी पोजीशन पर खेल सकते हैं। जब भी हमें उनकी जरूरत होती है, वह हमेशा टीम के लिए खड़े रहते हैं। स्पेन ने पहला गोल फाबियान रुइज के जरिए किया था, लेकिन बेल्जियम के चार्ल्स डी केटेलारे ने हाफ टाइम से पहले बराबरी दिला दी।

दूसरे हाफ में बेल्जियम ने स्पेन के लगातार हमलों का मजबूती से सामना किया, लेकिन अंत में मेरिनो ने जीत दिला दी। अब स्पेन का सामना सेमीफाइनल में फ्रांस से होगा। दोनों टीमों की पिछली दो बड़ी भिड़ंतों में स्पेन ने जीत दर्ज की थी। इस मुकाबले पर कोच डी ला फुएंते ने कहा, दो शानदार टीमें आमने-सामने होंगी।

विंबलडन 2026: जैनिक सिनर ने नोवाक जोकोविच को हराकर फाइनल में बनाई जगह

एजेंसी

लंदन। विश्व नंबर-1 और मौजूदा चैंपियन इटली के जैनिक सिनर ने विंबलडन 2026 के सेमीफाइनल में सात बार के चैंपियन सर्बिया के नोवाक जोकोविच को लगातार दूसरे साल मात देते हुए शानदार अंदाज में फाइनल में प्रवेश कर लिया। सिनर ने शुक्रवार रात जोकोविच को 6-4, 6-4, 6-4 से हराकर खिताबी मुकाबले में अपनी जगह पक्की की, जहां उनका सामना रविवार को जर्मनी के अलेक्जेंडर ज्वेरेव से होगा। 39 वर्षीय जोकोविच पूरे मुकाबले में लय हासिल नहीं कर सके। मैच के बाद उन्होंने अपनी हार को पुरानी शैली की एकतरफा हार बताया और स्वीकार किया कि वह हर शॉट पर आधा कदम पीछे रह गए। सिनर ने पूरे मैच में शानदार सर्विस की। उन्होंने 16 ऐस लगाए, पहली सर्विस पर 88

प्रतिशत अंक जीते और दूसरी सर्विस पर भी 61 प्रतिशत अंक अपने नाम किए। उनकी सटीक सर्विस और आक्रामक खेल के सामने जोकोविच को कोई जवाब नहीं मिला। पूरे मुकाबले में जोकोविच को केवल एक ब्रेक प्वाइंट मिला और वह भी तीसरे सेट में। लेकिन सिनर ने उसे भी ऐस के साथ बचा लिया। इसके बाद एक दमदार स्मैश और फिर एक और ऐस लगाकर उन्होंने मैच पर पूरी तरह नियंत्रण बनाए रखा। हार के बावजूद जोकोविच ने कहा, मैं शारीरिक रूप से ठीक महसूस कर रहा था। टूर्नामेंट की शुरुआत जितना तरोताजा नहीं था, लेकिन फिट था। सिनर आज मुझसे कहीं बेहतर थे और पूरे मैच में हावी रहे। उन्हें जीत की बधाई देनी होगी। उन्होंने शानदार खेल दिखाया। अब सभी की निगाहें रविवार को होने वाले फाइनल पर होंगी, जहां जैनिक सिनर अपने विंबलडन खिताब का सफलतापूर्वक बचाव करने के इरादे से अलेक्जेंडर ज्वेरेव के खिलाफ उतरेंगे।

एशियन गेम्स 2026 के लिए भारतीय महिला हॉकी टीम घोषित, सलीमा टेटे को सौंपी गई कप्तानी

एजेंसी

नई दिल्ली। हॉकी इंडिया ने जापान में 19 सितंबर से 4 अक्टूबर तक आयोजित होने वाले 20वें एशियन गेम्स आइची-नागोया 2026 के लिए 20 सदस्यीय भारतीय महिला हॉकी टीम की घोषणा कर दी। हाल ही में न्यूजीलैंड में एफआईएच नेशंस कप का खिताब जीतने वाली टीम की कप्तान सलीमा टेटे एक बार फिर टीम की कमान संभालेंगी। टीम के मुख्य कोच सजॉर्ड मारिजन ने कहा, हमारे पास ऐसी टीम है जिसमें जूनियर, अनुभवी और वरिष्ठ खिलाड़ियों का शानदार संतुलन है। सभी खिलाड़ी एक-दूसरे से सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन करवाने के लिए लगातार मेहनत कर रहे हैं। हाल ही में पद्मश्री सम्मान से सम्मानित सविता और बिचू देवी खारीबाम को टीम में गोलकीपर के रूप में शामिल किया गया है। रक्षा पंक्ति में सुशीला चानू, इशिका चौधरी, ज्योति, ललथांतलुआंगी और शिल्पी डाबस को जगह मिली है। ललथांतलुआंगी और शिल्पी डाबस ने एफआईएच नेशंस कप में अपना सीनियर डेब्यू किया था और शानदार प्रदर्शन के बाद उन्हें एशियन गेम्स टीम में भी शामिल किया गया है। मिडफील्ड में कप्तान सलीमा टेटे के साथ निक्की प्रधान, साक्षी राणा, सुनेलिता टोप्पो, नेहा और दीपिका सोरेंग खेलती नजर आएंगी।

ऐतिहासिक लॉर्ड्स टेस्ट के पहले दिन मंधाना-हरमनप्रीत के अर्धशतक, भारत 285 रन पर ऑलआउट

एजेंसी

लंदन। महिला टेस्ट क्रिकेट के 142 साल के इतिहास में पहली बार लॉर्ड्स मैदान पर खेले जा रहे टेस्ट मैच के पहले दिन भारतीय टीम ने 285 रन बनाए। सलामी बल्लेबाज स्मृति मंधाना (83), कप्तान हरमनप्रीत कौर (58) और दीप्ति शर्मा (57) की अर्धशतकीय पारियों की बदौलत भारत सम्मानजनक स्कोर तक पहुंचा, हालांकि इंग्लैंड ने नियमित अंतराल पर विकेट लेकर मेहमान टीम को बड़ा स्कोर बनाने से रोक दिया। लॉर्ड्स में पहली बार महिला टेस्ट आयोजित होने के कारण यह मुकाबला ऐतिहासिक बन गया। मैच शुरू होने से पहले इंग्लैंड की कई पूर्व महिला क्रिकेटरों को सम्मानित किया गया और दोनों टीमों ने इस यादगार अवसर का हिस्सा बनने का गौरव हासिल किया।

टॉस जीतकर इंग्लैंड की कप्तान नेट साइवर-ब्रंट ने पहले गेंदबाजी का फैसला किया।

इंग्लैंड को शुरुआती सफलता लॉरेन फाइलर ने दिलाई, जिन्होंने शेफाली वर्मा को आउट कर लॉर्ड्स महिला टेस्ट इतिहास का पहला विकेट अपने नाम किया। इसके बाद लॉरेन बेल और अन्य गेंदबाजों ने भारतीय बल्लेबाजों पर

लगातार दबाव बनाए रखा।

स्मृति मंधाना ने शानदार बल्लेबाजी करते हुए 83 रन बनाए और भारत की पारी को संभाला। कप्तान हरमनप्रीत कौर ने 58 रन की अहम पारी खेली, जबकि दीप्ति शर्मा ने भी 57 रन जोड़कर टीम को मजबूत स्थिति में पहुंचाने का प्रयास किया।

हालांकि इंग्लैंड ने बीच-बीच में लगातार विकेट चटकाए। पदार्पण कर रहीं मैडी विलियर्स ने हरमनप्रीत कौर को बोल्ड कर भारत को बड़ा झटका दिया। इंग्लैंड की गेंदबाजी अनुशासित रही और भारतीय टीम अंततः 285 रन पर सिमट गई। दिन का खेल समाप्त होने तक इंग्लैंड ने अपनी पहली पारी में 1 विकेट पर 21 रन बना लिए थे।

टैमी ब्यूमोंट जल्दी आउट हो गईं, जबकि माया बाउशियर 17 रन बनाकर नाबाद रहीं। इंग्लैंड अभी भारत से 264 रन पीछे है।

संक्षिप्त स्कोर

भारतः 285 ऑलआउट

(स्मृति मंधाना 83, हरमनप्रीत कौर 58, दीप्ति शर्मा 57)

इंग्लैंडः 21/1

(माया बाउशियर 17*)

इंग्लैंड अभी भारत से 264 रन पीछे है।

ओरिएंटल कप 2026 : डीपीएस वसंत विहार और डीपीएस आर.के. पुरम की शानदार जीत

एजेंसी

नई दिल्ली। लगातार तीन दिनों तक बारिश से प्रभावित रहने के बाद ओरिएंटल कप 2026 के चौथे दिन आखिरकार खिली धूप ने युवा खिलाड़ियों का स्वागत किया। बेहतर मौसम और अनुकूल खेल परिस्थितियों के बीच बालक वर्ग के प्री-क्वार्टरफाइनल मुकाबलों में दिल्ली पब्लिक स्कूल, आर.के. पुरम, दिल्ली पब्लिक स्कूल, वसंत विहार, सेंट फ्रांसिस डी सेल्स सीनियर सेकेंडरी स्कूल, स्टेप बाय स्टेप स्कूल (नोएडा), मदर्स इंटरनेशनल स्कूल (दिल्ली), माउंट कार्मेल स्कूल (द्वारका) और जी.डी. गोयनका स्कूल (द्वारका) ने शानदार जीत दर्ज कर क्वार्टरफाइनल में अपनी जगह पक्की कर ली। दिन के पहले मुकाबले में दिल्ली पब्लिक स्कूल, आर.के. पुरम ने नेवी चिल्ड्रेन स्कूल को 3-1 से हराकर विजयी शुरुआत की। अभाव भारद्वाज ने शानदार हैट्रिक लगाते हुए 20वें, 31वें और 37वें मिनट में गोल किए। नेवी चिल्ड्रेन स्कूल के लिए यश बन्याल ने 35वें मिनट में एक गोल कर अंतर कम किया, लेकिन डीपीएस आर.के. पुरम ने मैच पर अपनी पकड़ बनाए रखते हुए आसान जीत हासिल की। दूसरे मुकाबले में दिल्ली पब्लिक स्कूल, वसंत विहार ने संस्कृति स्कूल को 5-0 से करारी शिकस्त दी। अभ्युदय सिंह ने छठे, 26वें और 39वें मिनट में गोल दागकर हैट्रिक पूरी की।

हैमस्ट्रिंग और घुटने की चोट के कारण क्रिकेट से चार सप्ताह के लिए दूर हुए मुस्तफिजुर रहमान

हरारे। बांग्लादेश के अनुभवी तेज गेंदबाज मुस्तफिजुर रहमान हैमस्ट्रिंग और घुटने की चोट के कारण अगले चार सप्ताह तक क्रिकेट नहीं खेल पाएंगे। इसके साथ ही वह जिम्बाब्वे दौरे के बाकी मुकाबलों से बाहर हो गए हैं। बांग्लादेश क्रिकेट बोर्ड (बीसीबी) के अनुसार जिम्बाब्वे के खिलाफ पहले वनडे के दौरान गेंदबाजी करते समय मुस्तफिजुर को दर्द महसूस हुआ था। मंगलवार को कराए गए स्कैन में उनके दाहिने हैमस्ट्रिंग में ग्रेड-1 मसल टियर और दाहिने घुटने के मेनिस्कस में डीजेनेरेशन की पुष्टि हुई। जिम्बाब्वे के खिलाफ पहले वनडे में मुस्तफिजुर ने छह ओवर में 19 रन दिए थे और बल्लेबाजी में नंबर-10 पर भी उतरे थे। हालांकि बांग्लादेश को उस मुकाबले में 25 रन से हार का सामना करना पड़ा। चोट के कारण वह दूसरा वनडे नहीं खेल सके, जहां उनकी जगह बाएं हाथ के तेज गेंदबाज शोरिफुल इस्लाम को टीम में शामिल किया गया।

मुरादाबाद को मिली प्रदेश स्तरीय क्रिकेट अंडर 17 व 19 बालिका वर्ग की मेजबानी

मुरादाबाद। उत्तर प्रदेश के जनपद मुरादाबाद में जीजी हिंदू इंटर कॉलेज में मंडलीय क्रीड़ा समिति की बैठक में सत्र 2026-27 में होने वाली खेल प्रतियोगिताओं के लिए बनाई गई कार्य योजना, जनपद मुरादाबाद को प्रदेश स्तरीय क्रिकेट अंडर 17 व 19 वर्ष बालिका वर्ग प्रतियोगिता तथा जनपद रामपुर को प्रदेश स्तरीय हॉकी अंडर 14, 17 व 19 वर्ष बालक/बालिका वर्ग प्रतियोगिता का दायित्व सौंपा गया। संचालन मंडलीय क्रीड़ा सचिव बंश बहादुर ने किया। बैठक में सर्वप्रथम मंडल स्तर पर आयोजित होने वाली खेल प्रतियोगिताओं को मंडल के विभिन्न जनपदों को आवंटित किया गया जिसमें जनपद मुरादाबाद में तैराकी, बॉक्सिंग, क्रिकेट 17 एवं 19 वर्ष बालिका, सुब्रतो फुटबॉल, थागता मार्शल आर्ट, कराटे व कुश्ती , जनपद अमरोहा में कबड्डी, क्रिकेट 14 वर्ष बालक, टेबल टेनिस ,बैडमिंटन, हैंडबॉल, योगासन, भारोत्तोलन तथा एथलेटिक्स, जनपद बिजनौर में खो-खो, बास्केटबॉल, शतरंज, ताइक्वांडो, शूटिंग , नेहरू हॉकी, कलारीपयट्टू तथा वुशु जनपद रामपुर में वॉलीबॉल, गतका, मलखंभ, हॉकी तथा फुटबॉल जबकि जनपद संभल में जूडो, जिमनास्टिक, क्रिकेट 17 वर्ष बालक , क्रिकेट 19 वर्ष बालक, कुराश, सेपक टाकरो तथा तीरंदाजी खेल को आयोजित कराए जाने का निर्णय लिया गया। खेलों के निष्पक्ष आयोजन तथा श्रेष्ठ खिलाड़ियों के चयन हेतु चयनकर्ता तथा पर्यवेक्षकों की नियुक्ति का निर्णय लिया गया।

पहली बार भारत में खेली जाएगी बिग बैश लीग, चेन्नई के चेपॉक स्टेडियम में बनेगा इतिहास

नई दिल्ली। ऑस्ट्रेलिया की प्रतिष्ठित बिग बैश लीग (बीबीएल) पहली बार भारत में कदम रखने जा रही है। दिसंबर में चेन्नई के एमए चिदंबरम स्टेडियम (चेपॉक) में बीबीएल का पहला अंतरराष्ट्रीय मुकाबला खेला जाएगा। यह टूर्नामेंट के इतिहास में पहली बार होगा, जब कोई मैच ऑस्ट्रेलिया के बाहर आयोजित किया जाएगा। कई महीनों से चल रही चर्चाओं के बाद मेलबर्न क्रिकेट ग्राउंड (एमसीजी) में आयोजित विशेष कार्यक्रम में इस ऐतिहासिक मुकाबले की आधिकारिक घोषणा की गई। इस अवसर पर ऑस्ट्रेलिया के प्रधानमंत्री एंथनी अल्बनीज़ और भारत के प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी भी मौजूद रहे। 12 दिसंबर को होने वाले इस मुकाबले में मेलबर्न रेनेगेड्स और पर्थ स्कॉर्चर्स की टीमें आमने-सामने होंगी। यह मैच 38 हजार दर्शकों की क्षमता वाले चेपॉक स्टेडियम में खेला जाएगा। लीग आयोजकों को उम्मीद है कि क्रिकेट प्रेमी चेन्नई में होने वाले इस ऐतिहासिक मुकाबले के लिए स्टेडियम को पूरी तरह भर देंगे।बीबीएल ने इस मुकाबले के लिए क्रिकेट कैलेंडर में भी खास समय चुना है। ऑस्ट्रेलिया में यह मैच शाम के समय खेला जाएगा, जबकि भारत में इसकी शुरुआत दोपहर में होगी। यह मुकाबला ऑस्ट्रेलिया और न्यूजीलैंड के बीच पर्थ में खेले जा रहे टेस्ट मैच के चौथे दिन का खेल समाप्त होने के तुरंत बाद शुरू होगा। दुनिया के सबसे बड़े क्रिकेट बाजार भारत में बीबीएल का यह पहला कदम माना जा रहा है ।

हैरी केन ने डोनाल्ड ट्रंप के साथ गोल्फ खेलने की पुष्टि की, बोले- यह एक अविस्मरणीय अनुभव था

एजेंसी

मियामी। इंग्लैंड फुटबॉल टीम के कप्तान हैरी केन ने पुष्टि की है कि उन्होंने करीब डेढ़ साल पहले अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के साथ गोल्फ खेला था। केन ने इस मुलाकात को अवास्तविक और यादगार अनुभव बताया और कहा कि ट्रंप का गोल्फ खेल भी काफी अच्छा है।

दरअसल, ट्रंप ने इस सप्ताह इंग्लैंड की मेक्सिको पर 3-2 की जीत के बाद खुलासा किया था कि वह पहले केन के साथ गोल्फ खेल चुके हैं और उन्होंने इंग्लिश कप्तान की फुटबॉल के साथ-साथ गोल्फ की भी तारीफ की थी। विश्व कप क्वार्टर फाइनल में नॉर्वे के खिलाफ मुकाबले से पहले मियामी में मीडिया से बातचीत में केन ने कहा, मैंने भी ठीक-ठाक गोल्फ खेला। जब मैं पाम बीच में था तो राष्ट्रपति ने मुझे गोल्फ खेलने के लिए आमंत्रित किया। जब अमेरिका का राष्ट्रपति आपको बुलाए, तो उसे ठुकराना आसान नहीं होता।

उन्होंने कहा, उनसे मिलना और उनके साथ गोल्फ खेलना एक बेहद अलग और अविस्मरणीय अनुभव था। सच कहूं तो उनका गोल्फ खेल काफी अच्छा है। उम्मीद करता हूं कि उनकी उम्र में मैं भी उतना अच्छा खेल सकूं। मैं उनका निमंत्रण पाकर बेहद आभारी हूं। मेक्सिको के खिलाफ इंग्लैंड की जीत के बाद ट्रंप ने अपने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म 'ट्रुथ सोशल' पर लिखा था, इंग्लैंड के हैरी केन महान खिलाड़ी हैं। इसके अगले दिन उन्होंने पत्रकारों से बातचीत में कहा, मैंने केन के साथ गोल्फ खेला है। वह शानदार खिलाड़ी हैं और बेहतरीन इंसान भी। उनका गोल्फ भी काफी अच्छा है।हैरी केन इस विश्व कप में शानदार फॉर्म में हैं। वह अब तक छह गोल कर चुके हैं और गोल्डन बूट की दौड़ में नॉर्वे के एरलिंग हालैंड से केवल एक गोल पीछे हैं। इंग्लैंड अब सेमीफाइनल में जगह बनाने के लिए नॉर्वे से भिड़ेगा।इस बीच, डोनाल्ड ट्रंप इस सप्ताह फीफा विश्व कप से जुड़ी एक और वजह से भी चर्चा में रहे। उन्होंने फीफा अध्यक्ष जियानी इन्फैन्टिनो से अमेरिका के स्ट्राइकर फोलारिन बालोगुन पर लगे निलंबन को लेकर बातचीत की थी। हालांकि फीफा ने बाद में स्पष्ट किया कि बालोगुन की सजा में बदलाव ट्रंप के हस्तक्षेप की वजह से नहीं किया गया था। बालोगुन बेल्जियम के खिलाफ प्री-क्वार्टर फाइनल में खेले, लेकिन अमेरिका को 4-1 से हार का सामना करना पड़ा।

राष्ट्रीय अंडर-18 वॉलीबॉल टीम में चयनित हुए कुशल सिंह 'तरंग', चीन में लहराएंगे अयोध्या का परचम

एजेंसी

अयोध्या। अयोध्या जिले के लिए गर्व की बात है कि हैरिंग्टनगंज ब्लॉक के ग्राम मलेथू खुर्द निवासी कुशल सिंह उर्फ 'तरंग', पुत्र शंभूनाथ सिंह, का भारतीय अंडर-18 राष्ट्रीय वॉलीबॉल टीम में चयन हुआ है। वह चीन में आयोजित अंतरराष्ट्रीय प्रतियोगिता (असम कप/यू-18 प्रतियोगिता) में भारत का प्रतिनिधित्व करने के लिए चीन रवाना हो गए हैं। कुशल सिंह का राष्ट्रीय टीम में चयन उनकी कड़ी मेहनत, अनुशासन और उत्कृष्ट खेल प्रतिभा का परिणाम है। हाल ही में राष्ट्रीय चयन प्रक्रिया के बाद उन्हें भारतीय टीम में स्थान मिला है, जिसके बाद क्षेत्र में खुशी और गर्व का माहौल है। भारतीय अंडर-18 टीम के लिए चयनित खिलाड़ियों की सूची में भी उनका नाम शामिल है। कुशल की इस उपलब्धि से न केवल उनके परिवार, बल्कि पूरे मलेथू खुर्द, हैरिंग्टनगंज, मिल्कीपुर तथा जनपद अयोध्या का नाम राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय स्तर पर गौरवान्वित हुआ है। उनके चीन रवाना होने की खबर मिलते ही क्षेत्रवासियों, खेल प्रेमियों और शुभचिंतकों ने उन्हें उज्ज्वल प्रदर्शन के लिए शुभकामनाएं दी हैं। पलिया लोहानी के ग्राम प्रधान अभिषेक भद्र सिंह का कहना है कि कुशल सिंह की सफलता ग्रामीण क्षेत्र के युवाओं के लिए प्रेरणास्रोत बनेगी और इससे अन्य खिलाड़ियों का भी खेलों के प्रति उत्साह बढ़ेगा। सभी को उम्मीद है कि वह चीन में शानदार प्रदर्शन कर देश और प्रदेश का नाम रोशन करेंगे।

हार के बाद भी संन्यास के मूड में नहीं जोकोविच, बोले- 'कम से कम एक बार और लौटना चाहता हूं'

एजेंसी

लंदन। विंबलडन 2026 के सेमीफाइनल में विश्व नंबर-1 इटली के जैनिक सिनर से सीधे सेटों में हारने के बावजूद सर्बियाई खिलाड़ी नोवाक जोकोविच ने संन्यास की अटकलों को खारिज कर दिया। 39 वर्षीय सर्बियाई स्टार ने स्पष्ट किया कि वह अभी भी टेनिस खेलना चाहते हैं और अगले साल विंबलडन में वापसी की उम्मीद रखते हैं। सात बार के विंबलडन चैंपियन जोकोविच को सेंटर कोर्ट से बाहर जाते समय दर्शकों ने खड़े होकर जोरदार तालियों से विदाई दी। इसके बाद जब उनसे पूछा गया कि क्या वह अगले साल 40 वर्ष की उम्र में विंबलडन के 150वें संस्करण में खेलेंगे, तो उन्होंने कहा, मैं लौटना चाहूंगा, कम से कम एक बार और। देखते हैं आगे क्या होता है। जोकोविच इस हार के साथ अपने रिकॉर्ड 25वें ग्रैंड स्लैम खिताब और 39वें ग्रैंड स्लैम फाइनल में पहुंचने का सपना पूरा नहीं कर सके। हालांकि उनका मानना है कि सेमीफाइनल तक का सफर यह साबित करता है कि वह अभी भी दुनिया के सर्वश्रेष्ठ खिलाड़ियों से मुकाबला करने में सक्षम हैं। उन्होंने कहा, बेशक मैं निराश हूं। मैं विंबलडन जीतना चाहता था और

यही वजह है कि मैं अब भी खुद को इतनी मेहनत करने के लिए प्रेरित करता हूं। लेकिन इस टूर्नामेंट में कोर्ट पर मेरा रवैया, संघर्ष करने का जज्बा और समर्पण सकारात्मक रहा। यह सब आज भी मेरे अंदर मौजूद है।अब जोकोविच की नजर यूएस ओपन 2026 पर होगी। उन्होंने अपना पिछला और अब तक का 24वां ग्रैंड स्लैम खिताब वर्ष 2023 में यूएस ओपन में ही जीता था।

भविष्य की योजनाओं पर उन्होंने कहा, मुझ पर खेलने का कोई दबाव नहीं है और न ही कोई मुझे खेलने के लिए मजबूर कर रहा है। मैं इसलिए खेलता हूं क्योंकि मैं खुद खेलना चाहता हूं और मुझे विश्वास है कि मैं अभी भी शीर्ष-10 या शीर्ष-5 स्तर का खिलाड़ी हूं। आगे भविष्य क्या लेकर आता है, यह देखेंगे।

डायमंड लीग 2026: सर्वेश कुशारे ने डेब्यू में जीता कांस्य, मोनाको में तीसरे स्थान पर रहे

एजेंसी

मोनाको। भारत के राष्ट्रीय रिकॉर्डधारी सर्वेश कुशारे ने डायमंड लीग में अपने पहले ही मुकाबले में शानदार प्रदर्शन करते हुए पुरुषों की हाई जंप स्पर्धा में तीसरा स्थान हासिल किया। मोनाको में आयोजित इस प्रतिष्ठित प्रतियोगिता में कुशारे ने 2.26 मीटर की सर्वश्रेष्ठ छलांग लगाकर पोडियम पर जगह बनाई।

इस स्पर्धा का स्वर्ण पदक यूक्रेन के ओलेह डोरोशचुक ने 2.32 मीटर की छलांग के साथ जीता, जबकि ग्रेट ब्रिटेन के किमानी जैक ने 2.30 मीटर के प्रयास के साथ रजत पदक अपने नाम किया। हालांकि सर्वेश अपने राष्ट्रीय रिकॉर्ड 2.31 मीटर की बराबरी नहीं कर सके। उन्होंने यह रिकॉर्ड हाल ही में भुवनेश्वर में आयोजित 65वीं राष्ट्रीय अंतरराज्यीय सीनियर एथलेटिक्स चैंपियनशिप में बनाया था। उस दौरान उन्होंने तेजस्विन शंकर के 2.29 मीटर के पुराने राष्ट्रीय रिकॉर्ड को तोड़ा था। डायमंड लीग से पहले

सर्वेश और किमानी जैक दोनों का इस सीजन का सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन 2.31 मीटर था, जो प्रतियोगिता में हिस्सा लेने वाले 10 खिलाड़ियों में संयुक्त रूप से सबसे बेहतर था।

इस प्रतियोगिता में टोक्यो ओलंपिक के संयुक्त स्वर्ण पदक विजेता इटली के जियानमार्को ताम्बेरी और कतर के मुताज बरशीम उम्मीद के मुताबिक प्रदर्शन नहीं कर सके। ताम्बेरी 2.23 मीटर की छलांग के साथ संयुक्त छठे स्थान पर रहे, जबकि बरशीम 2.20 मीटर के प्रयास के साथ संयुक्त आठवें स्थान पर रहे।सर्वेश कुशारे का यह प्रदर्शन भारतीय एथलेटिक्स के लिए बड़ी उपलब्धि माना जा रहा है और आने वाले अंतरराष्ट्रीय मुकाबलों से पहले उनके आत्मविश्वास को भी मजबूत करेगा।

भारत बनाम इंग्लैंड, 5वां टी20: टीम इंडिया के सामने क्लीन स्वीप से बचने की चुनौती

एजेंसी

साउथम्प्टन। भारत और इंग्लैंड के बीच पांच मैचों की टी20 अंतरराष्ट्रीय श्रृंखला का अंतिम मुकाबला साउथम्प्टन में खेला जाएगा। कप्तान श्रेयस अय्यर की अगुवाई वाली भारतीय टीम पहले ही सीरीज गंवा चुकी है और अब उसकी कोशिश 0-4 से क्लीन स्वीप होने की शर्मनाक स्थिति से बचने की होगी। बेलफास्ट से शुरू हुआ भारत का यह दौरा अब साउथम्प्टन पहुंच चुका है, लेकिन छह शहरों की यात्रा के बावजूद एक चीज नहीं बदली है– श्रेयस अय्यर अभी भी बतौर कप्तान अपनी पहली जीत का इंतजार कर रहे हैं। भारतीय पुरुष टीम के लिए यह 2006 में पहला टी20 अंतरराष्ट्रीय खेलने के बाद सबसे लंबा जीत का सूखा बन गया है।पूरी श्रृंखला में भारत का प्रदर्शन निराशाजनक रहा। मैनचेस्टर में टीम ने कुछ देर तक मुकाबला किया, लेकिन नॉटिंघम में केवल 76 रन पर सिमट गई। वहीं ब्रिस्टल में इंग्लैंड ने बल्लेबाजी, गेंदबाजी और फील्डिंग तीनों विभागों में भारत को पूरी तरह पछाड़ दिया। अगर भारत अंतिम मुकाबला जीत भी लेता है तो सीरीज नहीं बचा

पाएगा, लेकिन 1-3 की हार 0-4 के क्लीन स्वीप से कहीं बेहतर मानी जाएगी। भारतीय बल्लेबाजों के लिए सबसे बड़ी चुनौती जोफ्रा आर्चर और जॉश टंग की तेज गेंदबाजी रही है। वहीं सैम करन की धीमी और स्किड होने वाली गेंदों ने भी उन्हें लगातार परेशान किया। गेंदबाजी में भारत की मुश्किलें और बढ़ गई हैं क्योंकि वरुण चक्रवर्ती और हर्षित राणा हैमस्ट्रिंग चोट के कारण बाहर हो गए हैं। इसके अलावा दूसरे मैच में रवि बिश्नोई के एक ओवर में 29 रन खर्च करने के बाद टीम चयन भी कठिन हो गया है।बल्लेबाजी में भारत युवा वैभव सूर्यवंशी पर भरोसा बरकरार रख सकता है, हालांकि वह शॉर्ट गेंदों के खिलाफ संघर्ष करते दिखे हैं। संजू सैमसन का प्लेइंग इलेवन और जिम्बाब्वे दौरे दोनों से बाहर रहना चर्चा का विषय बना हुआ है। यदि उन्हें मौका दिया जाता है तो तिलक वर्मा को बाहर बैठना पड़ सकता है और शीर्ष क्रम में बदलाव करना होगा। दूसरी ओर इंग्लैंड ने हर विभाग में शानदार प्रदर्शन किया है। उसकी तेज गेंदबाजी ने भारतीय बल्लेबाजों को लगातार दबाव में रखा, जबकि विल जैक्स, आदिल राशिद और लियाम डॉसन ने अपनी विविधताओं से भारतीय बल्लेबाजी को बांधे रखा। बल्लेबाजी में फिल सॉल्ट, जोस बटलर, हैरी ब्रूक और जैकब बेथेल ने घरेलू परिस्थितियों का पूरा फायदा उठाया। अब श्रेयस अय्यर और टीम इंडिया के पास साउथम्प्टन में आखिरी मौका है कि वह सम्मान बचाते हुए जीत के साथ इस कठिन दौरे का समापन करे।

विंबलडन 2026: आर्थर फेरी को हराकर फाइनल में पहुंचे अलेक्जेंडर ज्वेरेव

एजेंसी

लंदन। फ्रांस ओपन 2026 का खिताब जीतने के बाद जर्मनी के स्टार टेनिस खिलाड़ी अलेक्जेंडर ज्वेरेव ने एक और ग्रैंड स्लैम फाइनल में जगह बना ली है। ज्वेरेव ने विंबलडन 2026 के पुरुष एकल सेमीफाइनल में ब्रिटेन के वाइल्ड कार्ड खिलाड़ी आर्थर फेरी को सीधे सेटों में 7-6 (7-0), 6-2, 6-4 से हराकर खिताबी मुकाबले का टिकट हासिल किया।

रोलां गैरो में पहला ग्रैंड स्लैम खिताब जीतने वाले ज्वेरेव अब पेशेवर युग (1968 के बाद) में ऐसा करने वाले पहले खिलाड़ी बनने की कोशिश करेंगे, जो अपना पहला ग्रैंड स्लैम जीतने के तुरंत बाद अगले ग्रैंड स्लैम का खिताब भी अपने नाम करे। दूसरी ओर, दुनिया के 114वें नंबर के खिलाड़ी आर्थर फेरी का यादगार अभियान यहीं समाप्त हो गया। ऑल इंग्लैंड क्लब से महज पांच मिनट की दूरी पर पले-बढ़े फेरी वर्ष 2001 में गोरान इवानिसेविच के बाद विंबलडन फाइनल में पहुंचने वाले पहले वाइल्ड कार्ड खिलाड़ी बनने से चूक गए।

अब होने वाले फाइनल में ज्वेरेव का सामना मौजूदा चैंपियन यानिक सिनर और सात बार के विंबलडन विजेता नोवाक जोकोविच के बीच होने वाले दूसरे सेमीफाइनल के विजेता से होगा। सिनर और जोकोविच की पिछली भिड़ंत ऑस्ट्रेलियन ओपन 2026 के सेमीफाइनल में हुई थी, जहां जोकोविच ने पांच सेटों के संघर्ष में जीत दर्ज की थी।लंदन में मुकाबले के दौरान मौसम गर्म रहा और तापमान लगभग 29 डिग्री सेल्सियस तक पहुंच गया। हल्की हवा और बादलों के बीच ज्वेरेव ने शानदार प्रदर्शन करते हुए फेरी को कोई बड़ा मौका नहीं दिया और आसानी से फाइनल में प्रवेश कर लिया।

फीफा विश्व कप: मेरिनो के आखिरी मिनट के गोल से स्पेन सेमीफाइनल में, बेल्जियम को 2-1 से हराया

एजेंसी

लॉस एंजिलिस। सुपर सब मिकेल मेरिनो ने लगातार दूसरे नॉकआउट मुकाबले में अंतिम क्षणों में गोल दागकर स्पेन को फीफा विश्व कप 2026 के सेमीफाइनल में पहुंचा दिया। स्पेन ने रोमांचक क्वार्टर फाइनल में बेल्जियम को 2-1 से हराया और अब उसका सामना सेमीफाइनल में फ्रांस से होगा। आर्सेनल के मिडफील्डर मेरिनो 86वें मिनट में मैदान पर उतरे और केवल दो मिनट बाद ही निर्णायक गोल कर स्पेन को जीत दिला दी। बेल्जियम के स्थानापन्न गोलकीपर सेन्ने लैमेंस ने पाउ क्यूबार्सी के शॉट को रोकने की कोशिश की, लेकिन गेंद सीधे मेरिनो के पास पहुंची और उन्होंने कोई गलती नहीं की।इससे पहले राउंड ऑफ-16 में भी मेरिनो ने पुर्तगाल के खिलाफ 91वें मिनट में विजयी गोल कर स्पेन को क्वार्टर फाइनल में

पहुंचाया था। मैच के बाद मेरिनो ने कहा, मेरे पास शब्द नहीं हैं। एक बार ऐसा होना ही अविश्वसनीय था, लेकिन लगातार दूसरी बार ऐसा होना और भी खास है। यह किस्मत नहीं, बल्कि तैयारी का नतीजा है। जब मैं मैदान पर उतरता हूं तो हमेशा टीम की मदद करने के लिए तैयार रहता हूं। मेरे साथी लगातार कह रहे थे कि मैं फिर गोल करूंगा। मैं हमेशा टीम के लिए योगदान देना चाहता हूं।उन्होंने आगे कहा, किसी बड़े टूर्नामेंट में स्पेन के लिए यह मेरा तीसरा मैच विजयी गोल है। पिछले यूरो कप के क्वार्टर फाइनल में भी मैंने जर्मनी के खिलाफ 119वें मिनट में गोल किया था। अभी विश्व कप जीतने के लिए हमारे पास दो और मैच हैं और उम्मीद है कि हम यह सपना पूरा करेंगे। अपने परिवार के साथ इन पलों को जीना मेरे लिए सौभाग्य की बात है। स्पेन के मुख्य कोच लुइस डी ला फुएंते ने मेरिनो की जमकर तारीफ करते हुए कहा, मिकेल अविश्वसनीय खिलाड़ी हैं। उनके पास कई शानदार गुण हैं और वह किसी भी पोजीशन पर खेल सकते हैं। जब भी हमें उनकी जरूरत होती है, वह हमेशा टीम के लिए खड़े रहते हैं। स्पेन ने पहला गोल फाबियान रुइज के जरिए किया था, लेकिन बेल्जियम के चार्ल्स डी केटेलारे ने हाफ टाइम से पहले बराबरी दिला दी।

दूसरे हाफ में बेल्जियम ने स्पेन के लगातार हमलों का मजबूती से सामना किया, लेकिन अंत में मेरिनो ने जीत दिला दी। अब स्पेन का सामना सेमीफाइनल में फ्रांस से होगा। दोनों टीमों की पिछली दो बड़ी भिड़ंतों में स्पेन ने जीत दर्ज की थी। इस मुकाबले पर कोच डी ला फुएंते ने कहा, दो शानदार टीमें आमने-सामने होंगी।

विंबलडन 2026: जैनिक सिनर ने नोवाक जोकोविच को हराकर फाइनल में बनाई जगह

एजेंसी

लंदन। विश्व नंबर-1 और मौजूदा चैंपियन इटली के जैनिक सिनर ने विंबलडन 2026 के सेमीफाइनल में सात बार के चैंपियन सर्बिया के नोवाक जोकोविच को लगातार दूसरे साल मात देते हुए शानदार अंदाज में फाइनल में प्रवेश कर लिया। सिनर ने शुक्रवार रात जोकोविच को 6-4, 6-4, 6-4 से हराकर खिताबी मुकाबले में अपनी जगह पक्की की, जहां उनका सामना रविवार को जर्मनी के अलेक्जेंडर ज्वेरेव से होगा। 39 वर्षीय जोकोविच पूरे मुकाबले में लय हासिल नहीं कर सके। मैच के बाद उन्होंने अपनी हार को पुरानी शैली की एकतरफा हार बताया और स्वीकार किया कि वह हर शॉट पर आधा कदम पीछे रह गए। सिनर ने पूरे मैच में शानदार सर्विस की। उन्होंने 16 ऐस लगाए, पहली सर्विस पर 88

प्रतिशत अंक जीते और दूसरी सर्विस पर भी 61 प्रतिशत अंक अपने नाम किए। उनकी सटीक सर्विस और आक्रामक खेल के सामने जोकोविच को कोई जवाब नहीं मिला। पूरे मुकाबले में जोकोविच को केवल एक ब्रेक प्वाइंट मिला और वह भी तीसरे सेट में। लेकिन सिनर ने उसे भी ऐस के साथ बचा लिया। इसके बाद एक दमदार स्मैश और फिर एक और ऐस लगाकर उन्होंने मैच पर पूरी तरह नियंत्रण बनाए रखा। हार के बावजूद जोकोविच ने कहा, मैं शारीरिक रूप से ठीक महसूस कर रहा था। टूर्नामेंट की शुरुआत जितना तरोताजा नहीं था, लेकिन फिट था। सिनर आज मुझसे कहीं बेहतर थे और पूरे मैच में हावी रहे। उन्हें जीत की बधाई देनी होगी। उन्होंने शानदार खेल दिखाया। अब सभी की निगाहें रविवार को होने वाले फाइनल पर होंगी, जहां जैनिक सिनर अपने विंबलडन खिताब का सफलतापूर्वक बचाव करने के इरादे से अलेक्जेंडर ज्वेरेव के खिलाफ उतरेंगे।

एशियन गेम्स 2026 के लिए भारतीय महिला हॉकी टीम घोषित, सलीमा टेटे को सौंपी गई कप्तानी

एजेंसी

नई दिल्ली। हॉकी इंडिया ने जापान में 19 सितंबर से 4 अक्टूबर तक आयोजित होने वाले 20वें एशियन गेम्स आइची-नागोया 2026 के लिए 20 सदस्यीय भारतीय महिला हॉकी टीम की घोषणा कर दी। हाल ही में न्यूजीलैंड में एफआईएच नेशंस कप का खिताब जीतने वाली टीम की कप्तान सलीमा टेटे एक बार फिर टीम की कमान संभालेंगी। टीम के मुख्य कोच सजॉर्ड मारिजन ने कहा, हमारे पास ऐसी टीम है जिसमें जूनियर, अनुभवी और वरिष्ठ खिलाड़ियों का शानदार संतुलन है। सभी खिलाड़ी एक-दूसरे से सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन करवाने के लिए लगातार मेहनत कर रहे हैं। हाल ही में पद्मश्री सम्मान से सम्मानित सविता और बिचू देवी खारीबाम को टीम में गोलकीपर के रूप में शामिल किया गया है। रक्षा पंक्ति में सुशीला चानू, इशिका चौधरी, ज्योति, ललथांतलुआंगी और शिल्पी डाबस को जगह मिली है। ललथांतलुआंगी और शिल्पी डाबस ने एफआईएच नेशंस कप में अपना सीनियर डेब्यू किया था और शानदार प्रदर्शन के बाद उन्हें एशियन गेम्स टीम में भी शामिल किया गया है। मिडफील्ड में कप्तान सलीमा टेटे के साथ निक्की प्रधान, साक्षी राणा, सुनेलिता टोप्पो, नेहा और दीपिका सोरेंग खेलती नजर आएंगी।

ऐतिहासिक लॉर्ड्स टेस्ट के पहले दिन मंधाना-हरमनप्रीत के अर्धशतक, भारत 285 रन पर ऑलआउट

एजेंसी

लंदन। महिला टेस्ट क्रिकेट के 142 साल के इतिहास में पहली बार लॉर्ड्स मैदान पर खेले जा रहे टेस्ट मैच के पहले दिन भारतीय टीम ने 285 रन बनाए। सलामी बल्लेबाज स्मृति मंधाना (83), कप्तान हरमनप्रीत कौर (58) और दीप्ति शर्मा (57) की अर्धशतकीय पारियों की बदौलत भारत सम्मानजनक स्कोर तक पहुंचा, हालांकि इंग्लैंड ने नियमित अंतराल पर विकेट लेकर मेहमान टीम को बड़ा स्कोर बनाने से रोक दिया। लॉर्ड्स में पहली बार महिला टेस्ट आयोजित होने के कारण यह मुकाबला ऐतिहासिक बन गया। मैच शुरू होने से पहले इंग्लैंड की कई पूर्व महिला क्रिकेटरों को सम्मानित किया गया और दोनों टीमों ने इस यादगार अवसर का हिस्सा बनने का गौरव हासिल किया।

टॉस जीतकर इंग्लैंड की कप्तान नेट साइवर-ब्रंट ने पहले गेंदबाजी का फैसला किया।

इंग्लैंड को शुरुआती सफलता लॉरेन फाइलर ने दिलाई, जिन्होंने शेफाली वर्मा को आउट कर लॉर्ड्स महिला टेस्ट इतिहास का पहला विकेट अपने नाम किया। इसके बाद लॉरेन बेल और अन्य गेंदबाजों ने भारतीय बल्लेबाजों पर

लगातार दबाव बनाए रखा।

स्मृति मंधाना ने शानदार बल्लेबाजी करते हुए 83 रन बनाए और भारत की पारी को संभाला। कप्तान हरमनप्रीत कौर ने 58 रन की अहम पारी खेली, जबकि दीप्ति शर्मा ने भी 57 रन जोड़कर टीम को मजबूत स्थिति में पहुंचाने का प्रयास किया।

हालांकि इंग्लैंड ने बीच-बीच में लगातार विकेट चटकाए। पदार्पण कर रहीं मैडी विलियर्स ने हरमनप्रीत कौर को बोल्ड कर भारत को बड़ा झटका दिया। इंग्लैंड की गेंदबाजी अनुशासित रही और भारतीय टीम अंततः 285 रन पर सिमट गई। दिन का खेल समाप्त होने तक इंग्लैंड ने अपनी पहली पारी में 1 विकेट पर 21 रन बना लिए थे।

टैमी ब्यूमोंट जल्दी आउट हो गईं, जबकि माया बाउशियर 17 रन बनाकर नाबाद रहीं। इंग्लैंड अभी भारत से 264 रन पीछे है।

संक्षिप्त स्कोर

भारतः 285 ऑलआउट

(स्मृति मंधाना 83, हरमनप्रीत कौर 58, दीप्ति शर्मा 57)

इंग्लैंडः 21/1

(माया बाउशियर 17*)

इंग्लैंड अभी भारत से 264 रन पीछे है।

पाकिस्तान के पीएम शहबाज़ शरीफ़ की ईरान के राष्ट्रपति से बातचीत, कहा-स्थायी शांति के लिए मध्यस्थ बनने को तैयार है पाकिस्तान

एजेंसी

इस्लामाबाद। पाकिस्तान के प्रधानमंत्री शहबाज़ शरीफ़ ने ईरान के नए राष्ट्रपति डॉ. मसूद पेज़ेश्कियान से फोन पर एक बेहद महत्वपूर्ण बातचीत की। इस बातचीत में उन्होंने बदलते वैश्विक व क्षेत्रीय घटनाक्रमों के बीच शांति कायम रखने के लिए संयम और कूटनीति की आवश्यकता पर विशेष बल दिया। पीएम शहबाज़ शरीफ़ ने देर रात सोशल मीडिया प्लेटफ़ॉर्म 'एक्स' (ट्विटर) पर पोस्ट साझा कर इस बातचीत की विस्तृत जानकारी दी। शहबाज़ शरीफ़ ने अपनी पोस्ट में लिखा, 'आज मैंने अपने भाई और ईरान के राष्ट्रपति डॉ. मसूद पेज़ेश्कियान से बात की। हमने बदलते हुए ताज़ा हालात पर विस्तार से चर्चा की और इस बात पर ज़ोर दिया कि हाल के महीनों में क्षेत्र में जो शांति स्थापित हुई है, उसे बचाने के लिए सभी पक्षों द्वारा संयम, आपसी बातचीत और कूटनीति का रास्ता अपनाना बेहद ज़रूरी है।' समाचार के अनुसार, वर्तमान में अमेरिका और ईरान के बीच तनाव को कम करने, शांति स्थापित कराने तथा संभावित युद्ध के संकट को पूरी तरह ख़त्म कराने के लिए पाकिस्तान मध्यस्थता की कोशिशों में जुटा हुआ है। इसी संदर्भ में शहबाज़ शरीफ़ ने बातचीत के दौरान दोहराया कि पाकिस्तान क्षेत्र में स्थायी और दीर्घकालिक शांति की बहाली के लिए एक ईमानदार व सच्चा मध्यस्थ (Mediator) बनने की भूमिका निभाने के लिए पूरी तरह तैयार है।

वेनेजुएला में भूकंप से मरने वालों की संख्या बढ़कर 4,118 हुई, बचाव अभियान जारी

एजेंसी

काराकास । वेनेजुएला में 24 जून को आए भूकंप में मरने वालों की संख्या बढ़कर 4,118 हो गई है, जबकि सबसे ज्यादा प्रभावित इलाकों में मलबा हटाने का काम जारी है। वेनेजुएला नेशनल असेंबली के प्रेसिडेंट जॉर्ज रोड्रिगेज के अपडेट में जारी आंकड़ों के मुताबिक, घायलों की संख्या 16,740 बनी हुई है। न्यूज एजेंसी सिन्हुआ के अनुसार, कुल 6,462 लोगों को बचाया गया है। अपडेट में कहा गया है कि 86,794 परिवारों को मदद मिली है, जबकि 17,266 लोग देश भर में 89 टेम्पररी कैंपों में रह रहे हैं। और 17,907 लोग बेघर हो गए हैं क्योंकि उनके घर खराब हो गए हैं या तबाह हो गए हैं। पूरे देश में 30,076 लोग, 29,843 स्वयंसेवक और 3,454 अंतरराष्ट्रीय बचाव दल तैनात हैं और बचाव अभियान जारी है। अपडेट में कहा गया है कि वेनेजुएला में दो भूकंपों के बाद से 1,171 झटके आ चुके हैं। इस बीच, वेनेजुएला की कार्यवाहक राष्ट्रपति डेल्सी रोड्रिगेज ने देश में हाल ही में आए भूकंप के पीड़ितों की मदद के लिए 28 देशों से मिली मानवीय मदद के लिए शुक्रिया अदा किया। उन्होंने यह टिप्पणी काराकास में एक राहत सामग्री संग्रह केंद्र का निरीक्षण करने के बाद की, जहां 24 जून को आए भूकंप के पीड़ितों के लिए बनाए गए अस्थायी राहत शिविरों में वितरण हेतु 21,907 टन से अधिक अंतरराष्ट्रीय सहायता सामग्री को छांटा और व्यवस्थित किया जा रहा है। रोड्रिगेज ने कहा, 'वेनेजुएला उन देशों, दुनिया के लोगों और दुनिया की सरकारों को धन्यवाद देते नहीं थकता, जिन्होंने मदद की पेशकश की है। प्रत्येक देश यह देख सकेगा कि उसकी सहायता का उपयोग कैसे किया जा रहा है, ताकि वेनेजुएला के लोगों को उस देश की मैत्रीपूर्ण मदद का एहसास हो।' रोड्रिगेज ने कहा, 'इस त्रासदी पर अंतरराष्ट्रीय प्रतिक्रिया के लिए धन्यवाद, वेनेजुएला जानता है कि यह अकेला नहीं है। सबसे जरूरी बात भविष्य की ओर देखना है, हम कैसे ठीक होंगे, हम प्रभावित इलाकों को कैसे फिर से बनाएंगे।'

पहले एक आधिकारिक रिपोर्ट में कहा गया था कि 17,345 लोग बेघर भी हुए हैं। अधिकारियों ने बेघर और प्रभावित लोगों की मदद के लिए कई अस्थायी कैंप भी बनाए हैं।

वेनेजुएला के कार्यवाहक राष्ट्रपति ने पिछले हफ्ते 24 जून को देश में आए जोरदार भूकंप के पीड़ितों को श्रद्धांजलि देने के लिए सात दिन के राष्ट्रीय शोक की घोषणा की।

रोड्रिगेज ने सोशल मीडिया पर पोस्ट किए गए एक बयान में लिखा, 'पीड़ितों की याद में, मैंने आज शाम 6:00 बजे से सात (7) दिनों के लिए राष्ट्रीय शोक घोषित करने का फैसला किया है।'

उन्होंने कहा कि 'बहुत दुख की इन घड़ियों में, हम उन लोगों को गले लगाते हैं जो इस दुखद घटना से पीड़ित हैं और उनके साथ रहने और उनकी रक्षा करने का अपना वादा दोहराते हैं।'

न्यूज़ीलैंड दिलदार देश, मेजर ध्यानचंद, रचिन, सोढ़ी और पटेल को मिला सम्मानः पीएम मोदी

एजेंसी

ऑकलैंड । प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने अपने न्यूजीलैंड दौरे के दौरान ऑकलैंड में भारतीय मूल के लोगों को संबोधित किया। अपने संबोधन में पीएम मोदी ने न्यूजीलैंड को ऐसा देश बताया, जहां दूसरे राष्ट्र से संबंधित प्रतिभाओं का भी सम्मान किया जाता है और उसे अवसर दिया जाता है। उन्होंने भारत और न्यूजीलैंड के बीच खेल के क्षेत्र में साझेदारी पर भी जोर दिया। पीएम मोदी ने न्यूजीलैंड और वहां के लोगों को दिलदार बताते हुए कहा कि यहां प्रतिभाओं का सम्मान किया जाता है। इस दौरान उन्होंने न्यूजीलैंड क्रिकेट टीम के लिए खेलने वाले भारतीय मूल के रचिन रवींद्र, ईश सोढ़ी, एजाज पटेल का नाम लिया। रवींद्र, सोढ़ी और पटेल फिलहाल न्यूजीलैंड क्रिकेट टीम में किसी-न-किसी फॉर्मेट का हिस्सा हैं। प्रधानमंत्री ने कहा कि 100 साल पहले हमारी हॉकी टीम न्यूजीलैंड खेलने आई थी। उस दौर पर मेजर ध्यानचंद के प्रदर्शन की हर तरफ चर्चा हुई थी। उनकी हॉकी ने न्यूजीलैंड के लोगों का दिल जीत लिया था।पीएम ने खेल के क्षेत्र में भारत और न्यूजीलैंड के बीच साझेदारी की असीम संभावना जताते हुए कहा कि दोनों देश खेल के क्षेत्र में एक साथ काम कर सकते हैं। उन्होंने कहा, 'मुझे अभी पता चला है कि ऑल ब्लैक्स (न्यूजीलैंड की राष्ट्रीय रग्बी टीम का नाम) ने रग्बी के मैच में शानदार जीत दर्ज की है। भारत भी न्यूजीलैंड से रग्बी सीखना चाहता है। भारत को रग्बी में आगे आने के लिए विशेषज्ञ चाहिए, कोच चाहिए। न्यूजीलैंड इसमें हमारी मदद कर सकता है। हाल ही में भुवनेश्वर में न्यूजीलैंड रग्बी और भारत रग्बी के कोचिंग प्रोग्राम को मैं एक अच्छी शुरुआत मानता हूं।'

प्रधानमंत्री ने कहा, 'यहां आने से पहले मैं न्यूजीलैंड के एक स्पोर्ट्स स्टार्टअप इवेंट में गया था। वहां इनोवेशन और नए विचारों ने मुझे प्रभावित किया।'

फ़िलिपींस में बावी तूफ़ान का हाहाकार, भूस्खलन में 15 लोगों की मौत, ताइवान, जापान और चीन में हाई अलर्ट

मनीला/ताइपे। दक्षिणी फ़िलिपींस में दशकों के सबसे शक्तिशाली और विनाशकारी चक्रवाती तूफ़ानों में से एक 'बावी' (Bavi) ने भीषण तबाही मचाई है। तूफ़ान के प्रभाव के कारण हुए भीषण भूस्खलन (Landslide) की चपेट में आने से अब तक कम से कम 15 लोगों की मौत हो चुकी है। इस चक्रवात के विकराल रूप को देखते हुए पूर्वी एशिया के कई देशों में हाई अलर्ट जारी कर दिया गया है। यह महातूफ़ान क़रीब 1,000 किलोमीटर (620 मील) से अधिक के विशाल क्षेत्र में फैला हुआ है, जिसका आकार लगभग फ़्रांस के बराबर बताया जा रहा है। वर्तमान में यह प्रशांत महासागर से होते हुए ताइवान की ओर तेज़ी से आगे बढ़ रहा है। तूफ़ान के चलते फ़िलिपींस के मिंडानाओ द्वीप पर मूसलाधार बारिश का दौर जारी है। भारी बारिश के कारण हुए भूस्खलन की वजह से कई परिवार मलबे की चपेट में आ गए हैं। आपदा प्रबंधन और बचाव दल (Rescue Teams) की टीमें मौके पर मुस्तैदी से जुटी हुई हैं और मलबे में लापता हुए लोगों को सुरक्षित बाहर निकालने के लिए लगातार रेस्क्यू ऑपरेशन चलाया जा रहा है।

ब्रिटेन से सनसनीखेज खबर : पूर्व ब्रिटिश सांसद एन विडिकॉम्ब की संदिग्ध परिस्थितियों में हत्या

लंदन/डेवोन। ब्रिटेन की जानी-मानी राजनीतिज्ञ और पूर्व सांसद 78 वर्षीय एन विडिकॉम्ब (Ann Widdecombe) की उनके घर में संदिग्ध परिस्थितियों में हत्या किए जाने का एक बेहद चौंकाने वाला मामला सामने आया है। डेवोन के डार्टमूर स्थित उनके आवास पर विडिकॉम्ब का शव गंभीर चोटों के साथ बरामद हुआ, जिसके बाद समूचे ब्रिटिश राजनीतिक हलके में शोक और आक्रोश की लहर दौड़ गई है। पुलिस ने इस मामले में त्वरित कार्रवाई करते हुए 26 वर्षीय एक ब्रिटिश नागरिक को हत्या के संदेह में गिरफ्तार कर लिया है। डेवोन और कॉर्नवाल पुलिस के अनुसार, एम्बुलेंस सेवा को गुरुवार सुबह करीब 11:40 बजे डेवोन के हेयटोर स्थित उनके घर 'विडिकॉम्ब्स रेस्ट' में उनका शव मिला। शुरुआती जांच के बाद पुलिस ने पास के ही न्यूटन एबट इलाके से एक संदिग्ध युवक को दबोच लिया, जिससे फिलहाल हिरासत में पूछताछ की जा रही है। एक्सेटर में आयोजित एक प्रेस कॉन्फ्रेंस में असिस्टेंट चीफ कांस्टेबल मैट लॉन्गमैन ने स्पष्ट किया कि शुरुआती जांच और आतंकवाद विरोधी अधिकारियों (Counter-Terrorism Officers) के साथ विमर्श के बाद इस हमले में किसी भी प्रकार के आतंकवादी या राजनीतिक मकसद को खारिज कर दिया गया है।

गाजा संघर्ष विराम लागू कराने के लिए लेबनान जाएगा अमेरिकी सैन्य दल

वॉशिंगटन/बेरूत। इज़राइल और हिज़्बुल्लाह के बीच संघर्ष विराम समझौते को लागू करने की दिशा में अमेरिका सक्रिय भूमिका निभा सकता है। मीडिया रिपोर्टों के अनुसार, अमेरिकी सैन्य सेंट्रल कमांड (सेंटकॉम) का एक प्रतिनिधिमंडल आने वाले दिनों में लेबनान की राजधानी बेरूत का दौरा कर सकता है। तुर्किए की सरकारी समाचार अनाडोलू ने अपनी रिपोर्ट में बताया कि दो वरिष्ठ लेबनानी अधिकारियों के हवाले से कहा गया है कि यह यात्रा अगले सप्ताह रोम में लेबनान और इज़राइल के बीच प्रस्तावित तकनीकी वार्ता से पहले हो सकती है। बताया गया है कि वार्ता का मुख्य उद्देश्य 26 जून को हुए अमेरिका समर्थित फ़्रेमवर्क समझौते को लागू करना होगा, जिसके तहत लेबनानी क्षेत्र से इज़राइली सेना की चरणबद्ध वापसी का प्रावधान है। अमेरिकी विदेश विभाग (स्टेट डिपार्टमेंट) के एक प्रवक्ता ने पुष्टि की कि सेंटकॉम तकनीकी और लॉजिस्टिक स्तर पर दोनों पक्षों के साथ करीबी समन्वय बनाए हुए है।

ईरान पर निशाना साधने के लिए 1,000 मिसाइलें तैनात, हत्या की धमकी मिलने के बाद राष्ट्रपति ट्रंप ने दी चेतावनी

एजेंसी

वाशिंगटन । अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने शनिवार को ईरान को नई चेतावनी देते हुए दावा किया कि अगर तेहरान ने उन्हें जान से मारने की धमकी दी तो देश को निशाना बनाने के लिए हजारों मिसाइलें तैयार हैं। सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म ट्रूथ सोशल पर एक पोस्ट में राष्ट्रपति ट्रंप ने कहा कि अगर उनके खिलाफ कोई कोशिश की गई तो अमेरिकी सेना बड़े पैमाने पर जवाब देने के लिए तैयार है। राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने लिखा, 'अगर ईरान की सरकार दुनिया के कई हिस्सों में दी गई अपनी उस धमकी पर अमल करती है, जिसमें अमेरिका के मौजूदा राष्ट्रपति यानी मेरी हत्या या हत्या की कोशिश करने की बात कही गई है, तो ईरान पर निशाना साधने के लिए 1,000 मिसाइलें पूरी तरह तैयार और तैनात हैं। इसके तुरंत बाद हजारों और मिसाइलें भी दागी जाएंगी।' उन्होंने आगे लंबे सैन्य अभियान की चेतावनी देते हुए कहा, 'आदेश पहले ही जारी किए जा चुके हैं और अमेरिकी सेना पूरी तरह तैयार, इच्छुक और सक्षम है। जरूरत पड़ने पर एक वर्ष तक और आवश्यकता

होने पर उससे भी अधिक समय तक, ईरान के सभी क्षेत्रों को पूरी तरह तबाह और नष्ट करने के लिए सैन्य कार्रवाई की जाएगी।' राष्ट्रपति ट्रंप का यह बयान ईरान के सर्वोच्च नेता अयातुल्लाह अली खामेनेई के अंतिम संस्कार के दौरान अमेरिका विरोधी नारे लगाए जाने और शोक समारोह के दौरान अमेरिकी राष्ट्रपति की हत्या की अपील किए जाने के बाद आया।

ऐसे ही एक जुलूस के दौरान, शोक मनाने वाले लोग एक पुल के नीचे से गुजरे, जिस पर एक बिलबोर्ड लगा था जिसमें राष्ट्रपति ट्रंप की तस्वीर थी और उनके सिर पर गोली लगी हुई थी। इन धमकियों की वजह से अमेरिका और ईरान के बीच तनाव और बढ़ गया। इसके साथ ही सुरक्षा और इलाके की स्थिरता को लेकर नई चिंताओं के बीच दोनों तरफ से कड़े बयान दिए जा रहे हैं। इस बीच द वॉल स्ट्रीट जर्नल ने बताया कि राष्ट्रपति ट्रंप की हत्या की ईरान की संभावित साजिश के बारे में इजरायल से मिली इंटेलिजेंस की अमेरिकी अधिकारी जांच कर रहे हैं। इस चेतावनी की वजह से ही उन्हें तुर्किए से लौटने के दौरान एक पुराने और बेहतर सुरक्षा वाले एयरफोर्स वन में ले जाने का फैसला किया गया।

भारत का कथक और न्यूजीलैंड के 'हाका' की अद्भुत प्रस्तुति ने मोहा मन

एजेंसी

ऑकलैंड । प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के सम्मान में आयोजित विशेष कार्यक्रम में न्यूजीलैंड के पारंपरिक हाका नृत्य और भारत के शास्त्रीय कथक नृत्य की प्रस्तुति ने मन मोह लिया। गाला लंच के दौरान अलग-अलग संस्कृतियों की ये भाव भंगिमा पूर्ण अभिव्यक्ति देखने को मिली। न्यूजीलैंड की मूल जनजाति माओरी का पारंपरिक 'हाका' नृत्य अपनी ऊर्जा, शक्ति और जोशपूर्ण प्रस्तुति के लिए प्रसिद्ध है, जबकि भारतीय शास्त्रीय नृत्य कथक ने अपनी लय, भाव-भंगिमा और सौंदर्य से इस सांस्कृतिक कार्यक्रम को और भी विशेष बना दिया। दो अलग-अलग संस्कृतियों की यह खूबसूरत प्रस्तुति एकता, आपसी सम्मान और मजबूत भारत-न्यूजीलैंड संबंधों का प्रतीक बनी। दोनों देशों की सांस्कृतिक विरासत का यह संगम दर्शकों के लिए यादगार अनुभव रहा। पीएम मोदी का ऑकलैंड के गवर्नमेंट हाउस में पारंपरिक माओरी रीति-रिवाजों के साथ औपचारिक स्वागत किया गया। इस खास मौके पर उन्हें 'गार्ड ऑफ ऑनर' भी दिया गया। यह भव्य स्वागत भारत और न्यूजीलैंड के मजबूत होते द्विपक्षीय संबंधों, आपसी सम्मान और गहरी दोस्ती की एक खूबसूरत झलक है। इस दौरान माऊरी संस्कृति के शक्तिशाली नृत्य पोविरी से स्वागत किया गया।

पोविरी की प्रक्रिया कई चरणों में बंटी होती है। इसमें से एक में माओरी योद्धा पारंपरिक हथियारों के साथ मेहमान के सामने आते हैं और जमीन पर एक टोकन रखते हैं। अगर मेहमान उसे उठा लेता है, तो इसका मतलब होता है कि वह शांति का संदेश लेकर आया है। पीएम मोदी के सामने भी जब यह चुनौती रखी गई, तो उन्होंने पूरे सम्मान के साथ इसे

स्वीकार किया।

वहीं, भारतीय समुदाय की ओर से आयोजित 'किया ओरा मोदी' इवेंट भी माओरी भाषा से लिया गया। जिसके कई सकारात्मक अर्थ हैं। इनमें से एक अर्थ पीएम मोदी आपका स्वागत है। अब यह न्यूजीलैंड की इंग्लिश का भी एक अहम हिस्सा बन चुका है। आसान भाषा में कहें तो इसका इस्तेमाल 'हेलो', 'हाय' या 'बाय' की तरह किया जाता। प्रधानमंत्री मोदी ने भी भारतीय समुदाय को संबोधित करते हुए किआ ओरा कहा। पीएम मोदी के मुंह से यह शब्द सुनते ही पूरा सभागार तालियों से गूंज उठा।

अमेरिका ने ईरान को होर्मुज जलडमरूमध्य खोलने की समय-सीमा दी, ओमान वार्ता पर टिकी निगाहें

एजेंसी

वॉशिंगटन/तेहरान। अमेरिका ने ईरान से रणनीतिक रूप से महत्वपूर्ण होर्मुज जलडमरूमध्य को पूरी तरह जहाजों की आवाजाही के लिए खोलने और इस मार्ग से गुजरने वाले वाणिज्यिक जहाजों पर किसी भी तरह का हमला न करने की सार्वजनिक घोषणा करने की मांग की है। अमेरिकी अधिकारियों के अनुसार, वाशिंगटन को उम्मीद है कि शनिवार को ओमान में होने वाली वार्ता के बाद तेहरान इस संबंध में सकारात्मक रुख अपनाएगा। मीडिया रिपोर्टों के मुताबिक, अमेरिका चाहता है कि ईरान स्पष्ट रूप से घोषणा करे कि होर्मुज जलडमरूमध्य के सभी नौवहन मार्ग खुले रहेंगे और वहां से गुजरने वाले जहाजों से किसी प्रकार का टोल नहीं लिया जाएगा। यह जलमार्ग वैश्विक ऊर्जा आपूर्ति के लिए बेहद महत्वपूर्ण माना जाता है, क्योंकि दुनिया के लगभग एक-चौथाई समुद्री तेल और एलएनजी (एलएनजी) व्यापार का परिवहन इसी रास्ते से होता है। तनाव की जड़ 17 जून को हस्ताक्षरित एक समझौता ज्ञापन की अलग-अलग व्याख्याओं को लेकर उत्पन्न हुई है।

अमेरिका और ईरान के बीच विवाद उस समय और बढ़ गया जब अमेरिका तथा खाड़ी देशों ने तीन वाणिज्यिक जहाजों पर हुए हमलों के लिए ईरान को जिम्मेदार ठहराया। इसके बाद दोनों देशों ने एक-दूसरे पर जवाबी हमले किए। एक अन्य रिपोर्ट के अनुसार, एक अमेरिकी अधिकारी ने कहा, हमें उम्मीद है कि ईरान घोषणा करेगा कि होर्मुज जलडमरूमध्य के सभी चैनल खुले रहेंगे और वहां से गुजरने वाले जहाजों पर कोई टोल नहीं लगाया जाएगा। अमेरिकी अधिकारियों का कहना है कि यदि ओमान में होने वाली वार्ता के बाद ईरान अपेक्षित रुख नहीं अपनाता है, तो उसके गंभीर परिणाम हो सकते हैं। एक अधिकारी ने चेतावनी देते हुए कहा, अगर उनका रुख ऐसा नहीं होता, तो यह उनके लिए अच्छा दिन नहीं होगा। इस बीच, अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म ट्रूथ सोशल पर कहा कि वार्ता जारी रहेगी, लेकिन साथ ही उन्होंने चेतावनी दी कि युद्धविराम खत्म हो गया है। वहीं, ईरान के विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता इस्माइल बघाई ने ट्रंप के उस दावे का खंडन किया जिसमें कहा गया था कि तेहरान ने नए दौर की वार्ता का अनुरोध किया है। उन्होंने स्पष्ट किया कि यदि अमेरिका युद्धविराम का उल्लंघन करता है, तो ईरान उसका जवाबी कार्रवाई के जरिए जवाब देगा। ईरानी मीडिया के अनुसार, विदेश मंत्री अब्बास अरागची शनिवार को ओमान में क्षेत्रीय मध्यस्थों से मुलाकात करेंगे। वहीं, ईरानी संसद के अध्यक्ष मोहम्मद बाघेर घालीबाफ ने कहा कि तेहरान अभी भी अमेरिका पर भरोसा नहीं करता और ईरानी राष्ट्र कभी भी दबाव या दमन के आगे नहीं झुकेगा। गौरतलब है कि, 28 फरवरी को अमेरिका-इजरायल के हमले के बाद ईरान ने अधिकांश जहाजों के लिए होर्मुज जलडमरूमध्य पर प्रतिबंध लगा दिया था। इसके बाद से तेहरान सभी जहाजों को उसके निर्देशों का पालन करने और निर्धारित समुद्री मार्गों का उपयोग करने के लिए कहता रहा है। बीते 17 जून के समझौता ज्ञापन के तहत ईरान ने 60 दिनों तक वाणिज्यिक जहाजों की सुरक्षित आवाजाही सुनिश्चित करने के लिए अपनी ओर से हरसंभव प्रयास करने तथा भविष्य में होर्मुज जलडमरूमध्य के प्रशासन को लेकर ओमान के साथ आगे की बातचीत जारी रखने पर सहमति जताई थी।

ट्रंप की हत्या की कथित साजिश पर अमेरिका अलर्ट, पुराने एयर फोर्स वन से कराई गई यात्रा

एजेंसी

वाशिंगटन । द वॉल स्ट्रीट जर्नल ने अपनी रिपोर्ट में कहा कि अमेरिकी अधिकारी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप की हत्या की ईरान की संभावित साजिश से जुड़ी इजरायल द्वारा साझा की गई खुफिया जानकारी की जांच कर रहे हैं। इसी सुरक्षा चेतावनी के चलते तुर्किए से लौटते समय ट्रंप को यात्रा के एक हिस्से में अधिक सुरक्षित माने जाने वाले पुराने एयर फोर्स वन विमान से ले जाने का फैसला किया गया। अखबार के अनुसार, खुफिया जानकारी में संकेत मिले हैं कि ईरान ट्रंप को मारने का नया प्लान बना रहा है। हालांकि, कुछ अमेरिकी अधिकारियों ने इस जानकारी की विश्वसनीयता पर सवाल उठाए हैं। अमेरिकी समाचार चैनल सीएनएन ने अपनी रिपोर्ट में कहा कि खुफिया जानकारी में तेहरान के कट्टरपंथी हलकों में ट्रंप की हत्या को लेकर सामान्य चर्चा का उल्लेख था, न कि किसी विशिष्ट साजिश का। यह चेतावनी तब आई जब राष्ट्रपति ट्रंप ने होर्मुज स्ट्रेट में जहाजों पर ईरानी हमलों के बाद ईरान पर अमेरिका के नए हमले का आदेश दिया। इससे यह आशंका बढ़ गई है कि तेहरान पश्चिम एशिया में अमेरिका और उसके सहयोगियों के खिलाफ जवाबी कार्रवाई कर सकता है। राष्ट्रपति ट्रंप कतर द्वारा डोनेट किए गए और अमेरिकी एयर फोर्स द्वारा मॉडिफाइड बोइंग 747 में सवार होकर अंकारा में नाटो समिट में गए थे।

उन्होंने अपनी वापसी यात्रा के कुछ हिस्से के लिए पुराने एयर फोर्स वन में स्विच किया, ब्रिटेन के लिए उड़ान भरी और फिर वाशिंगटन के लिए नए एयरक्राफ्ट में सवार हुए। वॉल स्ट्रीट जर्नल ने कहा कि यह फैसला इस चिंता को दिखाता है कि डोनेट किए गए एयरक्राफ्ट में कुछ डिफेंसिव कैपेबिलिटी की कमी थी, जो बढ़ते खतरे के माहौल में सुरक्षा के दृष्टिकोण से जरूरी थी।

'पहले से अधिक जोरदार पलटवार करेंगे': होर्मुज हमलों को लेकर जेडी वेंस ने ईरान को दी चेतावनी

एजेंसी

वाशिंगटन । अमेरिका के उपराष्ट्रपति जेडी वेंस ने आरोप लगाया है कि ईरान ने कमर्शियल जहाजों पर हमले फिर से शुरू करके अमेरिका के साथ हालिया समझौते का उल्लंघन किया है। उन्होंने चेतावनी दी है कि होर्मुज स्ट्रेट से समुद्री यातायात में बाधा डालने की कोई भी और कोशिश अमेरिका की ओर से और भी कड़े सैन्य जवाब को न्योता देगी। जेडी वेंस ने विस्कॉन्सिन के मिलवॉकी में एक कार्यक्रम को संबोधित करते हुए कहा कि ट्रंप प्रशासन हाल की दुश्मनी के बाद तेहरान के साथ एक समझौते पर पहुंच गया था, लेकिन ईरान ने उसका पालन नहीं किया। वेंस ने कहा, 'हमने ईरानियों के साथ एक समझौता किया था। यह समझौता उस समय हुआ जब अमेरिका अधिकतम दबाव और अधिकतम ताकत की स्थिति में था।' वेंस ने राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप और अमेरिकी सेना की प्रशंसा

करते हुए कहा कि उनकी वजह से ईरान की सैन्य क्षमता काफी कमजोर हो गई। उन्होंने कहा, 'हमारी शानदार अमेरिकी सेना और राष्ट्रपति की कोशिशों की वजह से हम इस स्थिति में अधिकतम ताकत के साथ पहुंचे। ईरान का परमाणु कार्यक्रम नष्ट हो गया, उसकी पारंपरिक सैन्य क्षमता भी खत्म हो गई। अब ईरान के कुछ लोग कह रहे हैं कि वे अमेरिका के साथ अपने संबंध बदलना चाहते हैं और नई शुरुआत करना चाहते हैं।'

उपराष्ट्रपति के अनुसार, दोनों देशों के बीच हुए समझौते का मुख्य आधार हॉर्मुज स्ट्रेट में जहाजों की आवाजाही की स्वतंत्रता सुनिश्चित करना था, जो दुनिया के सबसे महत्वपूर्ण तेल परिवहन मार्गों में से एक है। उन्होंने कहा, 'हमारी बुनियादी शर्त यह थी कि अगर आप जहाजों पर गोलीबारी बंद करेंगे तो हम अपनी नाकाबंदी हटाएंगे। लेकिन अगर आप जहाजों पर हमला करेंगे, तो हम पहले से भी अधिक ताकत से जवाब देंगे।' वेंस ने दावा किया कि ईरान ने शुरू में इस समझौते का पालन किया था। उपराष्ट्रपति बोले, 'उन्होंने (ईरान) कहा था कि वे जहाज़ों पर गोली चलाना बंद कर देंगे। 24 घंटे पहले उन्होंने फिर से जहाजों पर गोली चलाना शुरू कर दिया। लगभग एक सप्ताह तक उनका बर्ताव अच्छा था, लेकिन फिर उन्होंने जहाजों पर गोली चलाना शुरू कर दिया।' जेडी वेंस ने चेतावनी दी कि अगर हमले जारी रहे तो अमेरिका सैन्य तरीके से जवाब देना जारी रखेगा। वेंस ने कहा, 'समझौता बहुत सीधा है। अगर वे जहाजों पर हमला करेंगे, तो हम उन्हें करारा जवाब देंगे।

पीएम मोदी के नेतृत्व में भारत की वैश्विक भूमिका अहम, हिंद-प्रशांत साझेदार के तौर पर उभर रहाः क्रिस्टोफर लक्सन

एजेंसी

ऑकलैंड । भारत के बढ़ते वैश्विक कद पर जोर देते हुए न्यूजीलैंड के प्रधानमंत्री क्रिस्टोफर लक्सन ने शनिवार को कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में देश दुनिया की सबसे तेजी से बढ़ती अर्थव्यवस्था में से एक, एक बड़ी भू-राजनीतिक ताकत और एक अहम हिंद-प्रशांत साझेदार के तौर पर उभरा है। ऑकलैंड में पीएम मोदी के लिए आयोजित शानदार लंच में लक्सन ने कहा, 'यहां हर कोई समझता है कि एक मजबूत साझेदारी बनाने के लिए क्या करना पड़ता है और उन्हें भरोसे की जरूरत होती है। इसके लिए प्रतिबद्धता, भरोसेमंद होना, फॉलो-थ्रू और साझा मूल्य बनाना जरूरी है। यह बात उतनी ही सच है, चाहे वह बिजनेस हो या डिप्लोमेसी।' उन्होंने आगे कहा, 'प्रधानमंत्री मोदी आपके नेतृत्व में भारत दुनिया की सबसे तेजी से और सबसे ज्यादा बढ़ने वाली अर्थव्यवस्था में से एक बन गया है। भारत मौजूदा भू-राजनीतिक परिदृश्य में अहम देश और हिंद-प्रशांत का साझेदार है, जो अपने स्केल, इनोवेशन, एम्बिशन और अपने रणनीतिक प्रभाव के लिए जाना जाता है। 'पीएम लक्सन ने कहा कि न्यूजीलैंड एक खुली, भरोसेमंद, इनोवेटिव और ग्लोबली कनेक्टेड जगह है। यह देश खाद्य उत्पादन, शिक्षा, तकनीकी, पर्यटन, स्थिरता में विशेषज्ञता देता है और इसका व्यावहारिक सहयोग और भरोसेमंद साझेदारी का मजबूत रिकॉर्ड है।उन्होंने कहा, 'हम सब मिलकर नौकरियों के सृजन में मदद कर सकते हैं, हम व्यापार बढ़ा सकते हैं, निवेश ला सकते हैं और भारत और न्यूजीलैंड दोनों में नए मौके बना सकते हैं और इन सबका मकसद हमारे लोगों की खुशहाली और सुरक्षा बढ़ाना है।' भारत और न्यूजीलैंड अपने संबंधों को रणनीतिक साझेदारी तक बढ़ाने पर सहमत हुए। प्रधानमंत्री लक्सन ने इसे एक बड़ा कदम बताया और कहा कि यह तेजी से अनिश्चित होते वैश्विक माहौल के बीच कई क्षेत्र में सहयोग बढ़ाने के लिए एक मजबूत नींव देगा।

न्यूजीलैंड के पीएम ने कहा, 'एक ऐसी दुनिया में जो तेजी से अस्थिर और अनिश्चित होती जा रही है, मजबूत साझेदारी पहले से कहीं ज्यादा जरूरी हैं। यह खुशहाली, सुरक्षा और लोगों के बीच संबंधों में व्यवहारिक सहयोग के लिए एक मजबूत प्लेटफॉर्म देता है।'

मध्य पूर्व संकटः ईरानी विदेश मंत्री अराघची पहुंचे ओमान

एजेंसी

मस्कट/तेहरान । अमेरिका के साथ बढ़ती तल्खी और हवाई हमलों के बीच ईरान के विदेश मंत्री अब्बास अराघची वार्ता के लिए ओमान की राजधानी मस्कट पहुंच गए हैं। वहीं, ईरान की राजधानी तेहरान के पूर्वी हिस्से में जोरदार धमाके की खबर है। ईरानी सरकारी मीडिया के मुताबिक, पाकदश्त और कियामदश्त इलाके के लोगों ने विस्फोट की आवाज सुनने की जानकारी दी है। धमाके की वजह और सटीक जगह की पुष्टि नहीं हो सकी है। इस घटना पर कोई आधिकारिक बयान जारी नहीं किया गया है। ईरानी समाचार एजेंसी मुताबिक, मस्कट एयरपोर्ट पर ओमान के अधिकारियों ने उनका स्वागत किया। रिपोर्ट के अनुसार, अराघची की यात्रा का मकसद अमेरिका और ईरान के बीच जारी बातचीत को आगे बढ़ाना है। इस बीच अमेरिकी हमले में भारी नुकसान का दावा ईरान ने किया है। ईरानी राष्ट्रपति के विज्ञान, प्रौद्योगिकी और ज्ञान-आधारित अर्थव्यवस्था मामलों के उपाध्यक्ष हुसैन अफशीन ने कहा कि युद्ध के दौरान देश के शोध बुनियादी ढांचे को लगभग 30 करोड़ डॉलर का नुकसान हुआ है। ईरानी समाचार एजेंसी आईआरएनए के अनुसार, अफशीन ने कहा, 'हम देश में उभरती हुई प्रौद्योगिकियों पर काम कर रहे थे, जिनका कोई सैन्य उपयोग नहीं था। दुश्मन ने ईरान की वैज्ञानिक और तकनीकी क्षमता को निशाना बनाया, जिसे अब और मजबूती के साथ फिर से खड़ा किया जाएगा।'

'भारत-न्यूजीलैंड रिश्तों की 'वाका' नई यात्रा पर', ऑकलैंड में पीएम मोदी ने भारतीय समुदाय को किया संबोधित

एजेंसी

ऑकलैंड । प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी अपने छह दिवसीय दौरे के आखिरी चरण में ऑकलैंड में आयोजित सामुदायिक कार्यक्रम में शामिल हुए। इस कार्यक्रम में भारी संख्या में भारतीय समुदाय के लोग शामिल हुए हैं। भारतीय समुदाय को संबोधित करने के लिए पीएम मोदी जैसे ही मंच पर पहुंचे, पूरा हॉल मोदी-मोदी के नारे से गूंज उठा। प्रधानमंत्री मोदी की मौजूदगी को देखकर लोगों में एक अलग ही उत्साह था। अपने संबोधन की शुरुआत करते हुए पीएम मोदी ने कहा, 'आज 40 साल के बाद, कोई भारतीय पीएम न्यूजीलैंड की धरती पर आया है। ये मेरा सौभाग्य है, मैं न्यूजीलैंड के सभी निवासियों के लिए 140 करोड़ भारतीयों की शुभकामनाएं लेकर आया हूं। प्रधानमंत्री के रूप में भले ही मेरा पहला न्यूजीलैंड दौरा है, लेकिन 25-30 साल पहले, जब मैं किसी सरकार में भी हिस्सा नहीं था, सार्वजनिक जीवन में भी मुझे कोई जानता नहीं था, तब भी मुझे यहां आने का मौका मिला।' पीएम मोदी ने कहा कि उस समय मुझे किसी ने उपहार में तीन चीजें दी थी, जो मैं वापस भारत लेकर गया था, एक ये मफलर, एक टोपी और एक दस्ताना, क्योंकि ठंड का मौसम था, और उसमें से एक चीज मैं अभी यहां इस कार्यक्रम में भी लेकर आया। ये मफलर जो आप देख रहे हैं, ये 25-30 साल पहले मुझे न्यूजीलैंड के एक साथी ने दिया था। इतने साल में मैंने कई बार इसका उपयोग किया और आज भी इसे संभाल कर रखा है, जैसे आपके प्यार को संभालकर रखता हूं। इस बार जब मेरा यहां आने का कार्यक्रम बना, तो मैं विशेष तौर पर इसे अपने साथ लेकर आया, क्योंकि खबर थी कि ठंड ज्यादा है। उन्होंने कहा कि भारत और न्यूजीलैंड के रिश्ते में यादें भी हैं, दोस्ती भी है, वैल्यू भी है, और एक प्रतिबद्धता भी है। इस रिश्ते को न्यूजीलैंड की एक सुंदर परंपरा अच्छी

तरह परिभाषित करती है। यहां एक शब्द सदियों से लोगों को जोड़ता आया है- वाका। इसका मतलब सिर्फ एक नाव का नाम नहीं है; यह हमारी साझा सफर की प्रतीक है। आज भारत-न्यूजीलैंड की यही वाका एक नई यात्रा पर निकलने के लिए तैयार है।

उन्होंने कहा कि हमारे सामने अवसरों से भरा खुला समुद्र है। हवाएं हमारे साथ हैं, समंदर की विशाल लहरें हमारे साथ हैं और इच्छाशक्ति का नीला आसमान हमारे साथ है। पाने को काफी कुछ है; हम सफल होंगे। मुझे इस यात्रा की सफलता पर पूरा भरोसा है, क्योंकि इसके असली नाविक मोदी नहीं, आप सभी हैं। ऑकलैंड से वेलिंग्टन तक, क्राइस्टचर्च से प्रिंस टाउन तक, न्यूजीलैंड के कोने-कोने में फैला भारतीय समुदाय इस साझा सफर का नाविक है। पीएम मोदी ने कहा, 'मैं अपने मित्र प्रधानमंत्री क्रिस्टोफर लक्सन, न्यूजीलैंड सरकार के सभी साथियों और लेबर पार्टी के सभी सदस्यों का भी अभिनंदन करूंगा। यह दिखाता है कि भारत-न्यूजीलैंड रिश्तों को कितना बड़ा समर्थन है। इससे यह भी पता चलता है कि किवी भारतीय समुदाय की उपलब्धि और योगदान कितनी बड़ी हैं। आप यहां आएं, कीवी इंडियन कम्युनिटी के उत्सव का हिस्सा बनें, जिससे ये समारोह और जीवंत हो गया है। आपने जिस गर्मजोशी, सस्नेह और उत्साह से हम सभी का स्वागत किया है, मैं आपका बहुत-बहुत आभारी हूं।' उन्होंने कहा कि कीवी इंडियन कम्युनिटी में भी सुपरहिट है। भारत के स्वतंत्रता दिवस पर आपने क्रिस हिप्किंस (न्यूजीलैंड के विपक्ष के नेता) के साथ मिलकर दमादम मस्त कलंदर गाने पर जो डांस किया, वह काफी वायरल हुआ। आपके वह डांस कीवी इंडियन के दिलों में छप गए हैं।

page 1 and 8 July 12_page 1 Mar 25 final ds.qxd 7/12/2026 1:10 AM Page 2

जीएमसी कठुआ में पहली बार 5 साल के बच्चे की सफल किडनी बायोप्सी, चिकित्सा क्षेत्र में ऐतिहासिक उपलब्धि

कठुआ, 11 जुलाई (हि.स.)। जीएमसी कठुआ ने उन्नत बाल चिकित्सा सेवाओं के क्षेत्र में एक महत्वपूर्ण उपलब्धि हासिल करते हुए पहली बार एक 5 वर्षीय बच्चे पर सफलतापूर्वक रीनल (किडनी) बायोप्सी कर इतिहास रच दिया है।

यह जटिल प्रक्रिया संस्थान के प्रिंसिपल डॉ. सुरिंदर कुमार अत्री के दूरदर्शी नेतृत्व, मार्गदर्शन और निरंतर प्रोत्साहन तथा बाल रोग विभाग के अध्यक्ष डॉ. विरेंद्र कुमार की देखरेख में सफलतापूर्वक संपन्न हुई।

रीनल बायोप्सी की इस चुनौतीपूर्ण प्रक्रिया को बाल नेफ्रोलॉजिस्ट एवं असिस्टेंट प्रोफेसर डॉ. आकाश कुमार ने डॉ. निपुण, डॉ. शारदा और डॉ. एराम की समर्पित टीम के सहयोग से अंजाम दिया। संबंधित बच्चा एक जटिल किडनी रोग से पीड़ित था जिसके सटीक उपचार के लिए ऊतक (टिश्यू) जांच आवश्यक थी।

प्रिंसिपल डॉ. सुरिंदर कुमार अत्री ने बताया कि कम उम्र के मरीज में इस प्रकार की प्रक्रिया तकनीकी रूप से अत्यंत चुनौतीपूर्ण होती है जिसके लिए सूक्ष्म योजना, उच्च स्तरीय सटीकता, अल्ट्रासाउंड मार्गदर्शन तथा प्रक्रिया के बाद गहन निगरानी की आवश्यकता होती है। टीम ने इन सभी पहलुओं का सफलतापूर्वक पालन करते हुए प्रक्रिया को सुरक्षित तरीके से पूरा किया।

यह उपलब्धि जीएमसी कठुआ में बाल नेफ्रोलॉजी सेवाओं को सुदृढ़ करने की दिशा में एक बड़ा कदम है जिससे अब बच्चों को ऐसे विशेष जांच के लिए बड़े अस्पतालों में रेफर करने की आवश्यकता काफी हद तक कम हो जाएगी। इस सफलता में बाल रोग विभाग के असिस्टेंट प्रोफेसर डॉ. सुदेश सिंह का भी महत्वपूर्ण योगदान रहा जिनके मार्गदर्शन ने विभाग में उन्नत चिकित्सा सेवाओं को मजबूत करने में अहम भूमिका निभाई है। यह उपलब्धि जीएमसी कठुआ की बढ़ती चिकित्सा क्षमता, टीम वर्क, क्लिनिकल उत्कृष्टता और क्षेत्र में सार्वजनिक स्वास्थ्य सेवाओं को सशक्त बनाने की दिशा में एक मजबूत उदाहरण प्रस्तुत करती है।

जो युवाओं का रोजगार खा गए, वे अयोध्या-मथुरा-काशी के बारे में क्या सोचते : सीएम योगी

कुशीनगर को 525 करोड़ की विकास परियोजनाओं की सौगात, सीएम योगी ने किया 464 परियोजनाओं का लोकार्पण व शिलान्यास

मंदिरों के सौंदर्यीकरण एवं पुनरुद्धार का कार्य जारी
बचपन सुरक्षित तो देश का भविष्य भी सुरक्षित

कार्यक्रम में सीएम ने दो वरिष्ठ कार्यकर्ताओं 110 वर्षीय राम विलास भगत व 104 वर्षीय राम प्रसाद साहनी को सम्मानित करते हुए कहा कि इन लोगों ने एक विचारधारा, मूल्यों और सिद्धांतों के साथ जुड़े रहकर अपना पूरा जीवन समर्पित किया। मुख्यमंत्री ने दो बच्चों का अन्नप्राशन भी कराया और कहा कि डबल इंजन सरकार ने इनके भविष्य को सुरक्षित किया है। आज बचपन सुरक्षित होगा तो कल देश का भविष्य भी सुरक्षित होगा।

कुशीनगर, 11 जुलाई। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने समाजवादी पार्टी पर कड़ा प्रहार करते हुए कहा कि जो लोग नौजवानों का रोजगार छीनने का पाप करते थे, वे अयोध्या, मथुरा व काशी के बारे में कैसे सोच सकते थे। ये लोग मंदिरों के नाम पर आने वाले पैसे को हजम कर जाते थे। मंदिरों पर कब्जा करवाते थे। आज उन्हीं मंदिरों का पुनरुद्धार हो रहा है, सौंदर्यीकरण हो रहा है। मंदिरों का पैसा कब्रिस्तान की बाउंड्रीवाल पर खर्च करने वाले लोगों का विकास पर बात करना शोभा नहीं देता।

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने शनिवार को कुशीनगर में 525 करोड़ रुपये की लागत से 464 विकास परियोजनाओं का लोकार्पण एवं शिलान्यास किया। ये परियोजनाएं रामकोला, हाटा और कुशीनगर विधानसभा क्षेत्रों से संबंधित हैं। इस मौके पर सीएम योगी ने बुजुर्गों को सम्मानित करने के साथ ही लाभार्थियों को प्रमाण पत्र, चेक व स्वीकृति पत्र भी वितरित किए।

मुख्यमंत्री ने कहा कि वर्ष 2017 से पहले कुशीनगर इंसेफेलाइटिस (दिमागी बुखार), पिछड़ेपन और पलायन जैसी गंभीर समस्याओं के लिए जाना जाता था, लेकिन वर्तमान सरकार की प्रभावी रणनीति और निरंतर प्रयासों से इस चुनौती पर निर्णायक नियंत्रण स्थापित किया गया है। सरकार ने स्वास्थ्य सेवाओं को मजबूत करने, स्वच्छता, टीकाकरण और जागरूकता अभियानों के माध्यम से इंसेफेलाइटिस के खिलाफ व्यापक अभियान चलाया, जिसके सकारात्मक परिणाम सामने आए।

सीएम ने कहा कि जो लोग वर्षों तक गरीबों के नाम पर राजनीति करते रहे, उन्होंने मुसहर समाज जैसे वंचित वर्गों को मूलभूत सुविधाओं से भी वंचित रखा। वर्तमान सरकार ने ऐसे परिवारों को मुख्यधारा से जोड़ने का कार्य किया है। मुसहर परिवारों को पक्के आवास, भूमि के पट्टे, आयुष्मान भारत स्वास्थ्य कार्ड, निःशुल्क राशन, उज्ज्वला योजना के तहत गैस कनेक्शन तथा बिजली कनेक्शन जैसी सुविधाएं उपलब्ध कराई गई हैं। इससे उनमें सम्मान, सुरक्षा और स्वतंत्र भारत के समान अधिकार प्राप्त नागरिक होने का आत्मविश्वास पैदा हुआ है।

मुख्यमंत्री ने कानून-व्यवस्था पर सरकार की जीरो टॉलरेंस नीति दोहराते हुए कहा कि डबल इंजन सरकार में गुंडागर्दी व दंगाइयों के लिए कोई स्थान नहीं है। उत्तर प्रदेश आज दंगा मुक्त राज्य के रूप में स्थापित हुआ है- नो कर्फ्यू, नो दंगा, यूपी में अब सब चंगा। दुर्गा पूजा, रामनवमी, जन्माष्टमी, होली सहित सभी प्रमुख त्योहार विभिन्न समुदायों द्वारा शांतिपूर्ण और सौहार्दपूर्ण वातावरण में मनाए जा रहे हैं। सरकार ने शिक्षा से जुड़े कर्मियों का सामाजिक सुरक्षा कवच मजबूत किया है। बेसिक एवं माध्यमिक शिक्षकों, शिक्षामित्रों, अनुदेशकों और रसोइयों को प्रतिवर्ष 5 लाख रुपये तक कैशलेस स्वास्थ्य सुविधा उपलब्ध कराई गई है। इन सबको एक्सिडेंटल इंश्योरेंस कवर भी दिया गया है।

मुख्यमंत्री ने कहा कि कुशीनगर को कनेक्टिविटी, पर्यटन, कृषि और रोजगार के क्षेत्र में नई पहचान दिलाने के लिए कई महत्वपूर्ण परियोजनाओं पर तेजी से काम किया जा रहा है। कुशीनगर इंटरनेशनल एयरपोर्ट को जेवर व गया से जोड़ने की तैयारी चल रही है। नए विमान उपलब्ध होने के बाद यहां से हवाई सेवाओं का विस्तार होगा। खड्डा क्षेत्र में नारायणी नदी पर लगभग 800 करोड़ रुपये की लागत से नए सेतु का निर्माण कराया गया है, जबकि रामकोला-कसया मार्ग के चौड़ीकरण का प्रस्ताव भी जल्द मंजूर किया जाएगा।

मुख्यमंत्री ने कहा कि युवाओं को बेहतर अवसर देने के लिए कुशीनगर में कृषि एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय की स्थापना की गई है, जहां इसी शैक्षणिक सत्र से प्रवेश शुरू होंगे। केला उत्पादन को बढ़ावा देने के लिए टिश्यू कल्चर लैब की आधारशिला रखी गई है। निवेश और रोजगार अब केवल पश्चिमी उत्तर प्रदेश तक सीमित नहीं, बल्कि पूर्वांचल के कुशीनगर और गोरखपुर जैसे क्षेत्रों में भी ये तेजी से बढ़ रहे हैं। सरकार प्रदेश की सांस्कृतिक और धार्मिक विरासत के संरक्षण के लिए प्रतिबद्ध है। प्रत्येक विधानसभा क्षेत्र में मंदिरों के सौंदर्यीकरण व पुनरुद्धार का कार्य कराया जा रहा है। कुशीनगर में रामाभार स्तूप के निकट बौद्ध घाट तथा हिरण्यवती नदी के किनारे पर्यटक सुविधाओं का भी विकास किया जा रहा है।

स्थानीय समाचार

गौ-तस्करी का प्रयास विफल, 13 मवेशी मुक्त करवाए, ट्रक जब्त

कठुआ, 11 जुलाई (हि.स.)। कठुआ पुलिस ने मढ़हीन क्षेत्र में बड़ी कार्रवाई करते हुए गौ-तस्करी के प्रयास को नाकाम बना दिया। पुलिस ने 13 भैंसों को मुक्त करवाते हुए एक ट्रक जब्त किया है। जानकारी के अनुसार राजबाग थाना क्षेत्र के खानपुर-सांझी मोड़ पर नाका जांच के दौरान एक संदिग्ध ट्रक नंबर जेके08एल-6786 को रोका गया जो पंजाब से जम्मू-कश्मीर की ओर आ रहा था। जांच के दौरान ट्रक में 13 भैंसों को अमानवीय तरीके से भरा हुआ पाया गया। पुलिस ने सभी भैंसों को सुरक्षित छुड़ाकर ट्रक को जब्त कर लिया। इस संबंध में थाना राजबाग में एफआईआर नंबर 155/2026 के तहत मामला दर्ज कर आगे की जांच शुरू कर दी गई है। कठुआ पुलिस ने आम जनता से अपील की है कि गौ-तस्करी जैसी अवैध गतिविधियों की सूचना तुरंत पुलिस को दें सूचना देने वाले की पहचान गोपनीय रखी जाएगी।

चिट्टे के साथ नशा तस्कर गिरफ्तार

कठुआ, 11 जुलाई (हि.स.)। नशा मुक्त जम्मू-कश्मीर अभियान के तहत कठुआ पुलिस ने कार्रवाई करते हुए करीब 5 ग्राम चिट्टा बरामद कर एक नशा तस्कर को गिरफ्तार किया है। पुलिस ने तस्करी में इस्तेमाल मोटरसाइकिल भी जब्त कर ली है।

जानकारी के अनुसार पुलिस थाना कठुआ की टीम ने गुप्त सूचना के आधार पर विशेष नाका लगाकर एक संदिग्ध मोटरसाइकिल पीबी35एआर-5398 को रोका। तलाशी के दौरान चालक मोहम्मद रफी पुत्र नूर मोहम्मद निवासी कंडीला तहसील बटाला जिला गुरदासपुर पंजाब के कब्जे से प्रतिबंधित नशीला पदार्थ बरामद किया गया। पुलिस ने आरोपी को मौके पर ही गिरफ्तार कर लिया और उसके खिलाफ थाना कठुआ में एफआईआर संख्या 346/2026 के तहत एनडीपीएस एक्ट की धाराओं में मामला दर्ज कर आगे की जांच शुरू कर दी है। पुलिस ने आम जनता से अपील की है कि नशे के खिलाफ इस अभियान में सहयोग करें और किसी भी संदिग्ध गतिविधि की सूचना तुरंत पुलिस को दें।

भालू के हमले से बुजुर्ग की मौत

राजौरी, 11 जुलाई (हि.स.)। राजौरी जिले के दरहाल इलाके के ऊपरी इलाकों में एक बुजुर्ग की मौत हो गई। बताया जा रहा है कि बुजुर्ग पर भालू ने हमला किया था जिसके चलते उनकी मौके पर ही मौत हो गई। जानकारी देते अधिकारियों ने बताया कि शुक्रवार देर शाम को राजौरी जिले के दरहाल इलाके के ऊपरी इलाकों में भालू के हमले में 68 साल के एक आदमी की मौत हो गई।

'16 अगस्त को जम्मू से श्री बूढ़ा अमरनाथ यात्रा का पहला जत्था होगा रवाना'

पुंछ, 11 जुलाई (हि.स.)। विश्व हिन्दू परिषद और बजरंग दल द्वारा आज दशनामी अखाड़ा मंदिर पुंछ में अगले महीने शुरू होने वाली बजरंगदल की राष्ट्र व्यापी श्री बूढ़ा अमरनाथ यात्रा को लेकर एक बैठक का आयोजन किया गया। इसमें बजरंगदल, विश्व हिन्दू परिषद, सनातनधर्म सभा, दशनामी अखाड़ा मंदिर समिति के साथ ही पुंछ जिले के हिन्दू और धार्मिक संगठनों के पदाधिकारियों ने भाग लिया।

बैठक की अध्यक्षता बजरंगदल के राष्ट्रीय संयोजक किशन प्रजापति, मध्य भारत के संयोजक जनमंजय और इंद्रप्रस्थ के संयोजक रघुबीर सिंह ने करते हुए यात्रा की तैयारियों और व्यवस्थाओं पर चर्चा की। पुंछ के संगठनों के पदाधिकारियों ने इस बात का आश्वासन दिया कि इस बार यात्रियों को गत वर्षो से अधिक सुविधाएं प्रदान की जाएंगी।

वहीं इस वर्ष की यात्रा को लेकर मीडिया को संबोधित करते हुए किशन प्रजापति ने कहा कि 16 अगस्त शाम को जम्मू में श्री बूढ़ा अमरनाथ यात्रा का उपराज्यपाल मनोज सिन्हा और विश्व हिन्दू परिषद के राष्ट्रीय अध्यक्ष मिलिंद परांडे द्वारा किया जाएगा। 17 अगस्त शाम को यात्रियों का पहला जत्था पुंछ नगर पहुंचेगा और 18 अगस्त को पहला जत्था श्री बूढ़ा अमरनाथ मंदिर में दर्शन पूजन करने के बाद वापिस लोटेगा।

राणा ने जम्मू संभाग में पीएचई और आई एंड एफसी विभागों की कार्यप्रणाली की समीक्षा की, निर्बाध पेयजल आपूर्ति और मजबूत बाढ़ तैयारी पर दिया जोर

जम्मू, 11 जुलाई। जल शक्ति, वन, पारिस्थितिकी, पर्यावरण एवं जनजातीय मामलों के मंत्री जावेद अहमद राणा** ने आज यहां सिविल सचिवालय में एक व्यापक समीक्षा बैठक की अध्यक्षता करते हुए जम्मू संभाग में **लोक स्वास्थ्य अभियांत्रिकी पीएचई तथा **सिंचाई एवं बाढ़ नियंत्रण आई एंड एफसी विभागों की कार्यप्रणाली का आकलन किया।

बैठक में मुख्य अभियंता पीएचई जम्मू, मुख्य अभियंता आई एंड एफसी जम्मू के अलावा बाढ़ नियंत्रण प्रभागों के अधीक्षण अभियंता तथा कार्यकारी अभियंता उपस्थित रहे।

बैठक के दौरान जावेद राणा ने पीएमकेएसवाई-एचककेपी, यूटी कैपेक्स नाबार्ड, एसएएससीआई, *डीए-जेजीयूए** तथा अन्य योजनाओं के भौतिक एवं वित्तीय कार्यों की प्रगति की जानकारी ली। उन्होंने पूरे जम्मू संभाग में निर्बाध पेयजल आपूर्ति तथा प्रभावी बाढ़ प्रबंधन सुनिश्चित करने के लिए सक्रिय योजना बनाने पर जोर दिया। उन्होंने निर्देश दिए कि सभी परियोजनाएं निर्धारित समय-सीमा के भीतर पूरी की जाएं ताकि उनका लाभ शीघ्र जनता को मिल सके।

मंत्री ने कहा कि पर्याप्त पेयजल उपलब्ध कराना सरकार की सर्वोच्च प्राथमिकता है। उन्होंने अधिकारियों को निर्देश दिए कि सभी जलापूर्ति योजनाएं अपनी पूर्ण क्षमता के साथ संचालित रहें तथा नियमित अंतराल पर उनका निवारक रखरखाव किया जाए। उन्होंने स्पष्ट किया कि पेयजल उपलब्ध कराने में किसी भी प्रकार की लापरवाही बर्दाश्त नहीं की जाएगी तथा किसी भी चूक के लिए जिम्मेदारी तय की जाएगी।

उन्होंने अधिकारियों को जल जीवन मिशन जेजेए के तहत लगभग पूर्ण हो चुकी परियोजनाओं का कार्य तेज करने के निर्देश दिए ताकि उनका समय पर संचालन शुरू हो सके और लोगों को बिना किसी देरी के लाभ मिल सके। साथ ही उन्होंने महत्वपूर्ण जलापूर्ति अवसंरचना का नियमित निरीक्षण सुनिश्चित करने को कहा।

जम्मू शहर तथा संभाग के अन्य क्षेत्रों में जल टैंकरों के संचालन की समीक्षा करते हुए मंत्री ने निर्देश दिए कि उनकी तैनाती आवश्यकता के अनुसार उचित स्थानों पर की जाए तथा पानी भरने के लिए उपयुक्त फिलिंग स्टेशन चिन्हित किए जाएं। उन्होंने सभी जिलों में प्रतिदिन जल स्रोतों के डिस्चार्ज तथा भूजल स्तर की निगरानी करने तथा साप्ताहिक समीक्षा एवं समन्वय बैठकें आयोजित करने के निर्देश भी दिए, ताकि उभरती चुनौतियों का समय रहते समाधान किया जा सके।

बैठक के दौरान मुख्य अभियंता, जल शक्ति आई एंड एफसी, जम्मू ने विभाग द्वारा अब तक पूर्ण किए गए कार्यों, भविष्य की योजनाओं तथा आपातकालीन व्यवस्थाओं पर विस्तृत प्रस्तुति दी।

मंत्री को बताया गया कि किसी भी आपात स्थिति से निपटने के लिए पूर्व वर्षों की भांति विभिन्न जिलों में डी-वाटरिंग पंप तैनात किए गए हैं। इस पर जावेद राणा ने निर्देश दिए कि रणनीतिक स्थानों पर अतिरिक्त पंप एवं जनरेटर उपलब्ध रखे जाएं तथा आवश्यक स्पेयर पार्ट्स का पर्याप्त भंडार सुनिश्चित किया जाए।

बाढ़ तैयारी की समीक्षा करते हुए मंत्री ने संवेदनशील क्षेत्रों में किए जा रहे शमन उपायों का जायजा लिया और अधिकारियों को संरचनात्मक एवं गैर-संरचनात्मक दोनों प्रकार के उपाय अपनाने के निर्देश दिए। उन्होंने समय पर प्रतिक्रिया सुनिश्चित करने के लिए प्रभावी समन्वय पर बल दिया। उन्होंने बाढ़ तथा अन्य मौसम संबंधी आपदाओं की बढ़ती आशंका को देखते हुए आधुनिक तकनीक आधारित प्रारंभिक चेतावनी प्रणाली तथा विभिन्न एजेंसियों के बीच मजबूत समन्वय को अत्यंत महत्वपूर्ण बताया। उन्होंने अधिकारियों को एसएएससीआई आपदा कार्यक्रम के तहत विशेष रूप से पूर्व में बाढ़ प्रभावित क्षेत्रों में परियोजनाओं को मिशन मोड में तेज गति से पूरा करने के निर्देश दिए, ताकि बाढ़ सुरक्षा एवं सिंचाई अवसंरचना को मजबूत बनाया जा सके। उन्होंने कहा कि इन परियोजनाओं की नियमित निगरानी की जाए ताकि उनका लाभ समय पर धरातल पर दिखाई दे।

पुलिस की त्वरित कार्रवाई से अमरनाथ तीर्थयात्रियों को टैक्सी में छूटी नकदी और दस्तावेज़ बरामद करने में मिली मदद

रामबन, 11 जुलाई (हि.स.)। जम्मू-कश्मीर पुलिस ने रामबन जिले में तीन अमरनाथ तीर्थयात्रियों का 13 लाख रुपये और कुछ महत्वपूर्ण दस्तावेजों से भरा एक हैंडबैग बरामद किया जिसे बाद में सत्यापन के बाद तीर्थयात्रियों को सौंप दिया गया।

महाराष्ट्र से आए ये तीर्थयात्री बनिहाल स्थित तीर्थयात्रा शिविर में पहुंचने से पहले टैक्सी की सीट के नीचे अपना बैग भूल गए थे। उन्हें रविवार को दक्षिण कश्मीर स्थित अमरनाथ गुफा मंदिर के लिए रवाना होना था।

अधिकारियों ने बताया कि सूचना मिलने पर बनिहाल एसएचओ आशिक हुसैन लोन के नेतृत्व में एक टीम ने सोपोर पुलिस के समन्वय से टैक्सी और उसके चालक का पता लगाया। उन्होंने बताया कि बरामद नकदी और दस्तावेजों को सत्यापन के बाद तीर्थयात्रियों को सौंप दिया गया।

तीर्थयात्रियों ने त्वरित कार्रवाई के लिए पुलिस का आभार व्यक्त किया।

एल-जी विनय कुमार सक्सेना ने स्मार्ट एनर्जी एवं इलेक्ट्रिकल सिस्टम्स सेंटर ऑफ एक्सीलेंस का किया उद्घाटन

लेह, 11 जुलाई। लद्दाख को स्वच्छ ऊर्जा नवाचार और भविष्य-उन्मुख तकनीकी शिक्षा का केंद्र बनाने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम उठाते हुए उपराज्यपाल श्री विनय कुमार सक्सेना ने आज लेह स्थित एलआरईडीए परिसर में स्मार्ट एनर्जी एवं इलेक्ट्रिकल सिस्टम्स सेंटर ऑफ एक्सीलेंस का उद्घाटन किया। इस केंद्र की स्थापना स्थानीय युवाओं को नवीकरणीय ऊर्जा, औद्योगिक स्वचालन (इंडस्ट्रियल ऑटोमेशन) तथा हिमालयी क्षेत्र की विशिष्ट आवश्यकताओं के अनुरूप उभरती प्रौद्योगिकियों में उन्नत कौशल प्रदान करने के उद्देश्य से की गई है।

प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी के 卐 स्किल इंडिया, डिजिटल इंडिया और मेक इन इंडिया के विजन के अनुरूप स्थापित इस केंद्र में अत्याधुनिक प्रयोगशालाएँ विकसित की गई हैं। इनमें प्रोग्रामेबल लॉजिक कंट्रोलर्स (आधारित औद्योगिक स्वचालन, ह्यूमन मशीन इंटरफेस सिस्टम, स्काडा एवं इंडस्ट्रियल इंटरनेट ऑफ थिंग्स , स्मार्ट इलेक्ट्रिकल सिस्टम्स, बिल्डिंग मैनेजमेंट सिस्टम्स, नवीकरणीय ऊर्जा प्रौद्योगिकी, इलेक्ट्रिक वाहन चार्जिंग अवसंरचना तथा फायर एवं सेफ्टी ऑटोमेशन शामिल हैं।

पहले चरण में इलेक्ट्रिकल इंस्टॉलेशन एवं मेंटेनेंस, इंडस्ट्रियल ऑटोमेशन, बिल्डिंग मैनेजमेंट सिस्टम्स, SCAD एवं IIoT, सोलर पीवी टेक्नोलॉजी, तथा इलेक्ट्रिक वाहन चार्जिंग एवं ऊर्जा प्रबंधन जैसे विषयों पर विशेष प्रशिक्षण कार्यक्रम संचालित किए जाएंगे। ऊर्जा प्रबंधन, औद्योगिक स्वचालन, विद्युत वितरण, बिल्डिंग ऑटोमेशन और ग्रिड प्रबंधन तकनीकों में वैश्विक अग्रणी कंपनी श्नाइडर इलेक्ट्रिक इस सेंटर ऑफ एक्सीलेंस की एनर्जी टेक्नोलॉजी पार्टनर के रूप में जुड़ी है। लद्दाख स्वायत्त पर्वतीय विकास परिषद, लेह ने इस केंद्र के लिए भवन उपलब्ध कराया है। इस साझेदारी के तहत केंद्र का मुख्य उद्देश्य इंजीनियरों, आईटीआई स्नातकों और तकनीकी पेशेवरों को उच्च हिमालयी माइक्रोग्रिड, स्मार्ट ऑटोमेशन सिस्टम्स, नवीकरणीय ऊर्जा एकीकरण, SCADA, PLC तथा बिल्डिंग मैनेजमेंट सिस्टम्स जैसे विशेष क्षेत्रों में प्रशिक्षित करना है, ताकि लद्दाख जैसे पर्वतीय क्षेत्रों की विशिष्ट परिचालन आवश्यकताओं को पूरा किया जा सके। इस अवसर पर उपस्थित लोगों को संबोधित करते हुए उपराज्यपाल श्री विनय कुमार सक्सेना ने कहा कि लद्दाख की भौगोलिक परिस्थितियाँ जहाँ अनेक चुनौतियाँ प्रस्तुत करती हैं, वहीं यह नवीकरणीय ऊर्जा, स्मार्ट अवसंरचना और जलवायु-अनुकूल प्रौद्योगिकियों के क्षेत्र में अपार संभावनाएँ भी प्रदान करती हैं।उन्होंने कहा, लद्दाख का भविष्य एक ऐसे कुशल, नवाचारी और आत्मनिर्भर कार्यबल के निर्माण में निहित है, जो स्वच्छ ऊर्जा और उन्नत तकनीकों की दिशा में परिवर्तन का नेतृत्व कर सके। यह सेंटर ऑफ एक्सीलेंस युवाओं को नवीकरणीय ऊर्जा, औद्योगिक स्वचालन, इलेक्ट्रिक मोबिलिटी और स्मार्ट अवसंरचना जैसे उभरते क्षेत्रों के लिए तैयार करेगा। हमारा उद्देश्य केवल रोजगार सृजित करना नहीं, बल्कि ऐसे नवप्रवर्तकों, उद्यमियों और तकनीकी नेतृत्वकर्ताओं को तैयार करना है, जो लद्दाख और देश के सतत विकास में महत्वपूर्ण योगदान दें।

सरकार ने 318 मास्टर्स को प्रभारी हेडमास्टर बनाया सकीना इटू ने कहा, ऐतिहासिक निर्णय से जम्मू-कश्मीर में शिक्षा की गुणवत्ता में होगा सुधार

श्रीनगर, 11 जुलाई। सरकारी विद्यालयों के प्रशासनिक एवं शैक्षणिक ढांचे को और अधिक सुदृढ़ बनाने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम उठाते हुए जम्मू-कश्मीर सरकार ने स्कूल शिक्षा विभाग के 318 मास्टर्स को प्रभारी हेडमास्टर के रूप में नियुक्त किया है तथा उन्हें जम्मू-कश्मीर के विभिन्न सरकारी विद्यालयों में तैनात किया गया है।

यह निर्णय विद्यालयों में प्रभावी नेतृत्व सुनिश्चित करने, प्रशासनिक आवश्यकताओं को पूरा करने तथा सरकारी स्कूलों में शिक्षा की समग्र गुणवत्ता को बेहतर बनाने की दिशा में एक महत्वपूर्ण पहल माना जा रहा है।इस महत्वपूर्ण निर्णय पर प्रतिक्रिया व्यक्त करते हुए शिक्षा, समाज कल्याण तथा स्वास्थ्य एवं चिकित्सा शिक्षा मंत्री सकीना इटू ने कहा कि यह फैसला सरकार की शिक्षा के स्तर को बेहतर बनाने तथा जम्मू-कश्मीर के विद्यार्थियों को बेहतर शैक्षणिक परिणाम उपलब्ध कराने की अटूट प्रतिबद्धता को दर्शाता है।

मंत्री ने कहा कि किसी भी शैक्षणिक संस्थान में मजबूत नेतृत्व शिक्षण-अधिगम प्रक्रिया को बेहतर बनाने, जवाबदेही बढ़ाने तथा गुणवत्तापूर्ण शिक्षा के लिए अनुकूल वातावरण तैयार करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है। उन्होंने विश्वास व्यक्त किया कि 318 मास्टर्स को प्रभारी हेडमास्टर बनाए जाने से विद्यालयों का प्रशासन और अधिक सशक्त होगा तथा जमीनी स्तर पर शिक्षा के प्रदर्शन में उल्लेखनीय सुधार आएगा।

सकीना इटू ने दोहराया कि मुख्यमंत्री उमर अब्दुल्ला के नेतृत्व वाली वर्तमान सरकार शैक्षणिक संस्थानों के उन्नयन के लिए पूरी तरह प्रतिबद्ध है। उन्होंने कहा कि सरकार पर्याप्त मानव संसाधन उपलब्ध कराने, आधारभूत ढांचे को मजबूत करने तथा शिक्षा क्षेत्र में प्रगतिशील सुधार लागू करने के लिए लगातार कार्य कर रही है।

उन्होंने कहा कि सरकार स्कूल शिक्षा प्रणाली के आधुनिकीकरण, मौजूदा कमियों को दूर करने तथा विद्यार्थियों को बेहतर शैक्षणिक वातावरण में गुणवत्तापूर्ण शिक्षा उपलब्ध कराने के लिए अनेक महत्वपूर्ण कदम उठा रही है। मंत्री ने यह भी बताया कि सरकार ने विभिन्न विषयों में 595 व्याख्याताओं लेक्चरर्स की भर्ती कर उन्हें प्रदेश के विभिन्न उच्च माध्यमिक विद्यालयों में नियुक्त किया है, जिससे शिक्षा व्यवस्था को और अधिक मजबूती मिली है।

सकीना इटू ने कहा कि सरकार शिक्षा क्षेत्र को और अधिक सशक्त, समावेशी तथा भविष्य की आवश्यकताओं के अनुरूप बनाने के लिए नीतिगत पहल लगातार जारी रखेगी।